{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 27 दिसम्बर 2025
पौस शुक्ल 08 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 95
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

कच्छ में भूकंप का झटका रिक्टर स्केल पर 4.4 रही तीव्रता

अहमदाबाद। गुजरात का कच्छ जिला शुक्रवार तड़के एक बार फिर भूकंप के जोरदार झटकों से दहल उठा। जब लोग गहरी नींद में थे, तभी अचानक आए तेज कंपन ने पूरी घाटी को हिला दिया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के आंकड़ों के अनुसार, यह भूकंप सुबह करीब 4:30 बजे महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.4 मापी गई है। तड़के आए इस झटके ने लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल पैदा कर दिया। भूकंप वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस झटके का असर काफी स्पष्ट और प्रभावी था क्योंकि इसका केंद्र जमीन की सतह से महज 10 किलोमीटर नीचे स्थित था। केंद्र के सतह के करीब होने के कारण झटके की तीव्रता अधिक महसूस की गई।

एआई-जनरेटेड तस्वीर साझा करने पर कांग्रेस नेता के खिलाफ केस दर्ज

कोझिकोड। केरल में सोशल मीडिया पर एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से तैयार की गई एक विवादित तस्वीर साझा करना कांग्रेस नेता को महंगा पड़ गया। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को सबरीमाला सोना गुमशुदगी मामले के आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी के साथ दिखाने वाली कथित एआई-जनरेटेड तस्वीर पोस्ट करने के आरोप में कांग्रेस नेता एन. सुबरह्मणियन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह केस करुवट्टूर निवासी एन. सुबरह्मणियन के खिलाफ दर्ज किया गया है, जो केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी की राजनीतिक मामलों की समिति के सदस्य हैं।

अभिनेत्री पर्णो मित्रा टीएमसी में शामिल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव पहले ही नेताओं के एक से दूसरी पार्टी में जाने का सिलसिला शुरू हो गया है। शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ चुकी बंगाली अभिनेत्री पर्णो मित्रा ने पार्टी छोड़ दी। पर्णो मित्रा ने बीजेपी छोड़कर टीएमसी का दामन थाम लिया है। पश्चिम बंगाल की प्रसिद्ध टीवी अभिनेत्री पर्णो मित्रा ने कार्यक्रम के दौरान औपचारिक रूप से टीएमसी की सदस्यता ग्रहण कर ली। टीएमसी में पहुंचते ही पर्णो ने अपने बीजेपी में शामिल होने के फैसले को गलती बताया है। उन्होंने कहा कि अब उन गलतियों को सुधारने का समय है। बंगाली अभिनेत्री पर्णो ने सीएम ममता बनर्जी की अगुवाई में टीएमसी शामिल करने को अपने लिए बड़ा मौका भी बताया।

कुछ ना कहना

रिसर्च : सांस संबंधी बिमारियों का संकट सामने आ रहा

कोविड के बाद 'वायु प्रदूषण' सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट

जैव ईंधन को अपनाने पर बल देने की जरूरत

नयी दिल्ली। एजेंसी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड-19 महामारी के बाद भारत जिस सबसे बड़े स्वास्थ्य संकट का सामना कर रहा है, वह वायु प्रदूषण है। ब्रिटेन में रहने वाले भारतीय मूल के श्वसन रोग विशेषज्ञ ने चेतावनी दी है कि यदि तुरंत ठोस कदम नहीं उठाए गए तो हालात साल दर साल और बिगड़ेंगे।

विशेषज्ञों ने कहा कि देश में श्वसन संबंधी बीमारियों का एक बड़ा संकट धीरे-धीरे विकराल रूप ले रहा है, जो अभी न तो बड़े पैमाने पर पहचाना गया है और न ही इसके समाधान के लिए पर्याप्त कदम उठाए जा रहे हैं।

ब्रिटेन में कार्यरत कई वरिष्ठ चिकित्सकों ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि सांस संबंधी बीमारियों का यह छिपा हुआ संकट धीरे-धीरे गंभीर रूप ले रहा है और आने वाली लहर भारत के लोगों और देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गहरा व दीर्घकालिक असर डाल सकती है।

उन्होंने यह भी कहा कि पिछले दशक में विश्वभर में हृदय रोग के मामलों में वृद्धि केवल मोटापे के कारण नहीं हुई, बल्कि इसका मुख्य कारण कारों और विमानों सहित शहरी परिवहन से निकलने वाले जहरीले उत्सर्जन हैं। यह समस्या भारत, ब्रिटेन और

अन्य देशों के शहरों में विशेष रूप से गंभीर है।

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को स्वीकार किया कि दिल्ली में लगभग 40 प्रतिशत प्रदूषण परिवहन क्षेत्र से आता है, जो मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन पर निर्भर है। उन्होंने स्वच्छ विकल्पों की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए जैव ईंधन को अपनाने पर बल दिया।

'लिवरपूल' के सलाहकार श्वसन रोग विशेषज्ञ एवं भारत की कोविड 19 सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य मनीष गौतम ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'भारत सरकार का वायु प्रदूषण पर पुनः ध्यान केंद्रित करना जरूरी है। लेकिन एक कड़वी सच्चाई यह है कि उत्तर भारत में रहने वाले लाखों लोगों के लिए नुकसान पहले ही हो चुका है। हाल में जो कदम उठाए जा रहे हैं, वे बहुत कम हैं। सांस संबंधी बीमारियों का एक बड़ा संकट धीरे-धीरे हमारे सामने बढ़ रहा है।'

उन्होंने चेतावनी दी कि वर्षों तक प्रदूषण की जद में रहने के कारण फेफड़ों की स्वास्थ्य आपात स्थिति धीरे-धीरे सामने आ रही है। उन्होंने नीति निर्धारकों से अपील की कि वे सांस संबंधी बीमारियों का समय रहते पता लगाने और उनका इलाज करने पर ध्यान दें और तेजी से काम करने वाले एक 'कार्यदल' की स्थापना पर विचार करें।

चिकित्सकों के अनुसार, दिसंबर में सिर्फ दिल्ली के अस्पतालों में श्वसन संबंधी परेशानियों से जूझ रहे मरीजों की संख्या में 20 से 30 प्रतिशत वृद्धि देखी गई कोविड के बाद 'वायु प्रदूषण' में कई ऐसे मरीज थे जो पहली बार इससे पीड़ित हुए थे और युवा थे। ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा में 20 वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाले गौतम ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण और रोकथाम के उपाय महत्वपूर्ण तो हैं, लेकिन अब केवल इन्हीं उपायों से काम नहीं चलेगा।

गौतम ने कहा, 'भारत ने पहले भी यह उदाहरण पेश किया है कि बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम चलाना संभव है। सरकार के उपायों ने शीघ्र निदान और सुनियोजित उपचार कार्यक्रमों के माध्यम से तपेदिक के प्रभाव को काफी हद तक कम किया है। अब श्वसन रोगों के लिए भी इसी तरह की तत्परता और बड़े पैमाने पर कदम उठाने की आवश्यकता है।'

लंदन के 'सेंट जॉर्ज यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल' के मानद हृदय रोग विशेषज्ञ राजय नारायण के अनुसार, वायु प्रदूषण और हृदय, श्वसन, तंत्रिका संबंधी सहित कई प्रकार की बीमारियों के बीच 'अत्यधिक वैज्ञानिक प्रमाण' मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि यदि इसे समय रहते हल नहीं किया गया, तो यह स्वास्थ्य और आर्थिक बोझ दोनों को और बढ़ा देगा। नारायण ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'सिरदर्द, थकान, हल्की खांसी, गले में खराश, पाचन संबंधी परेशानी, आंखों में सूखापन, त्वचा पर चकत्ते और बार-बार होने वाले संक्रमण जैसे शुरुआती लक्षण अक्सर मामूली समझकर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं, लेकिन ये गंभीर दीर्घकालिक बीमारी के शुरुआती चेतावनी संकेत हो सकते हैं।'

ऑस्ट्रेलियन टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्यूनाइजेशन ने दी चेतावनी

भारत में मिल रही नकली रेबीज वैक्सीन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में वैक्सीन के लिए काम करने वाली सरकार की संस्थान ऑस्ट्रेलियन टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्यूनाइजेशन ने शुक्रवार को भारत में इस्तेमाल होने वाली रेबीज वैक्सीन के लिए चेतावनी जारी की है। ये चेतावनी अभयरब ब्रांड के लिए जारी की गई है। चेतावनी में कहा गया है अभयरब ब्रांड की वैक्सीन नकली है और रेबीज बीमारी के लिए फायदेमंद नहीं है। नवंबर 2023 से ये नकली वैक्सीन सप्लाई हो रही है।

आॅस्ट्रेलियन टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्यूनाइजेशन के मुताबिक नकली वैक्सीन में सही मात्रा में एक्टिव इंग्रीडिएंट नहीं हैं। अभयरब का इस्तेमाल ऑस्ट्रेलिया में नहीं होता है,

इसलिए यह एडवाइजरी मुख्य रूप से उन यात्रियों के लिए है जिन्होंने नवंबर 2023 के बाद भारत में वैक्सीन लगवाई थी। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने ऐसे लोगों को सलाह दी है कि वे उन डोज को संभावित रूप से अमान्य मानें और उन्हें रबीपुर या वेरोरैब जैसी रजिस्टर्ड वैक्सीन से बदलें।

देश में हर साल 20,000 लोगों की मौतें

ऑस्ट्रेलियाई चेतावनी भारत के लिए इसलिए अहम है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, भारत में हर साल अनुमानित 18,000 से 20,000 लोगों की मौत रेबीज से होती है। इनमें अधिकांश मामलों में कारण कुत्तों का काटना होता है। औसतन हर 30 मिनट में एक मौत दर्ज होती है। रेबीज के लक्षण सामने आने के बाद यह बीमारी लगभग हमेशा जानलेवा साबित होती है और इसका कोई भरोसेमंद इलाज नहीं है। मरीज का बचना पूरी तरह समय पर और सही पोस्ट-एक्सपोजर ट्रीटमेंट पर निर्भर करता है।

प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान उपाधि नहीं जिन्हें नाम के आगे या पीछे लगाया जाए- हाईकोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान एक महत्वपूर्ण टिप्पणी कर स्पष्ट किया है कि पद्म श्री, पद्म भूषण, पद्म विभूषण और भारत रत्न जैसे प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान कोई उपाधि (टाइटल) नहीं हैं, इसलिए इन्हें किसी भी व्यक्ति के नाम के आगे या पीछे नहीं जोड़ा जा सकता। अदालत ने यह टिप्पणी एक याचिका की सुनवाई के दौरान की, जब केस टाइटल में एक पक्षकार के नाम के साथ 'पद्म श्री' लिखा था।

मामला जस्टिस सोमशेखर सुंदरेसन की एकल पीठ के सामने आया। याचिका में 2004 में पद्म श्री से सम्मानित डॉ. शरद मोरेश्वर हार्डिकर भी पक्षकार थे। केस के शीर्षक में उनका नाम 'पद्म श्री डॉ.

शरद मोरेश्वर हार्डिकर' के रूप में दर्ज किया था। लेकिन सुनवाई करते समय जैसे ही अदालत का ध्यान इस ओर गया, जस्टिस सुंदरेसन ने इस पर आपत्ति जताकर कहा कि कानून के अनुसार इस तरह पुरस्कार को नाम का हिस्सा बनाना गलत है।

अदालत ने इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट के साल 1995 के ऐतिहासिक फैसले का उल्लेख किया। यह फैसला संविधान पीठ द्वारा दिया गया था, इसमें स्पष्ट बताया गया था कि पद्म पुरस्कार और भारत रत्न उपाधि नहीं हैं। इसलिए इनका प्रयोग नाम के पहले या बाद में नहीं हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने उस समय यह भी स्पष्ट किया था कि इसतहर के सम्मानों का उद्देश्य केवल सम्मान देना है, न कि किसी प्रकार की सामाजिक या कानूनी उपाधि प्रदान करना।

जस्टिस सुंदरेसन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला भारतीय संविधान के अनुच्छेद 141 के तहत देश की सभी अदालतों और प्राधिकरणों पर बाध्यकारी है। अनुच्छेद 141 के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट द्वारा घोषित कानून पूरे भारत में लागू होता है। इसलिए नियम का सख्ती से पालन होना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि आगे की सभी कानूनी कार्यवाहियों में पक्षकारों के नाम के साथ पद्म पुरस्कारों का उल्लेख न किया जाए और अदालतें भी इस बात का ध्यान रखें।

केरल में बीजेपी ने रच दिया इतिहास...पहली बार तिरुवनंतपुरम में बना बीजेपी का मेयर

तिरुवनंतपुरम। दक्षिणी राज्य केरल में भाजपा ने शुक्रवार को इतिहास रच दिया है। वहां पहली बार भाजपा का महापौर बना है। भाजपा के वरिष्ठ नेता वी.वी. राजेश शुक्रवार को केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम नगर निगम के पहले बीजेपी मेयर चुने गए हैं। यह दक्षिणी राज्य की राजनीति में एक ऐतिहासिक और अहम घटना है, क्योंकि राज्य में अब तक बीजेपी को कभी सत्ता नहीं मिली थी। पद संभालने के बाद अपनी पहली टिप्पणी में कहा, हम सभी को साथ लेकर आगे बढ़ने वाले है। सभी 101 वार्डों में विकास किया जाएगा... तिरुवनंतपुरम को एक विकसित शहर में बदला जाएगा।

इसके पहले शुक्रवार की सुबह हुए मेयर चुनाव में 45 साल के राजेश को कुल 51 वोट मिले। उन्हें एक निर्दलीय पार्षद

(एम.राधाकृष्णन) का वोट मिला, जबकि एक निर्दलीय पार्षद ने वोट नहीं दिया। इस तरह 100 सदस्यों की उपस्थिति वाले सदन में राजेश के पक्ष में 51 वोट हो गए। उनके खिलाफ खड़े सीपीआईएम के आरपी शिवाजी को 29 और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के केएस सबरिनाथन को कुल 19 वोट मिले। बता दें कि बीजेपी ने दिसंबर की शुरुआत में हुए तिरुवनंतपुरम नगर निगम चुनाव में 50 सीटें जीतीं थीं।

राजेश का मेयर के रूप में पदभार ग्रहण करना तब हुआ है, जब राज्य में आगामी छह महीनों के अंदर विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। विधानसभा चुनावों में भाजपा को लंबे समय से संघर्ष करना पड़ रहा है। पार्टी ने इस राज्य में कभी भी जीत हासिल नहीं की है। भाजपा ने 2016 में सिर्फ एक सीट जीती थी। ओ राजगोपाल ने 2016 में तब नेमोम सीट जीती थी। इसके बाद 2024 में पार्टी के एक सांसद अभिनेता सुरेश गोपी ने त्रिशूर से जीत हासिल की थी। इसलिए, राजेश का मेयर बनना केरल की शहरी राजनीति में बीजेपी के लिए एक नए अध्याय का संकेत है।

एयर प्यूरीफायर पर जीएसटी कम क्यों नहीं कर सकते...एएसजी ने पूछा याचिका के पीछे कौन

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में एयर प्यूरीफायर पर लगने वाले गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) को 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने की मांग को लेकर दायर याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। इस दौरान जस्टिस विकास महाजन और जस्टिस विनोद कुमार की बेंच ने केंद्र सरकार से सवाल किया कि जब वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या है, एयर प्यूरीफायर जैसे जरूरी उपकरण पर टैक्स कम क्यों नहीं हो सकता। कोर्ट ने कहा कि मौजूदा समय में एक एयर प्यूरीफायर की कीमत करीब 10 से 15 हजार रुपये है और ज्यादा टैक्स के कारण यह आम आदमी की पहुंच से बाहर हो जाता है।

इस पर केंद्र की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एन. वेंकटरमण ने याचिका पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि यह याचिका वास्तव में जनहित याचिका नहीं है, बल्कि इसके पीछे किसी खास कंपनी या समूह का हित छिपा हो सकता है, जो एयर प्यूरीफायर सेक्टर में मोनोपॉली चाहता है। केंद्र यह जानना चाहती है कि इस याचिका के पीछे कौन है।

इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार और याचिकाकर्ता दोनों अपनी-अपनी बातें रख सकते हैं, लेकिन जीएसटी काउंसिल को फैसला लेने में आखिर क्या दिक्कत है। जवाब में केंद्र ने कहा कि जीएसटी काउंसिल एक संवैधानिक संस्था है और जीएसटी एक फेडरल टैक्स प्रणाली का हिस्सा है। इसमें केंद्र और सभी राज्यों की सहमति जरूरी होती है। किसी भी टैक्स दर में बदलाव के लिए एक तय प्रक्रिया है, जिसमें राज्यों की भागीदारी, चर्चा और औपचारिक निर्णय शामिल होते हैं।

हाईकोर्ट ने कहा- भारत में भी बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने के उपायों पर करें विचार

चैन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा और इंटरनेट पर अश्लील सामग्री की आसानी से उपलब्धता को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। एक महत्वपूर्ण जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने केंद्र सरकार को सुझाव दिया है कि वह ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने से जुड़े कानून की संभावनाओं पर गंभीरता से विचार करे। न्यायमूर्ति जी. जयचंद्रन और न्यायमूर्ति के. के. रामकृष्णन की पीठ ने माना कि वर्तमान डिजिटल युग में बच्चे बेहद संवेदनशील और असुरक्षित स्थिति में हैं, जिन्हें इंटरनेट के खतरों से बचाना अनिवार्य है।

यह मामला वर्ष 2018 में मदुरै निवासी एस. विजयकुमार द्वारा दायर एक जनहित याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) को पैरेंटल कंट्रोल या पैरेंटल विंडो जैसी सेवाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाएं, ताकि बच्चों को पोर्नोग्राफिक और आपत्तिजनक सामग्री तक पहुंचने से रोका जा सके। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने ऑस्ट्रेलिया के उस हालिया कानून का उदाहरण दिया, जिसमें 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग को प्रतिबंधित कर दिया गया है। अदालत ने इस तर्क से सहमति जताते हुए कहा कि भारत को भी इस दिशा में ठोस विधायी कदम उठाने की आवश्यकता हो सकती है।

डिग्री, डिप्लोमा, मार्कशीट पर अब अंकित होगा क्यूआर कोड

नई दिल्ली। अब प्राइवेट-सरकारी यूनिवर्सिटी की ओर से जारी डिग्री, डिप्लोमा, मार्कशीट और माइग्रेशन सर्टिफिकेट पर अनिवार्य रूप से क्यूआर कोड अंकित करन होगा। फर्जी डिग्री और डॉक्यूमेंट के जरिए नौकरी पाने वाले गिरोहों पर लगाम लगाने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है।

मालूम हो कि भर्ती प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में संदिग्ध डॉक्यूमेंट सामने आते हैं, जिनकी जांच में लंबा समय लगता है। इसके समाधान के लिए विश्वविद्यालयों की ओर से जारी डॉक्यूमेंट्स में अलग-अलग परिवर्तन के लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग ने 21 अगस्त को सरकार को सुझाव दिया था। इसके बाद तकनीकी शिक्षा विभाग ने 3 सितंबर और उच्च शिक्षा विभाग ने 26 सितंबर को राज्य की सरकारी और प्राइवेट यूनिवर्सिटी को निर्देशित किया था। इन बदलाव के लागू होने पर भर्ती संस्थानों की ओर से अभ्यर्थियों के डॉक्यूमेंट की जांच एक क्लिक पर संबंधित यूनिवर्सिटी के ओरिजिनल रिकॉर्ड से सीधे हो सकेगी। इससे भर्ती प्रक्रिया में तेजी के साथ ही डॉक्यूमेंट्स में किसी भी प्रकार की गलती को पकड़ा जा सकेगा। डिग्री और सर्टिफिकेट पर छपे क्यूआर कोड को स्कैन करते ही अभ्यर्थी का पूरा रिकॉर्ड यूनिवर्सिटी के डेटाबेस से मिलान किया जा सकेगा।

सभी विश्वविद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि वे एनरोलमेंट (नामांकन) की एक मानक व्यवस्था लागू करें। अब हर साल स्टूडेंट्स को वर्षवार और क्रमवार एनरोलमेंट नंबर आवंटित किया जाएगा, जिससे रिकॉर्ड में हेराफेरी संभव नहीं होगी। यह नियम केवल डिग्री तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्रोविजनल सर्टिफिकेट, माइग्रेशन और अन्य प्रमाण पत्रों पर भी लागू होगा। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया- भर्ती परीक्षाओं के बाद डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के समय कुछ अभ्यर्थी बैक डेट में बनी फर्जी डिग्री पेश करने का आपराधिक कृत्य करते पाए गए हैं।

जमानत रद्द करने की मांग को लेकर महिला कांग्रेस ने रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

बलात्कारी को दी जाए सरेआम फांसी, उत्तर प्रदेश भाजपा के पूर्व विधायक सेंगर को जमानत मिलने का किया विरोध , कहां- उन्नाव में नाबालिग बालिका के साथ बलात्कार करने वाले को जमानत देना गलत, मांग पूरी न होने पर सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन की भी चेतावनी

पदमेश न्यूज। बालाघाट। वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश के उन्नाव गांव में एक नाबालिग बालिका के साथ बलात्कार की घटना सामने आई थी।जिसमे उत्तर प्रदेश के भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को बलात्कार का आरोपी बनाया गया था।हाल ही में इस मामले में दिल्ली कोर्ट द्वारा पूर्व विधायक सेंगर को जमानत पर रिहा कर दिया गया है।बलात्कार के इस मामले में भाजपा के पूर्व मंत्री सेंगर को जमानत दिए जाने का विरोध महिला कांग्रेस द्वारा शुक्रवार को किया गया।जिन्होंने प्रदर्शन करते हुए नगर में एक रैली निकाली और कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है।इस दौरान महिला कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौपते हुए, सेंगर की जमानत रद्द करने, दोषी को फांसी की सजा दिलाने जाने की मांग की।

आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी,फिर जमानत क्यो

जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मी वाघाडे के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि वर्ष 2017 में उन्नाव में नाबालिग बच्ची के साथ बलात्कार के गंभीर अपराध में दोषी पाए गए पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी, बावजूद इसके दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा उन्हें जमानत दिया जाना न्याय व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है।जिन्होंने जल्द से जल्द उक्त जमानत को रद्द कर दोषी को फाँसी की सजा दिए जाने की गुहार लगाई है।तो वही मांग पूरी न होने पर महिला कांग्रेस के बैनर तले मध्य प्रदेश सहित संपूर्ण देश में उग्र आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

आरोपी को भाजपा संरक्षण देती है

महिला कांग्रेस ने इस अवसर पर भाजपा पर भी तीखा हमला बोला है।उक्त मांग को लेकर सौपे गए ज्ञापन में महिला पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि भाजपा में ऐसे नेता शामिल हैं जिन पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं, फिर भी पार्टी उन्हें संरक्षण देती है। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने नारेबाजी करते हुए महिलाओं की सुरक्षा और न्याय की मांग दोहराई। ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तो उग्र आंदोलन किया जाएगा- लक्ष्मी वघाड़े

जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मी वाघाडे ने बताया कि यह फैसला पीड़िता और महिलाओं की सुरक्षा के प्रति असंवेदनशील है। उन्होंने राष्ट्रपति से हस्तक्षेप कर दोषी की जमानत तत्काल निरस्त कराने की मांग की, ताकि पीड़िता को न्याय मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन एवं शासन स्तर पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो महिला कांग्रेस उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

भाजपा में ही बलात्कारी की संख्या सबसे अधिक है- विद्या परिहार

पदाधिकारी विद्या परिहार ने बताया कि पूरे भारत देश में भाजपा ही ऐसी पार्टी है जिसमें बलात्कारी की संख्या बहुत अधिक है, चाहे वह मध्य प्रदेश हो, उत्तर प्रदेश हो चाहे वह बिहार हो, जहां भाजपा की सरकार है ऐसी घटनाएं आए दिन होते रहती हैं। भाजपा के नेता ही बलात्कार में लिप्त नजर आते हैं कभी किसी का एसएमएस वायरस होता है, तो कभी हाईवे पर कोई बीजेपी का नेता गंदी हरकत करते हुए दिखाई देता है, उनकी मर्यादा गिर चुकी है। हमारी मांग है कि उन्नाव कांड के दोषी भाजपा के पूर्व विधायक सेंगर की जमानत याचिका को रद्द कर ,उन्हें फांसी की सजा दी जाए, यदि ऐसा नहीं होता तो पूरे देश में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

बच्चो ने मॉडल बनाकर प्रतिभाओं को दिए पंख

पदमेश न्यूज। बालाघाट। शुक्रवार को नगर के उत्कृष्ट विद्यालय के सभागार में विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि एवं जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में कक्षा 9वीं से

12वीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता करते हुए विज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों पर आधारित लगभग 40 मॉडल प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक सोच से जोड़ना रहा। विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए मॉडलों में विज्ञान के विविध क्षेत्रों जैसे ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबंधन, सौर ऊर्जा, विद्युत परिपथ, जैव विज्ञान, भौतिकी एवं रसायन विज्ञान से जुड़े प्रयोगात्मक मॉडल शामिल रहे। इन मॉडलों के माध्यम से विद्यार्थियों ने जटिल वैज्ञानिक अवधारणाओं को सरल एवं रोचक तरीके से समझाने का प्रयास किया।प्रदर्शनी के दौरान विद्यार्थियों ने स्वयं अपने मॉडलों की कार्यप्रणाली एवं उपयोगिता की जानकारी दी, जिसे देखकर शिक्षक, अभिभावक एवं आगंतुक काफी प्रभावित नजर आए। शिक्षकों ने विद्यार्थियों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में नवाचार, तार्किक सोच एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होता है।

बच्चों की छुपी हुई प्रतिभा को निहारने का किया जा रहा प्रयास- ज्योतिषी

आयोजन को लेकर की गई चर्चा के दौरान उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य शरद ज्योतिषी ने बताया बच्चों की छुपी हुई प्रतिभाओं को निहारने के लिए यह प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाली प्रतिभागियों को पुरस्कार भी किया जाएगा ताकि आने वाले बच्चो को इनसे प्रेरणा मिले।उन्होंने आगे बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार की गतिविधियों का आयोजन कर विद्यार्थियों को विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

धम्म कार्य में तहसील शाखा किरनापुर को उत्कृष्ट कार्य के लिए किया गया सम्मानित

पदमेश न्यूज। बालाघाट। धम्म संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया जिला शाखा बालाघाट की आवश्यक मासिक बैठक संस्था के राज्य शाखा मप्र के

अध्यक्ष डॉ.चरनदास ढेंगरे की मुख्यातिथी में, खुशियाल मेश्राम जिला उपाध्यक्ष एवं बौद्धाचार्य बालाघाट की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।बैठक में प्रमुख अतिथि के रूप में हेमलता डोंगरे प्रदेश उपाध्यक्ष मप्र, आर के कटाने प्रदेश सचिव मप्र,धर्मेंद्र कुरील पूर्व प्रदेश सचिव,शैलेश सुखदेवे जिला उपाध्यक्ष,सचिव एन के मेश्राम कांटेक्टर ,अशोक गेडाम जिला ऑडिटर शामिल थे,जिसमें बालाघाट नगर कोषाध्यक्ष पूर्णिमा गणवीर, लांजी तहसील अध्यक्ष प्रमोद कुमार भीमटे,सदस्य लक्ष्मण बोरकर,किरनापुर तहसील अध्यक्ष दूरेन्द्र सावनकर, कोषाध्यक्ष गौतम भीमटे, वारासिवनी महामंत्री अभिराज मेश्राम, बालाघाट संगठक किशोर कुमार भीमटे,कविता गोंडाने सदस्य, भालवा सर्कल से नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ सुभाष चंद्र रंगारे सचिव प्रभुराज खोबरागड़े,आदि प्रमुख रूप से शामिल थे।

इन्हें किया गया सम्मानित

बैठक में सभी बिंदुओं(प्रस्तावों)पर चर्चा कर पारित किए गए,जिसमें मुख्य रूप से दिनांक 7 फरवरी 2026 को त्यागमूर्ति माता रमाई आंबेडकर जी की जयंती समारोह धूमधाम एवं हर्षोल्लास सम्पन्न करना, भूटान एवं बुद्धगया,काठमांडू धम्म यात्रा में संस्था के पदाधिकारी एवं समाज के धम्म बंधुओं को अधिक से अधिक संख्या में शामिल कर बुद्ध संस्कृति से अवगत कराना, आने वाले तथागत बुद्ध जयंती के अवसर पर लांजी मुख्यालय में 10 दिवसीय श्रामनेर/बौद्धाचार्य एवं जिले मे की कमसे कम 6 तहसील/सर्कल मुख्यालय में दस दिवसीय उपासीका धम्म प्रशिक्षण शिविर आयोजन पर भी चर्चा की गई,अंत में वर्ष विगत दो माह में संस्था के उत्कृष्ट कार्य के लिए तहसील किरनापुर को प्रथम, द्वितीय वारासिवनी, तृतीय स्थान पर लांजी तहसील का चयन कर सभी का स्मृति चिन्ह एवं पंचशील पट्टिका से तहसील अध्यक्षदुरेन्द्र सावनकर ,अभिराज मेश्राम ,प्रमोद कुमार भीमटे का सम्मान किया। चिन्ह देकर एवं पंचशील पट्टिका से सम्मान किया गया,सर्कल शाखा भालवा के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ.सुभाष चंद्र रंगारे का भी सम्मान किया गया।बताया गया कि किरनापुर शाखा द्वारा 5 ग्राम ,1 सर्कल शाखा,25 सक्रिय सदस्य,एवं सैकड़ों साधारण सदस्य बनाकर अपना प्रथम स्थान बनाया,बैठक में बताया गया कि आनेवाले माह में सभी शाखाओं ने संस्था के धम्म कार्य निरंतर करना होगा,जिला शाखा की बैठकों में अपनी उपस्थिति अनिवार्य रूप से देना होगा,ताकि संस्था बोधिसत्व डॉ.बाबासाहेब के सम्यक संकल्प को पूरा कर सके। उत्कृष्ट कार्य करने वाली शाखा सम्मान का यह क्रम निरंतर जारी रखा जाएगा अंत में अतिथियों ने सभी से संस्था के बायलॉज(संविधान)के अनुसार धम्म कार्य करने हेतु निर्देशित किया।

श्योपुर, हरदा, बैतूल, बालाघाट, मंडला और उमरिया ने जीते मैच

इंटर स्टेट मेन्स हॉकी टूर्नामेंट में कलाईयों का जादू दिखा रहे खिलाड़ी, 30 को सेमी, तो 31 दिसंबर को खेला जाएगा फाइनल मैच

पदमेश न्यूज। बालाघाट। नगर के शहीद चन्द्रशेखर एस्टोटर्फ मैदान में खेले जा रहे इंटर स्टेट मेन्स हॉकी टूर्नामेंट में राज्य के विभिन्न जिलों से आई टीमें मैदान में अपनी कलाइयों का जादू दिखा रही है। इस दौरान शुक्रवार को विभिन्न टीमो के बीच 7 मैच होने थे, लेकिन एक टीम मैच खेलने नही पहुच सकी जिसके चलते 6 मैच संपन्न कराए गए। जिसमें श्योपुर, हरदा, बैतूल, बालाघाट, मंडला और उमरिया ने अपने-अपने मैच जीत कर प्रतियोगिता के अगले चरण में प्रवेश किया।स्वर्गीय रमणिक लाल त्रिवेदी की स्मृति में जिला हॉकी संघ द्वारा प्रशासन के सहयोग से आयोजित इंटर स्टेट मेन्स हॉकी टूर्नामेंट के तीसरे दिन 26 दिसम्बर को 7 मैच होना था। इसमें भोपाल व टीकमगढ़ के बीच मैच था लेकिन टीकमगढ़ टीम के नहीं पहुंचने पर बिना खेले ही भोपाल को जीत दी गई। इस तरह 6 मैच खेला गया।बताया गया कि टूर्नामेंट का सोमी फाइनल मैच 30 दिसम्बर व फाइनल 31 दिसम्बर को होगा। टूर्नामेंट में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे खिलाडियों द्वारा कलाईयों का जादू दिखाकर बेहतर खेल का प्रदर्शन किया जा रहा है।

इनके बीच हुआ मैच

टूर्नामेंट के तीसरे तीन शुक्रवार को पहला मैच सुबह 7:30 बजे से खरगोन व श्योपुर के बीच खेला गया। ये मैच काफी रोमांचक रहा और दोनों ही टीमों ने बेहतर प्रदर्शन किया। इसमें श्योपुर 1-0 गोल से विजयी की। दूसरा मैच हरदा और छतरपुर के मध्य खेला गया। इसमें छतरपुर के खिलाड़ियों अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 6-0 गोल से विजयी प्राप्त की। तीसरा मैच टीकमगढ़ बनाम भोपाल खेला जाना था। लेकिन टीकमगढ़ की टीम के नहीं पहुंचने से भोपाल को जीत दी गई। वहीं चौथा मैच उज्जैन व बैतूल के बीच हुआ। इसमें बैतूल के खिलाडियों ने शानदार खेला का प्रदर्शन करते हुये 7-1 गोल से एकतरफा जीत प्राप्त किया। पांचवा मैच बालाघाट व शिवपुरी के मध्य खेला गया। इसमें खेल के शुरूवात से ही बालाघाट के खिलाडियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर एक के बाद एक 8 गोल दागकर 8-0 से मैच जीता। छटवां मैच मण्डला व धार के मध्य खेला गया। मैच काफी रोमांचक रहा और खेल के अंतिम दो मिनट में मंडला के खिलाड़ी ने शानदार फील्ड गोल कर टीम को 1-0 से जीत दिलाई। शुक्रवार को अंतिम मैच उमरिया बनाम रतलाम के बीच खेला गया। इसमें उमरिया 9-2 गोल से विजयी होकर अगले चक्र में प्रवेश किया।इन मैचों में निर्णायक प्रवीण पसेरिया, रंजीत गौतेल, सचिनसिंग, राघवेन्द्र दुबे, सौरभ राजपूत, तपेश साहू, जाकिर अली, मोह. शकील, अहमद खान, शादाब खान, अभिषेक श्रीवास, दीपक बासन रहे।

आज इन टीमो के बीच होगा मुकाबला

टूर्नामेंट के चौथे दिन शनिवार को 4 मैच खेले जाएगे। इनमें पहला मैच सुबह 9 बजे उमरिया व मंडला के बीच होगा,दूसरा मैच 10:30 बजे हरदा व इंदौर के मध्य, खेला जाएगा, जबकि तीसरा मैच दोपहर 12 बजे से श्योपुर बनाम सिवनी के बीच होगा।इसी तरह दिन का चौथा मैच गुना और बालाघाट के बीच खेला जाएगा। उक्ताशय की जानकारी वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी राजेश सेवईवार द्वारा दी गई। इस टूर्नामेंट में खेल प्रेमी दर्शकों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील आयोजन समिति के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने की है।

खैरलांजी थाना क्षेत्र से युवती और युवक बिना बताए घर से गायब

पदमेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांव से एक युवक और एक लड़की बिना बताए घर से चले गए जिनमे युवक अंकेश पिता भोलाराम मेश्राम 21 साल वार्ड नंबर 14 ग्राम लावनी और ओमेश्वरी पिता गणेश झोड़े 19 साल वार्ड नंबर 15 ग्राम मोवाड़ दोनों थाना खैरलांजी निवासी है। खैरलांजी पुलिस द्वारा दोनों की तलाश की जा रही है। खैरलांजी पुलिस के मुताबिक ग्राम लावनी निवासी भोलाराम मेश्राम मजदूरी करते हैं जिनके परिवार में दो लड़के और दो लड़कियां हैं अंकेश मेश्राम सबसे छोटा लड़का है और वह कक्षा दसवीं तक पढ़ाई किया हुआ है। और वह मजदूरी करता है 17 दिसंबर को अंकेश मेश्राम अपने पिता भोलाराम विश्राम और मां शोभा बाई मेश्राम को ग्राम पदमपुर के मेले में छोड़कर उसी दिन शाम को अपने घर लावनी वापस आ गया था। 18 दिसंबर को भोलाराम विश्राम को उसके भाई लक्ष्मी चंद ने फोन करके बताया कि तुम्हारा लड़का अंकित घर में नहीं है अंकेश रात में घर नहीं आया इसके बाद अंकेश के मोबाइल पर फोन किया गया किंतु उसका मोबाइल बंद बता रहा था। भोलाराम मेश्राम ने अपने लड़के को अन्य रिश्तेदारी गांव में तलाश किया किंतु वह नहीं मिला जिसका हलिया रंग गेहूंआ,कद 5 फिट,है। जो सफेद टी-शर्ट और काला पेंट पहन कर घर से निकला है। खैरलांजी पुलिस ने भोलाराम मेश्राम द्वारा की गई रिपोर्ट पर गुम इंसान 53/2025 कायम कर अंकेश मेश्राम की तलाश शुरू की है। इसी प्रकार ग्राम मोवाड़ निवासी गणेश झोड़े खेती किसानी करते हैं। जिनके परिवार में तीन बच्चे हैं। ओमेश्वरी सबसे बड़ी लड़की है। जिसने कक्षा की 12वीं तक की पढ़ाई करने के बाद कॉलेज में एडमिशन लिया है। 25 दिसंबर के दोपहर 3:00 बजे गणेश झोड़े खेत चला गया था। पत्नी मंजू झोड़े और घर के बाकी लोग लकड़ी लेने के लिए जंगल चले गए थे। ओमेश्वरी घर में अकेली थी। 4:00 जब परिवार के लोग घर पहुंचे उस समय ओमेश्वरी घर में नहीं थी। जिसे फोन करने पर उसका मोबाइल बंद बता रहा था। जिसकी खोजबीन मोहल्ले पड़ोस सहित अन्य जगह किये। रात 10:00 बजे तक ओमेश्वरी घर वापस नहीं आई। इसके बाद परिजनों ने रिश्तेदारी गांव कनेरी पाढरवानी में फोन लगाकर पूछे किंतु ओमेश्वरी वहा भी नहीं पहुंची थी। जिसका हलिया रंग गेहूंआ,कद 5 फिट है वह हरे रंग की लेगी कुर्ता पहनकर घर से निकली है। गणेश झोड़े द्वारा की गई रिपोर्ट पर खैरलांजी पुलिस ने गुम इंसान 52/2025 कायम कर ओमेश्वरी की तलाश शुरू की है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया पेसा कानून दिवस, विभिन्न कार्यक्रम हुए आयोजित

पदमेश न्यूज। बालाघाट। तहसील बिरसा के ग्राम धामनगांव, व ग्राम पंचायत लातपुर द्वारा ग्राम धमना में पेसा दिवस बड़े ही उत्साह एवं सहभागिता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित ग्राम सभा में सभी ग्राम सभा सदस्यों ने एकत्र होकर पेसा कानून के अंतर्गत प्राप्त अधिकारों पर विस्तृत चर्चा की।ग्राम सभा में रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत ग्रामवासियों द्वारा रोजगार की मांग का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किया गया।साथ ही पेसा ग्राम सभा के सुचारु संचालन हेतु भूमि चिन्हांकन किया गया।इस अवसर पर सभी सदस्यों ने सामूहिक श्रमदान करते हुए ग्राम परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया और साफ-सफाई कर सामाजिक दायित्व निभाया।ग्राम सभा में ग्राम सभा अध्यक्ष रमेश धुर्वे (ग्राम पटेल), वनवासी विकास परिषद से प्रांत जनजाति हित रक्षा प्रमुख लखन मरावी,और रवि श्रीवास्तव सहित सभी ग्राम सभा सदस्य उपस्थित रहे।

पेसा कानून, ग्राम स्वशासन की सशक्त पहचान

बताया गया कि मजबूत ग्राम सभा, सशक्त आदिवासी समाज पेसा अधिनियम (1996) का उद्देश्य अनुसूचित क्षेत्रों में रहने वाले जनजातीय समाज को ग्राम स्वशासन का वास्तविक अधिकार देना है। इसके अंतर्गत ग्राम सभा सर्वोच्च इकाई मानी जाती है।ग्राम स्वशासन के प्रमुख अधिकार,ग्राम सभा की सर्वोच्चता गांव से जुड़े सभी महत्वपूर्ण निर्णय ग्राम सभा द्वारा लिए जाएंगे।परंपरा, संस्कृति और रीति-रिवाजों की रक्षा, जनजातीय परंपराओं, सामाजिक

व्यवस्था और सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा, स्थानीय संसाधनों पर अधिकार, जंगल, जमीन, पानी, खनिज (लघु खनिज), चराई भूमि आदि पर ग्राम सभा का अधिकार, योजनाओं की स्वीकृति व निगरानी,ग्राम पंचायत/सरकारी योजनाओं को ग्राम सभा की अनुमति आवश्यक, शराब निषेध का अधिकार, ग्राम सभा अपने क्षेत्र में शराब बिक्री/उत्पादन पर रोक लगा सकती है।जनजातीय अधिकार (पेसा के अंतर्गत) वन उपज पर अधिकार, लघु वनोपज (महुआ, तेंदूपत्ता, सालबीज आदि) का संग्रह, उपयोग और विक्रय का अधिकार,भूमि संरक्षण, जनजातियों की भूमि का अवैध हस्तांतरण रोकने और वापस दिलाने का अधिकार, विस्थापन से सुरक्षा, किसी भी परियोजना से पहले ग्राम सभा की सहमति अनिवार्य। स्थानीय विवादों का समाधान, परंपरागत तरीकों से ग्राम सभा द्वारा विवाद निपटारा, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, जल, जंगल, जमीन की रक्षा और सतत उपयोग का अधिकार आदि विषयों पर चर्चा की गई।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं आवेदक मुबारक शेख वल्द जरदार शेख उम्र 64 वर्ष जाति मुसलमान ग्राम दीनी तह. वारासिवनी जिला बालाघाट का निवासी हूँ, यहीं मेरा वास्तविक नाम है। मेरी कक्षा पहली से लेकर कक्षा तीसरी तक समस्त दस्तावेजों में मोहरम मियां वल्द जरदार मियां लिखा है, जो कि गलत है, जिसे मैं मुबारक शेख वल्द जरदार शेख करवाना चाहता हूँ।

मेरे द्वारा दी गई समस्त जानकारी सत्य है, यदि असत्य पाई जाती है तो मेरे दवारा लिये गये लाभों को वापस लेकर दस्तावेजों को जप्त किया जा सकता है।

घोषणाकर्ता
मुबारक शेख
मुबारक शेख वल्द जरदार शेख
ग्राम दीनी तह. वारासिवनी
जिला बालाघाट (म.प्र.)
मो.नं.-9923076962

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
शनिवार 27 दिसंबर 2025

बालाघाट सिटी न्यूज़

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

पिकनिक मनाने नहीं जाने पर दो दोस्त आपस में भिड़े-दोनों घायल

पदमेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम टिंगीपुर में पिकनिक मनाने नहीं चलने पर दो दोस्त आपस में भीड़ गए। वहीं बचाव करने आई एक दोस्त की मां को भी गालियां देते हुए उसे भी जान से मार डालने की धमकी दे दी। मारपीट में घायल दोनों दोस्त जिनमे संजय पिता ईश्वर गोस्वामी 27 वर्ष और सूर्यकांत पिता शिवलाल टांगसे 40 वर्ष दोनों ग्राम टिंगीपुर निवासी का इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया वहीं दोनों के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सूर्यकांत टाँगसे खेती मजदूरी करता है।जिसका संजय गोस्वामी दोस्त है। 25 दिसंबर को सुबह 9:30 बजे संजय गोस्वामी, सूर्यकांत टांगसे के घर पिकनिक चलने के लिए बुलाने आया था। जिसे सूर्यकांत टांगसे ने पिकनिक पर जाने से मना कर दिया था। इसके बाद संजय गोस्वामी वहा से चला गया। 10:00 बजे करीब सूर्यकांत टांगसे अपने गांव के शरद तुरकर के साथ अपने घर में बैठा था।इसी समय संजय गोस्वामी आया और सूर्यकांत टांगसे को बोलने लगा कि मैं तुझे पिकनिक मनाने के लिए चलने बोल रहा हूं और मेरे साथ नहीं आ रहा है और शरद ने तुझे बुलाया तो तू उससे बात करने आ गया। कहकर संजय गोस्वामी, सूर्यकांत टाँगसे को अश्लील गालियां देने लगा। सूर्यकांत टांगसे ने उसे गालियां देने से मना मना किया तभी संजय गोस्वामी ने सूर्यकांत टागसे को हाथ बुक्के से मारपीट करने लगा। इसी दौरान सूर्यकांत टांगसे भी संजय गोस्वामी से भिड़ गया और दोनों के बीच जमकर मारपीट हो गई। संजय गोस्वामी के चिल्लाने की आवाज सुनकर उसकी मां मोना गिरी गोस्वामी घर के बाहर निकल कर देखी, घर से थोड़ी दूर पर उसके बेटे संजय गोस्वामी को सूर्यकांत टांगसे मारपीट कर रहा था और जमीन पर पटक दिया था। जब मोना गोस्वामी बीच बचाव करने के लिए आई तो उसे भी सूर्यकांत टांगसे ने अश्लील गालियां देते हुए बोला कि अपने लड़के को संभाल कर रखना मेरे बीच में दोबारा बोलने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। इस मारपीट में संजय गोस्वामी और उसका दोस्त सूर्यकांत टांगसे दोनो घायल हो गये। दोनों घायल का इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया और दोनों पक्ष के द्वारा मलाजखंड थाने में रिपोर्ट की गई थी। जहां पर मोना पति ईश्वर गिरी गोस्वामी 47 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर सूर्यकांत पिता शिवलाल टांगसे के विरूद्ध और सूर्यकांत पिता शिवलाल टांगसे 40 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर संजय पिता ईश्वर गोस्वामी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

पुराने विवाद पर रिश्तेदार के पड़ोसी ने की पिटाई

पदमेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी थाना अंतर्गत ईंट भट्टा आवास टोला कटंगी में अपने साडू भाई के घर खाना खाने आए एक व्यक्ति को मारपीट कर घायल कर दिया गया घायल व्यक्ति नरबद पिता मेहतर राउत 39 वर्ष वार्ड नंबर 8 कटंगी थाना कटंगी निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नरबद राउत ईंट भट्ट आवास टोली कटंगी में काम करता है। जिसका इसी ईंट भट्टे में काम करने वाले चीनी भिड़ी निवासी करिया नाम के व्यक्ति के साथ कुछ पुराना विवाद चल रहा था। 25 दिसंबर की शाम को नरबद राउत अपने साडू भाई कैलाश बोरकर के घर खाना खाने के लिए गया था। नरबद राउत की साली अभिलाष खाना निकाल रही थी। तभी बाजू में रहने वाले करिया नाम के व्यक्ति ने पुराने विवाद को लेकर नरबद राउत को हाथबुक्के से मारपीट किया और उसके सिर में ईंट पटक दिया जिससे नरबद राउत बेहोश हो गया। जिसके उसके परिवार वालों ने 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

जल संकट से निपटने अब तक शुरू नहीं हुई वैनगंगा का पानी रोकने की तैयारी!!

वैनगंगा नदी के छोटे पुल पर अब तक नहीं बनाया गया राहत का डेप, कहीं नगर में इस वर्ष गहरा ना जाए जल संकट ?

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

नगर की जनसंख्या में लगातार वृद्धि हो रही है उसके साथ ही उसके उपयोग के लिए पानी की आवश्यकता भी बढ़ने लगी है।वर्तमान समय में नगर पालिका के पास 2-2 जल आवर्धन योजना है बावजूद इसके भी नपा सभी 33 वार्डों में 24 घंटे भरपूर पीने का पानी उपलब्ध नहीं करा पा रही है तो वहीं कई क्षेत्रों में शुद्ध पानी की आपूर्ति के लिए लोगों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।कुल मिलाकर कहे तो ठंड के इस समय में भी नागरिकों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के लिए जद्दोजहद करनी पड़ रही है।वहीं आगामी सीजन से गर्मी की शुरुआत होनी है। जिसे देखते हुए अब तक वैनगंगा नदी के छोटे पुल में राहत का डैम बन जाना था, लेकिन अब तक ऐसा नहीं हो सका है।दिसंबर माह लगभग बीत चुका है। वहीं 2 माह बाद मार्च से गर्मी की शुरुआत होनी है।जिससे पानी की डिमांड और अधिक बढ़ जाएगी। जिसको लेकर नपा की कोई तैयारी समझ नहीं आ रही है।आपको बताएं कि वर्ष 2017 में पड़ी भीषण गर्मी के दौरान नगर में भारी जल संकट गहरा गया था और पेयजल की पूर्ति के लिए नगरपालिका को काफी जतन करना पड़ा था। उस समय की गई भूल का नपा ने अब तक सबक नहीं लिया है और वैनगंगा नदी से लगातार पानी बहने दिया जा रहा है।नपा को चाहिए कि जल्द से जल्द वैनगंगा नदी के छोटे पुल पर चैनल गेट लगाकर अभी से पानी का संचय करें ताकि आगामी गर्मी में नगर वासियों को पानी के लिए जद्दोजहद ना करनी पड़े।

दिसंबर में शुरू होता था जल संचय का काम

आपको बताए कि नगरवासियों को भीषण गर्मी में भरपूर पानी उपलब्ध करने और वर्ष 2017 में नगर में गहराए जल संकट से सबक लेते हुए। वर्ष 2017 के बाद प्रतिवर्ष दिसंबर माह में वैनगंगा नदी के छोटे पुल पानी संचय करने के लिए प्लेट लगाकर पुल बंधन का कार्य किया जाता था ,जो अब तक शुरू भी नही किया गया है।जहां पुल खुला होने के चलते वहां से लगातार पानी आगे बढ़ रहा है। यदि इस कार्य में और देरी की गई और जल्द ही बहते पानी को संचय करने का कार्य शुरू नहीं किया गया तो नगरपालिका को भीषण गर्मी में जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।

पिछली बार 560 प्लेट लगाकर किया गया था पानी का संचय

आपको बताए कि गर्मी के दिनों में नगर वासियों को भीषण जल संकट से बचाने और दोनों समय पर्याप्त पेयजल की आपूर्ति कराने के लिए ब्रिटिश कालीन वैनगंगा नदी के छोटे पुल को प्रतिवर्ष 3 से 5 फीट ऊंचा कड़ी शटर से बांधा जाता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नपा द्वारा पानी के संचय के लिए वैनगंगा नदी पर हर साल करीब 560 प्लेट लगाकर पानी का संचय किया जाता है।जो पिछले वर्ष भी किया गया था। लेकिन इस वर्ष पुल बांधने को लेकर किसी प्रकार के प्रयास तक शुरू नहीं किए जा रहे हैं।

राहत का डैम्प बनाने और कितना इंतजार

मध्य जनवरी तक लगभग बनकर तैयार हो जाने वाले राहत के डैम का कार्य लगभग दिसंबर बीतने पर भी अब तक शुरू नहीं हो पाया है। जहां प्लेट लगाकर पानी का संचय करना तो दूर की बात अब तक वैनगंगा नदी के छोटे पुल की साफ-सफाई तक शुरू नहीं की गई है। जहां बरसात के दिनों में आकर फसी लकड़ियों को तक नहीं हटाया गया है। वहीं राहत का डैम्प बनाने के लिए सामग्रियों को इधर से उधर लाने ,ले जाने वह अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए अब तक छोटे पुल के ऊपरी हिस्से की मरम्मत तक नहीं कराई गई है। जहां पुल का ऊपरी हिस्सा अब भी अस्त-व्यस्त पड़ा हुआ है।

भीषण जल संकट से नगर पालिका ने नही लिया सबक

आपको बताए कि वर्ष 2017 की भीषण गर्मी के दौरान मई-जून महा में नगर की जनता को एक वक्त का पानी भी बहुत मुश्किल से दिया गया था। इसकी प्रमुख वजह यहां स्टॉप डेम ना बनाया जाना बताया गया था। उस वर्ष स्टॉप डेम न बनाएं जाने के कारण नगर की जनता सहित आसपास के आधा सैकड़ा गांव के लोगों को वैनगंगा नदी से पानी नहीं मिल पा रहा था। जिससे सबक लेने की जहमत भी अब तक नगर पालिका प्रशासन द्वारा नहीं उठाई गई है जहां नपा द्वारा अब तक पानी संग्रहण के लिए प्रयास तक शुरू नहीं किए गए हैं।

डेम्प बनेगा तो, भीष्ण गर्मी में भी वैनगंगा का भरा रहेगा दामन

वैनगंगा नदी के छोटे पुल पर स्टाप डैम बनने के बाद नगर की जनता को जल संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। पिछले कई सालों के आंकड़ों पर नजर डालें तो वैनगंगा का दामन हमेशा भरा रहता है और इस नदी ने हमेशा सैकड़ों गांव की जनता के गले तर किए गए हैं। शादी विवाह अथवा अन्य बड़े आयोजनो में भी यही का पानी जनता तक पहुंचाया जाता है। वही वर्ष 2017 की गर्मी को छोड़कर नगर में इसके पूर्व भीषण जल संकट कभी नहीं देखा गया।लेकिन वर्ष 2017 की गर्मी में जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते से जनता को पानी के लिए हलाकान होना पड़ा था।क्योंकि उस वर्ष छोटे पुल पर डैंप नहीं बनाया गया था। जिसके चलते वैनगंगा का पूरा पानी बह चुका था और नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में भीषण जल संकट गहरा गया था। जिससे बचने के लिए नगर पालिका ने अभी से छोटे पुल में चैनल गेट लगाकर पानी का संचय करने का कार्य शुरू करना चाहिए। जिससे भीषण गर्मी में भी वैनगंगा का दामन भरा रहेगा।

टेंडर लगाए है, टेंडर खुलते ही बांध बनाने का कार्य शुरू कर दिया जाएगा- कतरोलिया

दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी.डी. कतरोलिया ने बताया कि छोटे पुल पर बांध बनाकर पानी के संचय करने के लिए टेंडर निकाले गए है, टेंडर भरने का कार्य भी पूरा हो चुका है। सम्भवत: 1-2 दिन में टेंडर खुल जाएगा।जैसे ही टेंडर खुलेगा वैसे ही इसे बांधने का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। क्योंकि यह कार्य अति आवश्यक सेवाओं में आता है। इसीलिए अति शीघ्र इस कार्य को किया जाएगा। ताकि भीषण गर्मी में पेयजल की आपूर्ति सुचारू रूप से बनी रहे।

पंचायत में अधिकार न मिलने पर पटेल आक्रोशित हुऐ

ग्रामीण पटेल कल्याण संघ ने बैठक कर सीएम आवास घेराव की बनाई रणनीति

5 जनवरी को सिवनी में आयोजित प्रदेश स्तरीय बैठक में सीएम से मिलने की बनेगी रूपरेखा

पदमेश न्यूज। बालाघाट। वर्षो उपेक्षा का दंश झेल रहे ग्रामीण पटेल कल्याण संघ ,प्रदेश सरकार से खासा नाराज है। जिन्होंने ग्रामीण पटेलो के अधिकार समाप्त करने और उन्हें मानदेय सहित अन्य सेवाओं से मुक्त करने पर अपनी नाराजगी जताते हुए प्रदेश सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया है। जिन्होंने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ग्रामीण पटेल कल्याण संघ के बैनर तले शुक्रवार को बैहर के तहसील कार्यालय समक्ष एक बैठक का आयोजन कर महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हरियाणा सहित देश के अन्य राज्यों की तर्ज पर मध्यप्रदेश में भी पटेलों को उनके अधिकार देने, पटेलो को पूर्व में दिया गया मान सम्मान वापस दिलाने और पटेलों के महत्व को बरकरार रखते हुए उनकी समस्त मांगे जल्द से जल्द पूरी किए जाने की गुहार लगाई है।

5 जनवरी को सिवनी में आयोजित बैठक में सीएम सीएम घेराव की बनाएंगे रणनीति

तहसील अध्यक्ष भागचंद भाऊ ठाकरे के आव्हान पर आयोजित इस सभा मे संघ द्वारा वर्षो से लंबित अपनी विभिन्न मांगों को दोहराते हुए, कमिश्नर के आदेश के बावजूद भी पटेलो को पंचायत की बैठक में शामिल न करने, उनके लिए पंचायत में बैठक व्यवस्था न बनाने ,उनका नाम व मोबाइल नंबर पंचायत सूचना पटल पर दर्ज न करने पर ऐतराज जताते हुए जल्द से जल्द मांग पूरी ना होने पर आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है। जहां बैठक के बाद उन्होंने 5 जनवरी को सिवनी में प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन कर भोपाल स्थित सीएम आवास का घेराव का ज्ञापन सौंपने की भी चेतावनी दी है।इस दौरान ग्रामीण पटेल कल्याण संघ मध्य प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल शरणागत, जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार लिल्हारे, सुरेंद्र सिंह चौहान, किशोर श्रीवास्तव, निलमचंद पारधी, दीपचंद रनगिरे, पन्ना लाल नगपुरे,चूड़ामन सिंह शिवहरे, रनधीर बिसेन, नत्थू भाऊ पंचभाये, उदेलाल सहारे,विश्वनाथ नगपुरे, मुकेश दशरिया,रजनीकांत चौधरी, शंकर सिंह पटले, हुकुमचंद पटले,आरडी रहांगडाले, नरेंद्र मोहारे, गुलाब सिंह हिरापूरे, और राम प्रसाद बघेले सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी सदस्य व विभिन्न स्थानों से आए पटेल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इन मांगों पर की चर्चा

राजस्व की वसूली करने के पटेल को अधिकार दिए जाने, किस्त बंदी के कार्य प्रतिवर्ष पटेलों को देंने, जिन ग्रामों में ग्रामीण पटेल पद रिक्त है, उनको यथाशीघ्र भरे जाने, ग्रामीण पटेल जो पूर्व में थे, उनको यथावत रखने, भू-राजस्व संहिता की धारा 222 से 229 की अधिकार की जिम्मेदारी पटेलों को दी जाने। ग्राम पंचायत के मनोनीत पंच एवं आम सभा में पटेलो को प्रतिनिधि बनाने, कोई भी जांच पटेल के समक्ष करने, ग्रामीण पटेल को प्रतिवर्ष मानदेय के रूप में उचित पारिश्रमिक देने, ग्रामीण पटेल को वर्तमान में छत्तीसगढ़ / महाराष्ट्र / हरियाणा एवं अन्य प्रांतों में जिस प्रकार से प्रतिमाह मानदेय दिया जाता, उसी प्रकार म.प्र. के समस्त ग्राम पटेलों को मानदेय देने, संगठन में महिला एवं पुरूष कार्यकारिणी में पद अधिकारी है,जिनकी मिटिंग 2-2 माह में राजधानी भोपाल में की जाती है। संगठन के पदाधिकारियों को रूकने का साधन नहीं है, इसलिए संगठन के नाम से एक आवास मकान कार्यालय हेतु स्वीकृत कराया जाने, सहित बैठक के दौरान अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई।

तो सीएम हाउस का घेराव कर किया जाएगा आंदोलन - लिल्हारे

ग्रामीण पटेल कल्याण संघ प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल शरणागत और जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार लिल्हारे ने बताया कि हमारी वर्षो से लंबित कुछ मांगे है, हमारे अधिकार ,सम्मानजनक मानदेय सहित अन्य अन्य मांगों को लेकर लगातार संगठन द्वारा गुहार लगाई जा रही है। लेकिन हमारी इन मांगों को शासन द्वारा पूरा नहीं किया जा रहा है। इसके पूर्व कमिश्नर द्वारा आदेशित किया गया था कि पंचायत के सूचना पटल में पटेलो के नाम अंकित कर, उनके मोबाइल नंबर लिखे जाएं,वही बैठक में पटेलों को शामिल किया जाए, वही पंचायत में पटेलो के बैठने के लिए बैठक व्यवस्था बनाई जाए।लेकिन पंचायत द्वारा इसकी अब तक हमें कोई सूचना नहीं दी गई है। हमारी मांग है कि हमें हमारा अधिकार दिया जाए, हमे हमारे अधिकारो से वंचित न किया जाए।इसीलिए आज बैठक का आयोजन कर 5 जनवरी को सिवनी में एक प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है।उस बैठक में भोपाल स्थित मुख्यमंत्री आवास का घेराव कर ज्ञापन सौपने व आंदोलन की योजना बनाई जाएगी।

अनियंत्रित होकर घर पर जा घुसा बेलगाम ट्रैक्टर

खाना बना रहे एक व्यक्ति को आई मामूली चोट, अन्य सुरक्षित

नगर के वार्ड नंबर 5 सरेखा ,कहार टोला का मामला

पदमेश न्यूज। बालाघाट। शुक्रवार की रात करीब 8 बजे नगर के वार्ड नंबर 5 सरेखा के कहारटोला में उस वक्त हड़कंप मच गया। जब सड़क से जा रहा एक ट्रैक्टर अचानक से अनियंत्रित होकर एक व्यक्ति के मकान में जा घुसा। इस हादसे में मकान के भीतर खाना बना रहे एक व्यक्ति को मामूली चोट आई है, तो वही परिवार के अन्य सदस्यों को बचाया गया है।हालांकि इस हादसे में किसी प्रकार की जानहानि तो नहीं हुई लेकिन ट्रैक्टर के अनियंत्रित होकर मकान में घुसने से कच्चे मकान का छप्पर, टूट गया तो वही घर के भीतर रखी अलमारी ,पंखा, दरवाजे, कुर्सियां और बर्तन सहित अन्य वस्तुओं को नुकसान पहुंचा है।उधर घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची जिन्होंने आवश्यक कार्यवाही कर ,वार्डवासी ड्राइवर की मदद से घर में घुसे ट्रैक्टर को बाहर निकलवाया है ।वही ट्रैक्टर चालक व मालक द्वारा आपसी समझाईश के तहत घायल व्यक्ति का उपचार और पीड़ित परिवार के हुए नुकसान की भरपाई किए जाने की बात कही गई है।

खाना बना रहा था परिवार, अचानक ट्रैक्टर आ घुसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार सरेखा वार्ड नंबर 5 कहार टोला निवासी जियालाल यादव का ,महात्मा ज्योतिबा फुले स्कूल के पास मकान हैं। जिनके मकान के दूसरे भाग में उनका काका भाई रामलाल यादव भी अपने परिवार के साथ निवास करता है। बताया गया कि रोजाना की तरह शुक्रवार की रात करीब 8 बजे जियालाल और रामलाल यादव का परिवार घर के भीतर खाना बना रहा था, तभी मोहल्ले में ही रहने वाले ट्रैक्टर मालिक कोमल पिछोडे, जिन्होंने अभी कुछ महा पूर्व ही नया ट्रैक्टर खरीदा है, उनका 35 वर्षीय पुत्र मुकेश पिछोड़े, कहीं से खेतों की जुताई करके घर वापस आ रहा था। जैसे वह ट्रैक्टर लेकर जियालाल यादव के घर के पास पहुंचा वैसे ही ट्रैक्टर अचानक से अनियंत्रित हो गया, इससे पहले की ट्रैक्टर चालक मुकेश पिछोड़े कुछ समझ पाता ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सीधे जियालाल यादव के घर में घुस गया ।जिससे घर के भीतर खाना बना रहे जियालाल यादव को हाथ, पैर ,कमर और बख्खे में मामूली चोट आई है। तो वही घर में ट्रैक्टर घुसा देख परिवार के अन्य लोगों ने बच्चों सहित अन्य परिजनों को इस हादसे से बचा लिया।

दोनों पक्षों के बीच आपसी सुलह की कही जा रही बात

उधर हादसे की जानकारी मिलने के तुरंत बाद मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने दोनों पक्षों से बातचीत कर घटना का संज्ञान लिया ।वहीं स्थानीय वार्ड वासियों से भी हादसे को लेकर चर्चा की, वही आवश्यक कार्यवाही पुरी कर, वार्ड परिसर में ही निवास करने वाले वाहन चालक, मिंटू पिता प्रेमलाल लिल्हारे से कहकर, घर में घुसे ट्रैक्टर को सुरक्षित बाहर निकलवाया है ।उधर ट्रैक्टर मालक , ट्रैक्टर चालक और पीडति परिवार के बीच आपसी सुलह करने की बात वार्ड वासियों द्वारा कही जा रही है। बताया गया कि ट्रैक्टर चालक मालक ने इस हादसे में घायल जियालाल का उपचार करने और घर में हुई टूट-फूट व सामान की भरपाई किए जाने की बात कही है ।जिस पर स्थानीय लोगों ने अपनी सहमति जताई है बताया गया कि यह मामला आपसी सूझबूझ और सुलह के आधार पर स्थानीय स्तर पर ही निपटा लिया जाएगा।

सगाई टूटने से व्यथित युवक ने अपनी मंगेतर युवती को दी जान से मारने की धमकी

पदमेश न्यूज। बालाघाट। सगाई टूटने के बाद व्यथित एक युवक ने अपनी मंगेतर को शादी नहीं करने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी यह घटना खैरलांजी थाना क्षेत्र की है। इस 23 वर्षीय युवती द्वारा की गई रिपोर्ट पर खैरलांजी पुलिस ने रूपेश पिता पवन वासनिक ग्राम रूपरा थाना सिहोरा महाराष्ट्र निवासी के विरुद्ध इस युवती कोअश्लील गालियां देकर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किये है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खैरलांजी थाना क्षेत्र में रहने वाली यह युवती खेती किसानी का काम करती है। 27 अक्टूबर 2025 को इस युवती की सगाई रूपेश वासनिक ग्राम रूपेरा महाराष्ट्र निवासी के साथ में हुई थी ।किंतु किसी कारणवश एक माह बाद ही इस युवती और रुपेश की सगाई टूट गई थी। इसके बाद 15 दिसंबर 2025 को दोपहर 3ः00 बजे रूपेश वासनिक ने इस युवती को फोन किया तब इस युवती ने उसे बोली कि हमारी सगाई टूट चुकी है।तूम मुझे फोन क्यों कर रहे हो, मुझे तुमसे कोई बात नहीं करना है। तभी रूपेश वासनिक ने इस युवती को फोन पर ही अश्लील गालियां दी, और रुपेश वासनिक ने इस युवती को शादी नहीं करने पर बदनाम करने और जान से खत्म करने की धमकी दे दी। जिसके बाद रूपेश वासनिक ने फोन काट दिया। इस संबंध में इस युवती ने अपने माता-पिता को बताई। रूपेश वासनिक इस युवती को आए दिन फोन करते रहने लगा है ,किंतु वह फोन नहीं उठाती। उसके बाद वह अन्य नंबरों से युवती फोन करके परेशान करने लगा था। रूपेश वासनिक द्वारा आए दिन फोन करने से परेशान होकर इस युवती ने अपने परिवार वालों के साथ खैरलांजी थाना पहुंचकर रिपोर्ट कर दी। खैरलांजी पुलिस ने इस युवती द्वारा की गई रिपोर्ट पर रूपेश वासनिक ग्राम रूपेरा महाराष्ट्र निवासी के विरुद्ध इस युवती को अश्लील गालियां देकर, जान से मारने की धमकी देने का आरोप में धारा 296 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर ,जांच शुरू की है।

आस-पास की खबरे

आमाटोला ददिया में कबड्डी प्रतियोगिता 1 और दिन-रात का मेला 2 जनवरी को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत ददिया के अन्तर्गत आने वाले ग्राम आमाटोला में नववर्ष के अवसर पर जन जाग्रति आमाटोला के तत्वावधान में 1 जनवरी को एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता एवं 2 जनवरी को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। चर्चा में मंडई मेला समिति अध्यक्ष लकेश पंचेश्वर ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार

इस वर्ष भी नववर्ष के अवसर पर 1 जनवरी को प्रात: 10 बजे से एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है, जिसमें प्रथम पुरस्कार 10001 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 6001 रूपये, तृतीय पुरस्कार 4001 रूपये, प्रवेश शुल्क 301 रूपये निर्धारित किया गया है। उक्त कार्यक्रम मुख्य अतिथि श्रीमती ऋषि पंक्षी/ राजेन्द्र भलावी सरपंच ग्राम पंचायत ददिया, प्रमुख अतिथि श्रीमती केशरबाई मनीराम भोयर जनपद सदस्य लालबर्रा, रूपेन्द्र भोयर उपसरपंच ददिया, अरूण पंचेश्वर सरपंच बेलगांव, तुलसीराम बोपचे पुर्व जनपद पंचायत सदस्य, ज्ञानचंद मात्रे पुर्व सरपंच ददिया, रमेश पंचेश्वर पंच, ताराबाई पंचेश्वर पंच, तुलसीराम पंचेश्वर अध्यक्ष व लव पटेल खेल समन्वयक की उपस्थिति में प्रारंभ होगा। श्री पंचेश्वर ने बताया कि 2 जनवरी को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है और ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से दुय्यम महिला शायरी का आयोजन किया गया है। जिसमें नारवांजपार वारासिवनी की गायिका श्रीमती अनुपमा नागेश्वर एवं गर्राटोला रामपायली की गायिका श्रीमती भामिनी शेंडे के द्वारा शायरी की प्रस्तुती दी जायेगी और 3 जनवरी को मरार समाज आमाटोला ददिया के द्वारा माता सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाई जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील मंडई मेला समिति आमाटोला ददिया अध्यक्ष लकेश पंचेश्वर, उपाध्यक्ष डुलीचंद मरठे, कोषाध्यक्ष पंकज पंचेश्वर, अरूण पंचेश्वर ,संदीप पंचेश्वर ,खिलेंद्र पंचेश्वर, गोपाल बरले, आदित्य आचरे, बालकृष्ण कावरे, प्रदीप बिसेन, कमलेश कावडे, रामप्रसाद मोरध्वरे, शिवा मरठे, सतीष नागेश्वर, निर्मल कुर्वे, देवेंद्र पंचेश्वर, सुभाष पंचेश्वर ,आसाराम पंचेश्वर, जगदीश पंचेश्वर, जगदीश कावरे, राजू पंचेश्वर सहित ग्रामीणजनों ने की है।

पांढरवानी में बिना अनुमति सरकारी भवन तोड़ने और अवैध कब्जे की शिकायत

तहसीलदार ने निरीक्षण किया सरकारी भवन को तोड़ने वाले एवं अवैध कब्जाधारी पर कार्यवाही करने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

पांढरवानी पंचायत क्षेत्र में सरकारी संपत्तियों के साथ खिलवाड़ और अवैध कब्जे का मामला गरमाता जा रहा है। पांढरवानी सरपंच अनीस खान की शिकायत को संज्ञान में लेते हुए लालबर्रा नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा 26 दिसंबर को पांढरवानी सरपंच सहित अन्य लोगों के साथ विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार श्री मिश्रा के द्वारा बिना किसी प्रशासनिक आदेश के पंचायत के जवाहर भवन को डिस्मेंटल करने और थाने के समीप स्थित सामुदायिक भवन में अवैध रूप से संचालित दुकानों सहित सांदीपनी स्कूल के बाउण्ड्रीवाल, पुराने पशु चिकित्सालय कार्यालय सहित अन्य स्थानों का निरीक्षण किया। जिनमें मुख्य रूप से पंचायत का जवाहर भवन, बस स्टैण्ड के सामने स्थित सामुदायिक भवन, नवनिर्मित शॉपिग काम्पलेक्स, विश्रामगृह की दीवार शामिल है। इस निरीक्षण के दौरान सरपंच अनीस खान ने प्रशासन के समक्ष अपनी मांगें रखते हुए इसे सरकारी राजस्व की हानि बताते हुए दोषियों पर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है। चर्चा में सरपंच अनीस खान ने बताया कि गत वर्ष पूर्व नियम विरूध्द तरीके से पांढरवानी पंचायत के जवाहर भवन को तोड़ दिया गया, जिससे शासन को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। जिन लोगों ने बिना अनुमति इस भवन को ध्वस्त किया है, हम उन पर न केवल कठोर दंडात्मक कार्यवाही चाहते हैं, बल्कि इस नुकसान की भरपाई भी उन्हीं से करवाई जानी चाहिए क्योंकि उक्त स्थान पर अब शॉपिंग कॉम्पलेक्स का निर्माण प्रस्तावित है। श्री खान ने बताया कि बस स्टैंड स्थित सामुदायिक भवन में दो व्यक्ति के द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर दुकानें संचालित की जा रही हैं। जिला पंचायत के माध्यम से इसकी जांच के आदेश हुए थे, जिसके बाद आज नायब तहसीलदार ने मौका मुआयना किया है। हमारी मांग है कि सरकारी जमीन और भवनों से तत्काल अवैध कब्जा हटाया जाये और दोषियों पर कार्यवाही की जाये। इस निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती, ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष मनीराम भोयर, नितिन साखला सहित अन्य उपस्थित रहे।

इनका कहना है-

पांढरवानी पंचायत के द्वारा शिकायत की गई थी कि कुछ लोग शासकीय भवन में अवैध कब्जा कर दुकान संचालित कर रहे है एवं पूर्व में बिना अनुमति लिये जवाहर सामुदायिक भवन को तोड़ दिया गया है। जिनकी शिकायत पर शुक्रवार को विभिन्न शासकीय भवन एवं स्थानों का निरीक्षण किया गया है, जिसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को देकर अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

मयंक मिश्रा
नायब तहसीलदार
लालबर्रा।

पांढरवानी पंचायत सचिव दस दिनों से लापता, हितग्राही परेशान

जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित अन्य कार्यों के लिए चक्कर काट रहे हितग्राही

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा के परिवीक्षा सचिव रणविजय सिंह विगत 10 दिनों से ग्राम पंचायत से लापता हैं। जिससे अब नगर मुख्यालय में तरह-तरह की चर्चाएं सामने आ रही है। जिसमें कुछ लोग का कहना है कि लालबर्रा सचिव रणविजय सिंह द्वारा कुछ लोगों से भारी राशि उधार के रूप में मांगी गई है। तो वहीं कुछ लोगों का कहना है कि काम करवाने के नाम पर सचिव रणविजय सिंह ने पैसे मांगे हैं और समय पूर्ण हो जाने के बाद से विगत लगभग 10 दिनों से फरार चल रहे है। साथ ही पंचायत में सचिव का पद एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में होता है, जिनके माध्यम से बहुत से कार्य संपन्न होते है। लेकिन ग्राम पंचायत पांढरवानी का सचिव 10 से 12 दिनों से पंचायत में अनुपस्थित होने पर हितग्राही जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित अन्य कार्यों के लिए चक्कर काट रहे जिससे हितग्राही में आक्रोश देखा जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत पांढरवानी में पदस्थ रणविजय सिंह परिवीक्षा अवधि में है, जो गत 10 से 12 दिनों से बिना किसी को कोई जानकारियां दिये कही चले गये है। जो ग्राम पंचायत कार्यालय में नही आ रहे है और न ही किराये के निवास स्थान पर है। वहीं पांढरवानी सरपंच अनीस खान के द्वारा जिला पंचायत सीईओं एवं जनपद पंचायत लालबर्रा सीईओं को पत्र जारी कर बिना जानकारी दिये सचिव के चले जाने की जानकारी से अवगत करवा दिया गया है और सचिव रणविजय सिंह को हटाने की मांग की है।

सचिव को हटाने पत्र लिख दिया गया है - अनीस

दूरभाष पर चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि पांढरवानी पंचायत के वर्तमान में परिवीक्षाधिन सचिव रणविजय सिंह विगत 10 से 12 दिनों से ग्राम पंचायत में बिना सूचना दिये अनुपस्थित है। जिससे हितग्राही को भारी परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है। इसकी सूचना हमारे द्वारा लिखित रूप से मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बालाघाट एवं जनपद पंचायत कार्यालय लालबर्रा को दे दी गई है और सचिव को हटाने पत्र भी लिखा गया है।

महाविद्यालय में "राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम्" के पूर्ण गायन का प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम् की 150 वीं वर्षगांठ के अवसर पर उंच शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार म.प्र. के सभी महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् के पूर्ण मूल पाठ के साथ ही राष्ट्रगान एवं मध्यप्रदेश गान के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किये जाने के निर्देश दिये गये है। इसी निर्देश के परिपालन में नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में गत दिवस राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् एवं निर्देशित गान के प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य एवं प्राध्यापकों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया तत्पश्चात उक्त गान के रचियताओं को नमन करते हुए कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। वहीं कार्यक्रम में संगीत प्रशिक्षक के रूप में आमंत्रित थानेश्वर पंचेश्वर सरदार पटेल इंटरनेशनल स्कूल डोंगरिया ने वन्दे मातरम् की रचना में प्रयोग होने वाली धुन राग-देस के बारे में जानकारी प्रदान की। साथ ही राष्ट्रगान जन-गण-मन में उपयोग होने वाली राग बिलावल के बारे में उपस्थितजनों को अवगत करवाया। साथ ही उन्होंने अपने प्रशिक्षण के दौरान स्वरों की उत्पत्ति एवं तालों का प्रशिक्षण (कहरवा, दादरा, त्रिताल) आदि की जानकारियॉ प्रदान की गई। वहीं राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम, राष्ट्रगान एवं मध्यप्रदेश गान के विषय में विस्तृत रूप से बताते हुए प्रशिक्षण प्रदान किया। साथ ही महाविद्यालय के स्टॉफ व विद्यार्थियों द्वारा गायन भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम ने इस कार्यक्रम के महत्व एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् के शुध्द उंचारण एवं भावपूर्ण गायन हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे ने कहा कि वन्दे मातरम् केवल एक गीत नहीं बल्कि भारत की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय गौरव का शाश्वत प्रतीक है। यह गीत राष्ट्रीय एकता, मातृभूमि के प्रति प्रेम और त्याग की भावना का प्रतीक है। यह भारतीय संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम की अमर धरोहर है और इससे विद्यार्थियों को ऊर्जा का संचार होता है। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन सहायक प्राध्यापक नरेश सौलखे के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक प्राध्यापक डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, नितेश कुमार, डॉ..ऋषिकेश पटेल, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. आशा कारे, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, कु. सोनम हरिनखेड़े, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

विधायक अनुभा मुंजारे ने किया मोहगांव ध. में नये पॉवर ट्रांसफार्मर का शुभारंभ

किसान संगोष्ठी का हुआ आयोजन, सब स्टेशन में पॉवर ट्रांसफार्मर लग जाने से बिजली की समस्या हुई दुर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत मोहगांव ध. स्थित विद्युत विभाग का सबस्टेशन (पॉवर हाउस) में शुक्रवार को नवीन पीटीआर 03.15 पॉवर ट्रांसफार्मर का शुभारंभ एवं किसान संगोष्ठी कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य एवं जनप्रतिनिधि व विद्युत विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने विधि-विधान से पूजा अर्चना कर सब स्टेशन (पॉवर हाउस) मोहगांव ध. में नवीन पीटीआर 03.15 पॉवर ट्रांसफार्मर का रिबिन काटकर शुभारंभ किया। साथ ही सब स्टेशन पॉवर हाउस प्रांगण में किसानों के साथ किसान संगोष्ठी के माध्यम से बिजली विभाग से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि आपके आशीर्वाद से मैं विधायक बनी हूं, यह क्षेत्र काफी बड़ा है और मेरा प्रयास है कि क्षेत्र में विकास हो, सड़क, पुलिया बने, बिजली की व्यवस्था रहे, पानी की व्यवस्था रहे, स्कूल बिल्डिंग हो, आंगनबाड़ी का अंछा संचालन हो, समूह की बहने को कोई समस्या ना हो आदि के लिये कार्य करू इस क्षेत्र में सतत प्रयास किया जा रहा है। आगे कहा कि मोहगांव ध. में जो पीटीआर लगा वह इस क्षेत्र की बहुत ही जरूरत थी। बिजली की समस्या बड़ी चुनौती थी, एक बार आपके यहां पर बिजली के संकट के कारण काफी आक्रोश बना था और वह भी इस अवसर पर मुझे भी आपके बीच उस अंधेरे में आने का मौका मिला था। लेकिन आज यह पीटीआर का पॉवर ट्रांसफार्मर लग जाने से बिजली की समस्या जो बनी रहती थी वह दूर हो जायेगी। श्रीमती मुंजारे ने कहा कि मोहगांव ध. में धान खरीदी केंद्र स्थल को प्रशासन की ओर से बदलाव किया जा रहा था और उसे बिरसोला भेजा जा रहा था, जिसकी जानकारी लगने पर तत्काल जिला प्रशासन से चर्चा कर उसे रोकने का कार्य किया गया हैं। चूंकि मोहगांव ध. सहित आसपास के गांव के लिये यह उपार्जन केंद्र बड़ा सेंटर है। यहां के लोगों को बिरसोला जाने में परेशानी होती इसलिए केन्द्र को यथावत रखा गया है। साथ ही खरीदी गई धान का परिवहन नही होने से किसानों को परेशानी हो रही है उपज विक्रय करने में इसलिए प्रशासन से मांग है कि परिवहन तीव्र गति से करवाये। साथ ही यह भी कहा कि क्षेत्र में विकास व समस्या का समाधान को लेकर वह प्रयासरत रहती हैं। बावजूद अगर कोई समस्या या विषय है तो वह मुझे अवगत करवाये उसका निराकरण किया जायेगा और क्षेत्र का विकास करना हमारी पहली प्राथमिकता है। इस अवसर पर विद्युत विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, किसान और ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

दीप यज्ञ व पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का महाप्रसाद वितरण कर किया गया समापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अखिल भारतीय गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार व जिला गायत्री परिवार के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय विराट दीप यज्ञ एवं पंच कुण्डीय

गायत्री महायज्ञ का शुक्रवार को समापन किया गया। नगर के अन्नपूर्णा मंदिर गली के मैदान में जन्म शताब्दी की सफलता पर कार्यक्रम 25 दिसम्बर से प्रारंभ किया गया था जो 26 दिसम्बर को पंचकुण्डीय गायत्री महायज्ञ व विभिन्न संस्कार मंत्रोच्चार के साथ हरिद्वार से पहुंचे गायत्री परिवार के आचार्यों द्वारा संपन्न कराया गया। शाम के समय महाप्रसाद वितरण का कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में काफी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। इस संबंध में आयोजन समिति के सदस्य जय कृष्ण डिंगरू ने बताया कि 25 दिसम्बर गुरूवार को कलश यात्रा निकाली गई वही शाम 5 बजे से दीप यज्ञ आयोजित किया गया। वहीं दूसरे दिन शुक्रवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 3ः30 बजे तक गायत्री महायज्ञ आयोजन के बाद शाम 4 बजे से विभिन्न संस्कार संपन्न कराया गया। शाम को महाप्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान जिला गायत्री परिवार के सदस्य व स्थानीयजन मौजूद रहे।

प्रशासन की वादा खिलाफी से आक्रोशित शिवधाम के ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

सड़क की बत्तर स्थिति एवं सड़क किनारे फैले अतिक्रमण से परेशान ग्रामीण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा के डाइवर्ट मार्ग शिवधाम मोहल्ले में ग्रामीणों के द्वारा २६ दिसंबर को चक्काजाम किया गया। ग्रामीणों के द्वारा यह चक्काजाम पूर्व में मिले प्रशासन के आश्वासन पर कार्यवाही नही होने एवं प्रशासन की वादा खिलाफी के विरोध में किया गया। उक्त आंदोलन करीब आधा घंटा चला जहां पुलिस प्रशासन एवं राजस्व के द्वारा ग्रामीणों से चर्चा कर उन्हें समझाईस दी जाती रही। परंतु वह पूर्व के आश्वासन की कार्यवाही के बारे में पूछते रहे। इसी दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल मौके पर पहुंचे जिन्होंने ठेकेदार को मौके पर बुलाकर प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा कर ग्रामीणों की मांग पर व्यवस्था बनाने की बात कही गई। इसके बाद ग्रामीणों के द्वारा एसडीएम के नाम का ज्ञापन नायाब तहसीलदार को देकर समस्या का निराकरण करने मांग की गयी। जहाँ ग्रामीणों का आक्रोश शांत हुआ और वह आंदोलन समाप्त कर अपने कार्यों पर रवाना हुए।

सड़क किनारे फैले अतिक्रमण से हो रही भारी परेशानी

प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी बालाघाट मार्ग पर वारा रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे और ब्रिज निर्माण कार्य जारी है। जहां यातायात पूर्णत प्रतिबंध है जिसके लिए पूर्व के डाइवर्ट मार्ग पर यातायात मोड़ दिया गया है। ऐसे में लालबर्रा रोड़ गयात्री मंदिर से वारा एवं वारासिवनी से शिवधाम वाराटोला मार्ग को डाइवर्ट मार्ग बनाया गया है। जहां से यातायात का आवागमन चल रहा है परंतु सर्वाधिक यातायात शिवधाम मोहल्ले से आना जाना कर रहा है। जहां रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण के पहले से यातायात आना जाना कर रहा है ,परंतु वर्तमान में बालाघाट रोड़ से पूरी तरह यातायात बंद होने से इस मार्ग पर यातायात का भारी दबाव बन गया है। वैसे भी छोटे.बड़े एवं भारी वाहनों के दबाव से मार्ग की स्थिति बहुत ज्यादा खराब हो गई है सड़के उधड़ गई है दरारें आ गई है। तो वहीं मार्ग के साइड सोल्डर में निर्माण एजेंसी के द्वारा मिट्टी डाल दी गई है जहां वाहनों के आने जाने से धूल के गुब्बार उड़ रहे हैं। जो लोगों के घरों के अंदर तक जाकर निवासरत लोगों के स्वास्थ्य पर असर डाल रहे हैं। सरकारी दस्तावेजों में यह मार्ग बहुत चौड़ा है परंतु किनारे निवासरत लोगों के द्वारा अतिक्रमण कर सड़क को सकरी कर दी गई है। ऐसे में वार्डवासियों के द्वारा मार्ग का अतिक्रमण हटाने, चौड़ी सड़क निर्माण करने, वर्तमान में उड़ रहे धूल के गुब्बारे को शांत करने की मांग को लेकर पूर्व में कई बार एसडीम को ज्ञापन दिया गया था। परंतु कोई संज्ञान नहीं लिया गया जिससे आक्रोशित होकर पूर्व में ग्रामीणों ने चक्काजाम किया था। जिसमें एसडीएम और तहसीलदार के द्वारा सात दिवस के भीतर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया था। परंतु समय सीमा खत्म होने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की गई जिसको लेकर प्रशासन पर ग्रामीणों ने वादा खिलाफी का आरोप लगाया। वहीं प्रशासन से संतोषजनक कार्यवाही का आश्वासन नही मिलने को लेकर पुन: आक्रोशित ग्रामीणों के द्वारा चक्काजाम किया गया। मौके पर सूचना लगते ही राजस्व एवं पुलिस प्रशासन पहुंचे जिनके द्वारा समझाइस दी गई। जहां प्रशासन और ग्रामीणों के बीच हॉट टॉक का भी दौर चला तभी पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल मौके पर पहुंचे। जिनके द्वारा रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कंपनी ठेकेदार को मौके पर बुलाकर समस्या से रूबरू कराया गया। सड़क किनारे गिट्टी की चिल्ली डालकर पानी का छिड़काव करवाने कहा गया। वहीं सेतु विभाग के एसडीओ सबइंजीनियर से दूरभाष पर चर्चा कर उन्हें मार्ग निर्माण के लिए व्यवस्था बनाने निर्देश दिए गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद रहे।

मार्ग पर अतिक्रमण फैला हुआ है नागरिकों ने अतिक्रमण कर लिया है-रामसिंह

ग्रामीण रामसिंह पटेल ने बताया कि रेलवे ओवर ब्रिज बन रहा है दो परिवर्तित मार्ग बनाए गए हैं। एक गायत्री मंदिर और दूसरा शिवधाम परंतु शिवधाम वाला मार्ग पर कई अव्यवस्था हो रही है। पूरा रोड़ खराब हो गया है सड़क की साइड फीलिंग मिट्टी से की गई है जिससे धूल उड़ रही है। भारी वाहनों के लिए यह सड़क नहीं है फिर भी गुजर रहे हैं इसी वजह से दिक्कत बनी हुई है। इस मार्ग पर अतिक्रमण भी फैला हुआ है नागरिकों ने अतिक्रमण कर लिया है ट्रैफिक्र के कारण आवागमन भी बाधित होता है। ग्रामीणों ने पूर्व में प्रशासन को अल्टीमेटम दिया था पर उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई जिससे आक्रोशित ग्रामीणों के द्वारा यह जाम किया गया है। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के द्वारा प्रशासन से चर्चा कर माध्यस्थता की गई है।

इसके पूर्व भी तसहीदार को अतिक्रमण हटाने और रोड़ बनाने ज्ञापन दिया गया था-प्रवीण

पूर्व जनपद सदस्य प्रवीण खरोले ने बताया कि ८ दिसंबर को हमारे द्वारा चक्काजाम कर तहसीलदार को ज्ञापन दिया गया था। जिन्होंने सात दिवस के अंदर कार्यवाही करने का आश्वासन हमें दिया था वहीं एसडीएम के द्वारा भी यही आश्वासन दिया गया था। लेकिन कुछ हुआ नहीं तो पुन: यह जन आंदोलन चक्काजाम हमें करना पड़ा। यहां पर हमारे नेता पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल आए उनके द्वारा प्रशासन से चर्चा कर हम सभी को आश्वासन दिया गया है कि यह रोड़ का काम करवा दिया जाएगा। चिल्ली डलवा दी जाएगी धूल की समस्या पहले खत्म की जाएगी वहीं सड़क का पुन: निर्माण के लिए भी बात की गई है।

पुल निर्माण में जो राशि बचती है उससे यह सड़क ५ मीटर चौड़ी बनाई जायेगी-प्रदीप

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया कि हमारे यहां रेलवे ओवरब्रिज बन रहा है इसमें शिवधाम बाईपास का उपयोग बहुत हो रहा है सड़क खराब हो गई है तो यह चकाजाम किया गया था। यहां हम और प्रशासन पहुंचे हैं इसमें तत्कालीन व्यवस्था बनाने के लिए कहा गया है कि गिट्टी की डस्ट डालकर पानी का छिड़काव किया जाए। एसडीओ सब इंजीनियर सेतु विभाग से चर्चा किया है कि पुल निर्माण के कारण यह रोड़ खराब हुई है तो यह आपकी जवाबदारी है। जैसा वारा से गायत्री मंदिर सड़क सवा किलोमीटर की पौने दो करोड़ की लागत से बनाई गई थी। तो इसे भी डेढ़ करोड़ की लागत लगेगी तो पुल निर्माण में जो राशि बचती है उसे यह सड़क ५ मीटर चौड़ी बनाई जाए। इसके लिए हम पत्र एसडीएम के माध्यम से देकर प्रयास करेंगे ताकि क्षेत्र के लोगों को वर्षों तक लाभ मिले।

सशक्त राष्ट्र निर्माण के मार्गदर्शक थे अटल बिहारी वाजपेयी- गौरव

विधायक कार्यालय कटंगी में भाजपाइयों ने मनाया सुशासन दिवस

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/कटंगी। पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न पंडित अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती के अवसर पर कटंगी पश्चिम एवं पूर्व मंडल के द्वारा विधायक कार्यालय में श्रद्धांजलि कायक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अटल जी को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके विचारों को स्मरण किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय एवं अटल बिहारी वाजपेयी अमर रहे के गगनभेदी नारे लगाए। सभी उपस्थितजनों ने स्व. अटल जी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि पंडित अटल बिहारी वाजपेई ना केवल एक महान राजनेता थे बल्कि वे लोकतंत्र राष्ट्रवाद और मानवीय मूल्यों के सशक्त प्रतीक थे। उनके विचार आज भी देश की राजनीति और समाज को सही दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। अटल जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा है जिसे आने वाली पीढ़ियां भी स्मरण रखेंगी। कार्यक्रम में पूर्व मंडल अध्यक्ष भोजराज देशमुख, लोकचंद बिसेन,संतोष तुरकर, के एल चौधरी,श्रीमती भागेश्वरी तुरकर, श्रीमती केशर बिसेन,पूजा देशमुख,मुकेश चौकसे ,सौरभ ठाकरे,सुरेंद्र राहंगडाले, प्रियांश राउत, वरुण देशमुख, विनय सिंह ठाकुर, सुन्दर लाल बिनझाड़े ,संदीप शर्मा, आबिद खान,सुरेश बिसेन, मनीष शर्मा, दिलीप राउत, सतीश सिंग, संकेत तिवारी ,श्याम बघेल उपस्थित रहे।

विधायक पारधी ने कटंगी लालबर्रा मार्ग को सुव्यवस्थित बनाने किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/कटंगी। क्षेत्र के समग्र विकास को गति देने के उद्देश्य से प्रस्तावित कटंगी लालबर्रा जिला मुख्य मार्ग को लेकर विधायक गौरव सिंह पारधी के द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया। यह मार्ग शहर के भीतर से होकर गुजरने वाला है इसलिए इसके निर्माण के दौरान नागरिक सुविधाओं और सुव्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाना आवश्यक है। साथ ही इस सड़क के विकसित होने से व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और कटंगी तथा लालबर्रा के बीच संपर्क और अधिक मजबूत होगा। प्रस्तावित योजना के तहत इस मार्ग को नगर में डिवाइडर रोड के रूप में विकसित किया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए वर्तमान में ८० फीट चौड़ाई का चिन्हांकन किया गया है,ताकि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सड़क को सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाया जा सके। यह मार्ग शहर के अंदर से होकर गुजरने वाला प्रमुख मार्ग होगा जिससे यातायात का दबाव कम होगा और आवागमन अधिक सुचारु बनेगा। मार्ग निर्माण एवं भूमि अधिग्रहण की समस्या को लेकर स्थानीय निवासियों के द्वारा विधायक से निवेदन किया गया था। नागरिकों की इन्हीं चिंताओं और सुझावों को गंभीरता से लेते हुए विधायक गौरव सिंह पारधी स्वयं स्थल पर पहुंचे और जमीनी हकीकत का अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान विधायक पारधी ने सभी प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं को विस्तार से सुना। निरीक्षण के दौरान विधायक गौरव सिंह पारधी ने स्थानीय नागरिकों को भरोसा दिलाया कि सड़क निर्माण कार्य इस तरह से किया जाएगा। जिससे कम से कम भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता पड़े। उन्होंने कहा कि विकास कार्य जनता की सुविधा और सहमति के साथ होगा। विधायक ने तकनीकी मापदंडों का पालन करते हुए समाधान निकालने की बात कही। ताकि सड़क का निर्माण गुणवत्तापूर्ण हो और आम नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित ना हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हर स्तर पर संवाद बनाए रखते हुए कार्य किया जाएगा। ताकि किसी को असुविधा ना हो और परियोजना समयबद्ध तरीके से पूरी हो सके।

महाविद्यालय में मशरूम की खेती पर ७ दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भारत सरकार के पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एवं पर्यावरण नियोजन तथा समन्वय संगठन एप्को पर्यावरण विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल के प्रयोजन में शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय के ईको क्लब व वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा मशरूम पालन पे ७ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला का आयोजन १८ दिसम्बर से २४ दिसम्बर २०२५ के मध्य किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ सत्यशील गेडाम के संरक्षण, ईको क्लब प्रभारी डॉ त्रिरत्नेश गजभिये के निर्देशन व वनस्पतिविज्ञान विभागाध्यक्ष हेमंत गनवीर के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में डॉ त्रिरत्नेश गजभिये के द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा को मंच के माध्यम से अवगत कराया गया। जिसमें प्रत्येक दिवस २ सत्रों सैद्धांतिक व प्रायोगिक में व मुख्य अतिथि से परिचय करवाया गया ।मुख्य अतिथि जे एस बिसेन निदेशक कृषि संकाय सरदार पटेल विश्वविद्यालय डोंगरिया व विषय विशेषज्ञ के रूप में अंकुश बिसेन सहायक प्राध्यापक कृषि विभाग सरदार पटेल वि. वि. उपस्थित रहे। जे एस बिसेन के द्वारा मध्य भारत में कृषि के अवसर और चाय की खेती, इनकी विविधता पर विद्यार्थियों को बताया गया। वहीं अंकुश बिसेन के द्वारा पीपीटी द्वारा मशरूम का परिचय, भारत में मशरूम की उत्पादन की स्थिति, प्रमुख किस्मे, खेती के लिए आवश्यक परिस्थितियाँ, खेती के लिए उपयुक्त सामग्री, उत्पादन की विधि, रोग किट प्रबंधन व भंडार . विपणन पर विस्तार पूर्वक बताया गया। द्वितीय सत्र में विद्यार्थियों को मशरूम खेती हेतु भूसे को उपचारित करने का तरीका व स्पॉन से परिचय किया गया। डॉ अवधेस सिंग चौधरी विभागाध्यक्ष कृषि संकाय स प वि.वि. के द्वारा कृषकों की परेशानी व वातावरणीय कारको के प्रभाव को समझाया गया। डॉ रवि कुमार रज, किटविज्ञानी, कृषि संकाय द्वारा मधुमक्खी पालन, इनकी प्रजातियों व रोजगार के अवसरों के बारे में बताया गया। कार्यशाला में महाविद्यालय के विभिन्न संकायों व कक्षाओं के २१० विद्यार्थियों की सहभागिता की गई व इनके द्वारा लगभग २० मशरूम बेग तैयार की गए। मशरूम ग्रोविंग रूम वनस्पति विभाग में तैयार किया गया है। कार्यशाला कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ गेडाम, हेमन्त गनवीर, डॉ प्रवीण पन्द्रे, मोहनीश इडपाचे, अवधेश सिंह चौधरी,अंकुश बिसेन, अभिषेक ठाकरे, डॉ सज्जाद मीर, विजय दांदरे, मनोज गजभिये मौजूद रहे।

सरस्वती विद्यालय में मनाया गया वीर बाल दिवस

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में २६ दिसंबर को वीर बाल दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्राचार्य राजेंद्र मिश्रा के मुख्य आतिथ्य ,दयानंद धुवारे की अध्यक्षता ,दीपक टेंभरे की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित जनों के द्वारा मां सरस्वती भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुजा अर्चना कर सरस्वती वंदना की गई। तत्पश्चात कार्यक्रम के शुरुआत में महिमा नेवारे कक्षा चौथी , रिषभ भटरे कक्षा दसवीं ने सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह के साहब जादो के बलिदान को याद करते हुए अपने शब्दों में व्यक्त किया। वहीं दयानन्द धुवारे ने आभार व्यक्त करते हुए बच्चों को प्रेरणा लेने की बात कहते हुए कहा कि ईमानदारी निडरता बलिदान का महत्व वीर बाल दिवस समझाता है। इस अवसर पर स्कूल स्टाफ सहित छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

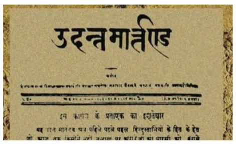

देशभर की अरावलियों के हित में फैसला

पर्यावरणविदों की चिंताओं के बीच सरकार द्वारा अरावली की पूरी सुरक्षा के लिए नयी खनन लीज पर रोक लगा देने का निर्णय स्वागतयोग्य है. केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने स्पष्ट कहा है कि जब तक सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत और उसकी ओर से मंजूर की गयी नीतियों के तहत अरावली के संरक्षण और खनन के लिए नये क्षेत्रों की पहचान नहीं हो जाती, तब तक यह प्रतिबंध लागू रहेगा. मंत्रालय का यह निर्देश इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि केंद्र सरकार पर आरोप लग रहा था कि

पर्यावरणविदों की चिंता के बीच सरकार का निर्णय निःसंदेह अरावली के हित में है. इससे पर्यावरण की रक्षा के साथ-साथ स्थानीय समुदायों को भी फायदा पहुंचेगा, जो लंबे समय से प्रदूषण और भूमि क्षरण से जूझ रहे हैं।

अरावली के बड़े क्षेत्र में खनन की अनुमति दिये जाने के लिए ही उसने अरावली की नयी परिभाषा बनायी है. जाहिर है, अरावली क्षेत्र के व्यापक पर्यावरणीय महत्व को देखते हुए केंद्र सरकार ने इसकी सुरक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता दिखाई है. पूरे अरावली क्षेत्र में संरक्षित क्षेत्र बढ़ाने के साथ-साथ अब कोई नयी खदान नहीं खोदी जायेगी, पर्यावरणीय दृष्टि से टिकाऊ खनन योजना बनायी जायेगी तथा चल रही खदानों पर सख्त पर्यावरणीय नियम लागू होंगे. अरावली क्षेत्र में जो खदानें पहले से चल रही हैं, उनमें सभी पर्यावरण नियमों का सख्ती से पालन करने के लिए केंद्र ने राज्य सरकारों को निर्देश दिये हैं. यह सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के मुताबिक होगा, ताकि पर्यावरण संरक्षण और स्थायी प्रथाओं का ख्याल रखा जाये. इसी तरह केंद्र ने आइसीएफआरइ (इंडियन काउंसिल ऑफ फॉरेस्ट्री रिसर्च एंड एजुकेशन) को यह निर्देश दिया है कि वह पूरे अरावली क्षेत्र में अतिरिक्त इलाकों की पहचान करे, जहां खनन पूरी तरह प्रतिबंधित हो. यह उन इलाकों के अलावा होगा, जहां पहले से रोक लगी हुई है. आइसीएफआरइ को पूरे अरावली क्षेत्र के लिए एक वैज्ञानिक और व्यापक टिकाऊ खनन प्रबंधन योजना (एमपीएसएम) योजना भी तैयार करनी है, जिसमें पर्यावरण पर कुल प्रभाव का आकलन, संवेदनशील इलाकों की पहचान तथा खनन की वहन क्षमता का अध्ययन शामिल होगा. वैज्ञानिक आधार पर तैयार होने वाली यह योजना कुल पर्यावरणीय प्रभावों का आकलन करेगी. योजना पूरी हो जाने के बाद उसे सार्वजनिक किया जायेगा, ताकि सभी पक्षकारों से सुझाव लिये जा सकें. इससे अरावली में संरक्षित क्षेत्र और बड़ा होगा. अवैध खनन की बढ़ती समस्या को देखते हुए सरकार द्वारा लिये गये निर्णय से अरावली की प्राकृतिक संरचना के बचे रहने की उम्मीद है. इससे पर्यावरण की रक्षा के साथ स्थानीय समुदायों को भी फायदा पहुंचेगा, जो लंबे समय से प्रदूषण और भूमि क्षरण से जूझ रहे हैं।

इस फ़ैसले का निहितार्थ अकेली एक अरावली पर निहित ना होकर देश भर में फैली अनेक अरावलियों पर प्रभाव डालना तय है।

अंतरिक्ष अभियानों की बढ़ती मांग पूरी करेगा भारत

'बाहुबली रॉकेट' की गर्जना के साथ भारत ने न केवल एक उपग्रह को अंतरिक्ष में पहुंचाया, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि वह भविष्य के अंतरिक्ष युग में एक शक्तिशाली, भरोसेमंद और प्रेरणादायक नेतृत्वकर्ता है. भारतीय धरती से अब तक के सबसे भारी उपवाह को तो सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया ही गया, यह बावन दिनों के भीतर दूसरा एलवीएम मिशन भी था. इतनी कम अवधि में बैक-टू-बैक हैवी लिफ्ट मिशनों का सफल संचालन यह संकेत देता है कि भारत आने वाले वर्षों में मानव अंतरिक्ष उड़ानों, वाणिज्यिक मिशनों की मांग पूरी करने में सक्षम है।

एलवीएम 3-एम प्रक्षेपण यान द्वारा ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 उपग्रह का सफल प्रक्षेपण भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक ऐतिहासिक और निर्णायक क्षण के रूप में दर्ज हो गया है. श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से किया गया प्रक्षेपण केवल तकनीकी सफलता नहीं है, यह भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा, आत्मनिर्भरता और अंतरिक्ष क्षेत्र में नेतृत्व का सशक्त प्रतीक भी है. यह मिशन इसलिए भी विशेष है, क्योंकि इसके माध्यम से भारतीय प्रक्षेपण यान द्वारा भारतीय धरती से अब तक के सबसे भारी उपग्रह को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया. इसके साथ ही, यह बावन दिनों के भीतर दूसरा एलवीएम मिशन था. इतनी कम अवधि में बैंक-टू-बैंक हैवी लिफ्ट मिशनों का सफल संचालन यह संकेत देता है कि भारत आने वाले वर्षों में मानव अंतरिक्ष उड़ानों, वाणिज्यिक मिशनों और गहन अंतरिक्ष अभियानों की बढ़ती मांग को पूरा करने में पूरी तरह सक्षम है।

एलवीएम3, जिसे स्नेहपूर्वक 'बाहुबली रॉकेट' कहा जा रहा है, भारत की हैवी लिफ्ट प्रक्षेपण क्षमता की रीढ़ बन चुका है. यह इसरो द्वारा विकसित तीन चरणों वाला प्रक्षेपण यान है, जिसने पहले चंद्रयान-2 और चंद्रयान-3 को लॉन्च किया है. इसकी विश्वसनीय हैवी लिफ्ट क्षमता भविष्य के महत्वपूर्ण मिशनों, विशेष रूप से गगनयान, के लिए मजबूत आधार तो तैयार कर ही रही है, इसके साथ ही वाणिज्यिक प्रक्षेपण सेवाओं के विस्तार और वैश्विक साझेदारियों को भी सुदृढ़ कर रही है. इस मिशन में एलवीएम ने अमेरिका के ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 संचार उपग्रह को उसकी निर्धारित कक्षा में अत्यंत सटीकता के साथ स्थापित किया, जो वैश्विक स्तर पर किसी भी प्रक्षेपण यान द्वारा हासिल किये गये सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में से एक है. एलवीएम3-एम6 मिशन इस रॉकेट की लगातार नौवीं सफल उड़ान थी, जिसने इसकी 100 प्रतिशत मिशन सफलता को एक बार फिर से साबित किया है. वैश्विक अंतरिक्ष परिदृश्य में इस स्तर की निरंतरता और विश्वसनीयता अत्यंत दुर्लभ है. ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 उपग्रह का प्रक्षेपण न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआइएल) और अमेरिका के बीच हुए एक वाणिज्यिक समझौते के अंतर्गत किया गया. यह मिशन भारत द्वारा अमेरिका के लिए किया गया पहला समर्पित प्रक्षेपण है, जो भारत-अमेरिका अंतरिक्ष सहयोग में निश्चित रूप से एक नया अध्याय जोड़ता है. ब्लुबर्ड ब्लॉक 2 एएसटी स्पेसमोबाइल (टेक्सास, अमेरिका) की अगली पीढ़ी की प्रणाली का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य बिना किसी विशेष हार्डवेयर के सामान्य स्मार्टफोन को सीधे सेलुलर ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करना है. इसका लक्ष्य वैश्विक 4जी/5जी कनेक्टिविटी प्रदान करना है, जिससे अंतरिक्ष से सीधे कॉल, वेब एक्सेस और वीडियो सेवाएं संभव हो सकेंगी. इस सफलता के साथ भारत अब तक 34 देशों के लिए 434 उपग्रहों का प्रक्षेपण कर चुका है. यह श्रीहरिकोटा से भारत का 104वां प्रक्षेपण था. यह आंकड़ा भारत को भरोसेमंद, किफायती और तकनीकी रूप से सक्षम वैश्विक लॉन्च पार्टनर के रूप में स्थापित करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ऐतिहासिक सफलता पर वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई देते हुए इसे भारत की अंतरिक्ष यात्रा का एक गर्वपूर्ण मील का पत्थर बताया. उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में किये जा रहे प्रयासों को दर्शाती है. यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि

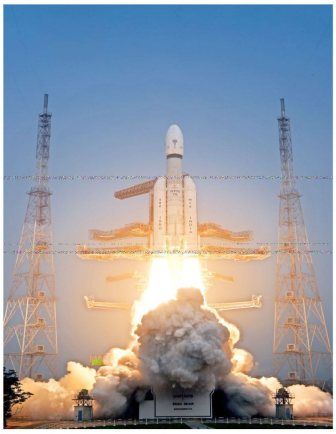

आत्मनिर्भरता का अर्थ आत्मकेंद्रित होना नहीं है, बल्कि विश्व के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना है. हमारी हालिया अंतरिक्ष उपलब्धियां पहले ही यह सिद्ध कर चुकी हैं कि भारत जटिल और उच्च जोखिम वाले अभियानों को कुशलता और नवाचार के साथ अंजाम देने में सक्षम है. इस संदर्भ में यह याद करना चाहिए कि चंद्रयान-3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग भारत को वैश्विक अंतरिक्ष मानचित्र पर एक विशिष्ट स्थान दिला चुकी है. लगातार सफल उड़ानों ने इस प्रक्षेपण वान की विश्वसनीयता को सिद्ध किया है, जो मानव अंतरिक्ष उड़ान के लिए आवश्यक अत्यंत कठोर सुरक्षा और सटीकता मानकों को पूरा करने में सक्षम है. अंतरिक्ष में हर सफल मिशन के साथ भारत उस दिन के और करीब पहुंच रहा है, जब भारतीय अंतरिक्ष यात्री स्वदेशी तकनीक के माध्यम से अंतरिक्ष में उड़ान भरेंगे. इस दृष्टि से यह प्रक्षेपण केवल एक वाणिज्यिक मिशन नहीं है, बल्कि भारत के मानव अंतरिक्ष स्वप्न की ओर बढ़ता हुआ एक मजबूत कदम भी है. इस ऐतिहासिक प्रक्षेपण का एक अत्यंत प्रेरणादायक पहलू यह भी रहा कि स्कूली छात्र-छात्राएं इस अवसर को देखने के लिए अंतरिक्ष केंद्र में एकत्रित हुए, उनके लिए यह जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव था, जिसने पुस्तकों के ज्ञान को वास्तविकता में बदल दिया. भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम आज देश के युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा से संचालित हो रहा है, और ऐसे क्षण भविष्य के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और नवप्रवर्तकों को प्रेरित करते हैं. यह सफलता भारत के विकसित भारत के दृष्टिकोण को भी सशक्त करती है, जहां उन्नत विज्ञान और प्रौद्योगिकी आर्थिक विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक नेतृत्व की आधारशिला बनते हैं।

सार्वजनिक-निजी भागीदारी और उभरते स्टार्टअप्स के साथ भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र तेजी से विस्तार कर रहा है. इन क्षमताओं के साथ भारत आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष क्षेत्र का एक मुख्य वैश्विक खिलाड़ी बनने की ओर अग्रसर है. यह उपलब्धि भारत को एक विश्वगुरु के रूप में भी स्थापित करती है ऐसा राष्ट्र जो अपनी विश्वसनीयता, किफायत और सहयोग की भावना के माध्यम से नेतृत्व करता है. भारतीय धरती से अब तक के सबसे भारी उपग्रह का अत्यंत सटीक प्रक्षेपण यह स्पष्ट संदेश देता है कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब पूर्ण रूप से परिपक्व, आत्मविश्वासी और वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली बन चुका है. जैसा कि प्रधानमंत्री ने कहा भी, कि यह बढ़ी हुई क्षमता और आत्मनिर्भरता आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होने वाली है. जैसा कि 'कठोपनिषद' में कहा गया है, 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत', अर्थात-उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्त होने तक प्रयत्न करते रहो. जाहिर है, यह सफलता कोई अंतिम बिंदु नहीं, बल्कि मानव अंतरिक्ष उड़ान, गहन अंतरिक्ष अन्वेषण, वैश्विक साझेदारी और समृद्ध वाणिज्यिक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था की ओर एक सशक्त कदम है. 'बाहुबली रॉकेट' की गर्जना के साथ भारत ने न केवल एक उपग्रह को अंतरिक्ष में पहुंचाया, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि वह भविष्य के अंतरिक्ष युग में एक शक्तिशाली, भरोसेमंद और प्रेरणादायक नेतृत्वकर्ता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं.)

-पीके जोशी

(सेंटर फॉर स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी एजुकेशन इन एशिया एंड पैसिफिक से सम्बद्ध रहे है)

यों ही नहीं बीत गया 2025

वर्ष 2025 अंतरिक्ष, नेतृत्व, समाज, कला और तकनीक जैसे क्षेत्रों में ऐसे बदलावों के लिए याद रहेगा, जो आने वाले नए वर्ष में नई उम्मीदों का आधार बनेंगे।

इस वर्ष के पिछले बारह महीनों में दुनिया भर में कई उल्लेखनीय घटनाएं हुईं, जो सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय और प्रौद्योगिकी के भविष्य के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। सबसे पहले बात करते हैं थाईलैंड की, जो समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देकर ऐसा करने वाला दक्षिण पूर्व एशिया का पहला और पूरे एशिया का तीसरा देश बन गया है। वहीं जापान के इतिहास में पहली बार साने ताकाइची के रूप में एक महिला को प्रधानमंत्री चुना गया। यह पारंपरिक पितृसत्तात्मक सोच वाले देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

मई में रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट रोम के 267वें बिशप बने। यह पहला मौका था, जब पहली बार किसी अमेरिकी नागरिक को रोमन कैथोलिक चर्च का पोप चुना गया। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में पहली बार मोटे बच्चों की संख्या कम वजन वाले बच्चों से ज्यादा हो गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इसका बड़ा कारण अल्ट्रा-प्रोसेस्ड, सस्ते और अधिक कैलोरी वाले खाद्य पदार्थों की बढ़ती उपलब्धता है। अमेरिका में पहली बार इन्सान के ब्लैडर का सफल ट्रांसप्लांट किया गया। यह ब्लैडर से जुड़ी गंभीर समस्याओं के इलाज के लिए एक नया रास्ता खोल सकता है। इसी वर्ष कस्टम जीन-एडिटिंग थेरेपी से एक दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी से पीड़ित बच्चे केजे मुलडून का इलाज किया गया, जो आनुवंशिक बीमारियों के इलाज के लिए महत्वपूर्ण है। द न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन के एक अध्ययन के अनुसार, डॉक्टरों ने जीन-एडिटिंग इन्फ्यूजन के जरिये उसका सफल इलाज किया। एक निजी अंतरिक्ष यान फायरफ्लाई एयरोस्पेस का ब्लू घोस्ट चांद पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला पहला वाणिज्यिक लैंडर बना, जो अंतरिक्ष पर्यटन में एक नई उपलब्धि मानी जाती है। इन्सान ने पहली बार पृथ्वी के दोनों ध्रुवों का चक्कर लगाया। यह कारनामा फ्रेम 2 मिशन ने फंडिंग चीनी मूल के उद्यमी चुन वांग ने की थी। लगभग साढ़े तीन दिन के मिशन के दौरान 22 वैज्ञानिक प्रयोग किए गए, जिनमें अंतरिक्ष में इन्सान की पहली एक्स-रे छवि लेना भी शामिल था। अगस्त में, बीजिंग में पहली बार ह्यूमनॉइड रोबोट्स के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें दुनिया के 16 देशों के 500 से अधिक रोबोट्स ने हिस्सा लिया। इन रोबोट्स ने बाधाओं वाले रास्ते पार किए और फुटबॉल भी खेला, कई बार वे लड़खड़ाए, गिरे और अपने इन्सानी सहायकों से टकराए भी। इस प्रतियोगिता ने दिखाया कि रोबोटिक्स तकनीक कितनी आगे बढ़ चुकी है और उसकी सीमाएं क्या हैं।

ट्रिशिया टिसाक किया, जो एक स्पेसएक्स उड़ान थी, जिसकी दुनिया में सबसे अधिक उत्सर्जन करने वाले देश चीन ने ग्रीनहाउस गैसों को कम करने के लिए एक विस्तृत लक्ष्य घोषित किया। हालांकि, आलोचकों का कहना है कि ये लक्ष्य अब भी वैश्विक जलवायु जरूरतों से पूरी तरह मेल नहीं खाते। वहीं, आइसलैंड में पहली बार जंगल में मच्छर पाए गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह बदलाव जलवायु परिवर्तन और पर्यटक स्थल के रूप में आइसलैंड की बढ़ती लोकप्रियता का परिणाम है। पहले आइसलैंड के सर्द मौसम में मच्छर जीवित नहीं रह पाते थे, पर इस साल पड़ी रिकॉर्ड गर्मी के चलते मच्छरों एवं कीड़ों की संख्या भी बढ़ी है।

- ट्रिशिया टिशक़

सृजन की राह का शोर

हम ऐसे समय में जी रहे हैं जहां हर पल या कहें कि सेकंड की कीमत तय है। मोबाइल ऐप से लेकर कार्यस्थल की बैठक तक, हर जगह %उत्पादकता% का शोर है। इस क्रम में लोग इस हद तक व्यस्त हो चुके हैं कि कई बार लगता है कि वे खुद को भूल गए हैं। वहीं चतुर्दिक छा रही इस तरह की व्यस्तता के माहौल में अगर कोई व्यक्ति थोड़ी देर के लिए खिड़की से बाहर बादलों को निहारने लगे, तो वहां मौजूद दूसरे लोग कहेंगे कि ध्यान दो, वक्त मत गंवाओ ! सवाल है कि इस तरह ध्यान देने की सीमा क्या है। अगर कोई व्यक्ति खयालों की दुनिया में विचरण करता है, तो क्या ऐसा करना उसका चुनाव नहीं होना चाहिए? आखिर यह सब कैसे धीरे-धीरे उससे छिनता जा रहा है? सवाल यह भी है कि क्या सचमुच खयालों में खो जाना वक्त की बर्बादी है या यह हमारे भीतर कुछ बेहद जरूरी बनाता और संजोता है।

सच यह है कि खयालों में खोना सिर्फ मन की चंचलता नहीं है। यह आत्मा के सांस लेने जैसा है। यह हमें शोरगुल से निकालकर भीतर के शांत कोने में ले जाता है। ऐसे ही क्षणों में हम अपनी थकी हुई चेतना को विश्राम देते हैं और अतीत, वर्तमान एवं भविष्य के धागों को बुनते हैं। कभी कोई पुरानी याद लौट आती है, कभी कोई नया विचार सिर उठाता है, तो कभी कोई अधूरा सपना आकार लेने लगता है। और दुनिया जानती है कि खयालों की इस तरह की दुनिया कई बार जमीन पर हकीकत बनने से पहले की एक जरूरी प्रक्रिया होती है। इतिहास इसका साक्षी है। न्यूटन अगर बाग में बैठे गिरते सेब को देखकर विचारों में न डूबते, तो गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत शायद और देर से आता। आइंस्टीन भी सापेक्षता का सिद्धांत गढ़ने से पहले कई स्तर पर कल्पनात्मक प्रयोगों से गुजरे होंगे। रवींद्रनाथ ठाकुर नदी की धारा में देखते-देखते कविता ञ्ञ बुनने लगे, जो आगे चलकर %गीतांजलि% में दर्ज होकर अमर हुई। इस तरह के न जाने कितने उदाहरण हमारे आसपास बिखरे मिल जाएंगे। यह सब बताता है कि निष्क्रिय दिखने वाला %खयालों में डूबना% दरअसल सक्रिय सृजन की जमीन है।

खयालों में खोने को सही ठहराने के क्रम में इसके बचाव की दलीलें असल में सिर्फ खयाल नहीं हैं। बल्कि आधुनिक विज्ञान और मनोविज्ञान भी इसे पुष्ट करते हैं। तंत्रिका विज्ञान के अनुसार, जब हम सपनों में खोते हैं, तो मस्तिष्क में एक नेटवर्क सक्रिय होता है, जो रचनात्मक सोच, समस्या के समाधान और आत्म चिंतन के लिए जिम्मेदार है। मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि दिन में थोड़ी देर ध्यान को बिखरने देना लंबे समय में एकाग्रता और

समाज अक्सर खयालों में या अवास्तविक कह देता है, लेकिन सच्चाई यह है कि इस तरह के लोगों के बिना न नए विचार आते हैं, न कला, न विज्ञान और न ही बदलाव की राह खुलती है। सोच में डूबना भी उतना ही जरूरी काम है, जितना किसी तय किए गए अपने काम को पूरा करना है।

भावनात्मक संतुलन को मजबूत करता है।

विडंबना यह है कि आज का समाज लगातार %करते रहने को महत्त्व देता है, %सिर्फ होने% की अहमियत नहीं समझता। ऐसे में खयालों में खोना एक तरह का प्रतिरोध है इस समय बोधा के खिलाफ। जब हम रुककर खिड़की से बारिश देखते हैं, तो हमा उस अदृश्य जाल से थोड़ी देर के लिए बाहर निकल आते हैं, जो हमें हर पल उत्पादक बनाए रखने की कोशिश करता है। कला, साहित्य और संगीत की शुरुआत भी इसी से होती है। किसी चित्रकार के लिए यह कोई रंग की छाया हो सकती है, लेखक वेळ लिए कोई धुंधला दृश्य या संगीतकार के लिए कोई अधूरी धुन। इन्हें आकार देने के लिए पहले इन बिखरे टुकड़ों में खोना पड़ता है, जैसे कोई बच्चा रेत में हाथ डालकर सीपियां खोजता है। खयालों में खोना संवेदनशीलता की खेती भी करता है। यही हमें दूसरों के दुख को महसूस करने, किसी चेहरे में छिपी थकान को पहचानने और अनकही कहानियों को शब्द देने का हुनर देता है। यही संवेदनशीलता रचनात्मकता और सहानुभूति दोनों को जन्म देती है। जीवन के कठिन दौर में भी इसी तरह के खयाला हमें थाम लेते हैं। किसी अस्पताल के इंतजार कक्ष में बैठे हम खिड़की से बाहर खेलते बच्चों को देखकर कुछ देर के लिए बीमारी का डर भूल जाते हैं। या फिर सफर में ट्रेन की खिड़की से गुजरते खेतों को देखकर अपने बचपन का गांव लौट आता है। ऐसे क्षण हमे स्थिर और मानवीय बनाए रखते हैं।

समाज अक्सर खयालों में खोने वालो को आलसी या अवास्तविक कह देता है, लेकिन सच्चाई यह है कि इस तरह के लोगों के बिना न नए विचार आते हैं, ना कला, न विज्ञान और न ही बदलाव की राह खुलती है। सोच में डूबना भी उतना ही जरूरी काम है, जितना किसी तया किए गए अपने काम को पूरा करना है। हालांकि यह भी सही है कि हर वक्त सपनों में खो जाना हमें ठोस जमीन से काट सकता है। मगर संतुलन बनाकर खयालों के लिए समय निकालना उतना ही जरूरी है, जितना सोना, खाना या सांस लेना। यह संतुलन ही तय करता है। कि हम मशीन नहीं, इंसान बने रहें।

कई बार यह कहना जरूरी हो जाता है कि आखिरकार खयालों में खोना वक्त की बर्बादी नहीं है, बल्कि यह हमारो भीतर की दुनिया का निर्माण है। यही भीतर की दुनिया हमों संघर्षों में थामती है और कल के लिए उम्मीद देती है। जब हम अपने भीतर से संवाद करते हैं, तब हम बाहर की दुनिया को भी एक नई दृष्टि दे सकते हैं। इसलिए अगली बार जब हम चलते-चलते किसी स्मृति, चेहरे या धुन में खो जाएं, तो किसी के दूसरी ओर ध्यान दिलाने पर उसमें उलझने और घड़ी देखने के बजाय उस क्षण को जी लेना चाहिए। हो सकता है, वही पला हमारे जीवन की सबसे मूल्यवान पूंजी बन जाए।

-पवन शर्मा

दूसरी पारी

सेवानिवृत्त बुजुर्ग रामप्रताप जी की दुविधा पर मनोवैज्ञानिक नीलकंठ ने उन्हें कुछ यों समझाया -

कृतज्ञता, चाय की चुस्की और नया साल

मैं सत्तर वर्षीय सेवानिवृत्त व्यक्ति हूं। मेरे बच्चे अच्छी तरह से अपने जीवन में व्यस्त हैं। मेरे लिए एक और साल का अंत हो रहा है। आने वाले नए साल को मुझे किस तरह से देखना चाहिए?

नए साल को आप एक उपहार की तरह देखें, जीवन की किताब में जुड़ने वाले एक अतिरिक्त अध्याय की तरह। अब जबकि आपके बच्चे अच्छी तरह सेटल हो चुके हैं और अपनी-अपनी जिंदगी में व्यस्त हैं, तो साफ है कि आपके ऊपर से जिम्मेदारियों का बोझ उतर चुका है। अब यह समय वास्तव में आपका अपना समय है, जो पहले कभी पूरी तरह आपका नहीं था। अब आप बिना किसी मजबूरी के सिर्फ अपनी खुशी के लिए जी सकते हैं। आप इस नए साल को कृतज्ञता के चश्मे से भी देख सकते हैं। हर सुबह उठकर उन चीजों के लिए शुक्रिया अदा करें, जो आपके पास हैं- स्वास्थ्य (जितना भी है), परिवार का प्यार, आजादी, अनुभवों का खजाना आदि। 70 साल का मतलब है कि आपने जीवन के कई रंग देखे हैं। यह अनुभव ही आपकी सबसे बड़ी संपत्ति है।

इसके अलावा, इस नए वर्ष को जिज्ञासा और खेल के नजरिये से भी देख सकते हैं। नया साल एक नया अवसर है। यह कुछ नया सीखने का समय, शायद कोई वाद्य यंत्र, कोई भाषा, बागवानी, पेंटिंग, या अच्छी किताबें पढ़ने का अवसर। अच्छी किताबें सबसे बेहतर दोस्त होती हैं। अक्सर जीवन की आपाधापी में बहुत कुछ अच्छा करने और पढ़ने से छूट जाता है, जिसे जिम्मेदारियों से छुटकारा पाने के बाद अब पूरा किया जा सकता है। उम्र कोई बाधा नहीं है, बल्कि अब यह आजादी है कि आप बिना परीक्षा के डर के हर वक्त कुछ नया सीख सकते हैं।

इस समय को आप संबंधों को गहरा करने के अवसर के रूप में भी देख सकते हैं। बच्चों और पोते-पोतियों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताएं। उन्हें अपनी कहानियां सुनाएं, और उनकी भी सुनें। बच्चों का उत्साह आपके लिए टॉनिक का काम करेगा। पुराने दोस्तों से फिर से संपर्क करें। कई बार रिटायरमेंट के बाद दोस्ती और गहरी हो जाती है, क्योंकि अब दोनों के पास समय रहता है। अक्सर लोग जिम्मेदारियों के बोझ तले अपने ऊपर ध्यान नहीं दे पाते हैं। ऐसे में, अब आप अपने शरीर और मन पर ध्यान दे सकते हैं। रोज थोड़ी देर नियमित रूप से टहलें, अच्छा व स्वस्थ खाना खाएं, पर्याप्त नींद लें। योग, ध्यान या प्रार्थना-जो भी आपके मन को शांति दे, उसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें। स्वास्थ्य अब निवेश नहीं, बल्कि आनंद का साधन है।

सुबह की चाय की चुस्की, पक्षियों का कलरव, सूर्यास्त का दृश्य, किसी पुराने गाने की धुन, ये सब आपको जिंदादिल बनाएंगे। नए साल का मतलब बड़े संकल्प नहीं, बल्कि रोज छोटी-छोटी खुशियां चुनना है। नए साल का आप एक पुराने दोस्त की तरह मुस्कुराते हुए स्वागत करें, जो आपके पास आया है, सिर्फ इसलिए कि वह आपके साथ समय बिताना चाहता है। कोई जल्दबाजी नहीं, कोई दबाव नहीं-बस जीने का आनंद लीजिए इस नए साल में।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर।एजेंसी। शुक्रवार को अनाज मंडी में सुस्त उठाव के बीच दलहनों में चना लटक पर रहा। मसूर में मजबूती रही। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन 4600-4650 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। किराना जिंसों में टिकाव रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में लेवाली ठंडी रहने से बाजार सुस्त है। चना बढ़िया मालों में 5750-5800 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। मसूर में मजबूती रही। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन 4600-4650 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। किराना जिंसों में टिकाव रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3950-4020, खोपरा गोला 310-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 1000-1300, क्लीन 1400-1650, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2750-2900, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3400, एक्स्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-585, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2250-2300, (160) 2250-2300, (200) 2300-2350, (250) 2500-2550

तेल- सींगदाना 1550-1560, मुम्बई 1580, राजकोट तेलिया 2450-2460, सोया साल्वेंट 1190-1200, सोया रिफाइंड 1250-1260, कपास्या 1200-1210, धूलिया 1220, कड़ी 1220,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1525-1530, मुम्बई पाम 1245, मुम्बई सोया 1270,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4600-4700, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5750-5800, एवरेज 5550-5600, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5650-5700, एवरेज 5400-5500, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6700-6900, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6900-7000, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर।एजेंसी। शुक्रवार को विदेशी बाजारों में बनी रिकार्ड तेजी के मद्देनजर स्थानीय सराफा बाजार में दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 232000, चॉंदी (99) 231500, टंच 231000, सिक्का 2000, सोना 10 ग्राम 141500,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 13 पैसे की गिरावट के साथ ही 89.84 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में 23 पैसे गिरकर 89.94 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 89.84 पर खुला और जल्दी ही कमजोरी के साथ 89.94 पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और कच्चे तेल की कीमतों में सुधार ने रुपये पर दबाव डाला। इसके अलावा, घरेलू शेयर बाजार में नकारात्मक रुख, आयातकों की डॉलर मांग और व्यापार समझौतों को लेकर अनिश्चितता ने निवेशकों की धारणा कमजोर की। रुपया बुधवार को 89.71 पर बंद हुआ था, जबकि गुरुवार को क्रिसमस के कारण बाजार बंद था।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई।एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बीच ही सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट कम कारोबार होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर अधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 367.25 अंक करीब 0.43 फीसदी टूटकर 85,041.45 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 99.80 अंक फिसलकर 26,042.30 पर बंद हुआ था। आज करोबार के दौरान आईटी शेयरों में गिरावट से भी बाजार पर दबाव आया। निफ्टी आईटी इंडेक्स एक फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। इसके अलावा, ऑटो, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, रियल्टी, एनर्जी, प्राइवेट बैंक, इन्फ्रा शेयर गिरावट पर बंद हुए। दूसरी ओर एफएमसीजी, मेटल और कमोडिटीज के शेयरों में तेजी रही। लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर नीचे आये। निफ्टी मिडकैप 136.90 अंक नीचे आकर 60,314.45 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 13.50 अंक

टूटकर 17,695.10 पर थे।सेंसेक्स पैक में टाइटन, एनटीपीसी, एचयूएल, क्सस बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर लाभ में रहे जबकि बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, टीसीएस, टेक महिंद्रा, पावर ग्रिड, सन फार्मा, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, मारुति सुजुकी, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, बीईएल, एमएंडएम और एचडीएफसी बैंक के शेयर नुकसान में रहे। व्यापक बाजार में भी आज गिरावट रही। घरेलू इक्विटी बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। इसका कारण साल के अंत में छुट्टियों के कारण होने वाले कम कारोबार के साथ ही मुनाफा फावसूली हावी रहना भी था। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से भी बाजार पर दबाव आया। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत कमजोर रही। के साथ हुई। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने बाजार पर अतिरिक्त दबाव डाला, जिससे एशुिरुआती कारोबार में सेंसेक्स 183.42 अंक गिरकर 85,225.28 के स्तर पर पहुंच गया। वहींनिफ्टी 46.45 अंक फिसलकर 26,095.65 पर कारोबार करता दिखा। इससे पहले बुधवार को बाजार बंद होने से पहले सेंसेक्स 116.14 अंक की गिरावट के साथ 85,408.70 पर और निफ्टी 35.05 अंक टूटकर 26,142.10 पर बंद हुआ था।

एफएसएसएआई ने हर्बल और फ्लावर ड्रिंक्स को चाय कहने पर लगाया प्रतिबंध

मुंबई।एजेंसी। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाने-पीने के कारोबारियों को चेतावनी दी है कि जड़ी-बूटियों और पौधों पर आधारित ड्रिंक्स को चाय के नाम से बेचना अब कानूनी रूप से गलत होगा। एफएसएसएआई ने स्पष्ट किया कि केवल कैमेलिया साइनेंसिस नामक चाय के पौधे से बनी ड्रिंक ही चाय कहलाने के योग्य है। एफएसएसएआई के अनुसार कई कंपनियां अपने उत्पादों को 'हर्बल टी', 'फ्लावर टी', 'रुइबोस टी' जैसे नामों से बेच रही हैं, जबकि ये असली चाय से नहीं बने हैं। ऐसे मामलों में उपभोक्ता को गुमराह किया जा रहा है। नियामक ने कहा कि इस तरह की ब्रांडिंग अब कानूनी तौर पर मान्य नहीं होगी और इसके लिए कार्रवाई की जा सकती है। एफएसएसएआई ने मैन्युफैक्चरर्स, पैकर्स, मार्केटर्स, सेलर्स, आयातकों और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिया है कि वे इस नियम का पालन करें। इसके अलावा राज्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों बाजारों में नियमों की निगरानी करेंगे और उल्लंघन पर आवश्यक कार्रवाई करेंगे। रेगुलेटर का कहना है कि यह कदम उपभोक्ताओं को सही जानकारी देने और खाद्य उत्पादों की गलत ब्रांडिंग को रोकने के लिए उठाया गया है। इससे उपभोक्ता यह जान सकेंगे कि जो ड्रिंक वे खरीद रहे हैं, वह असली चाय है या जड़ी-बूटियों और पौधों से बना हर्बल ड्रिंक।

भारत में सार्वजनिक बैंकों का एकीकरण तेज, विदेशी निवेश बढ़ा

नई दिल्ली।एजेंसी। सरकार ने 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को बड़ा और विश्वस्तरीय बनाने की योजना तेज कर दी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार इस दिशा में भारतीय रिजर्व बैंक और बैंकों के साथ चर्चा शुरू हो चुकी है। पहले दो चरणों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक 27 से घटकर 12 रह गए हैं। प्रमुख विलय में यूनाइटेड बैंक और ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स का पंजाब नेशनल बैंक में, सिंडिकेट बैंक का केनरा बैंक में, इलाहाबाद बैंक का इंडियन बैंक में, आंध्रा बैंक और कॉरपोरेशन बैंक का यूनियन बैंक में और देना तथा विजया बैंक का बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय शामिल है। सरकार ने आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। निवेश एवं सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि रणनीतिक बिक्री मार्च 2026 तक पूरी होने की संभावना है। निजी बैंकिंग क्षेत्र में विदेशी निवेश में तेजी देखी गई है। जापान की सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन ने यस बैंक में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी जबकि यूएई की एमिरेट्स एनबीडी बैंक ने आरबीएल बैंक में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की। बीमा कानून संशोधन विधेयक, 2025 पारित होने के बाद अब बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश संभव है। साथ ही, जीएसटी दर में कटौती से बीमा कंपनियों को भी लाभ मिलेगा। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 में दो लाख करोड़ रुपये के ऐतिहासिक स्तर को पार करने की संभावना है।

मेष- आज का दिन आपके लिए थोड़ा कमजोर रहने वाला है। परिवार में सदस्यों में मनमुटाव की स्थिति उत्पन्न हो, तो आपको थोड़ा समझदारी दिखाने की आवश्यकता है। धन को लेकर आप किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। प्रॉपर्टी को लेकर यदि कोई डील अटकी हुई थी, तो उसे आप फाइनल करने की कोशिश करेंगे, लेकिन माता जी की सेहत में गिरावट आ सकती हैं। आप अपनी महत्वपूर्ण कामों को पूरा करने में समय बिताएंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए धन के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको यदि किसी काम की उम्मीद थी, तो उसमें भी आपको धन की प्राप्ति हो सकती है। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे, लेकिन आप अपने किसी कानूनी मामले को लेकर लापरवाही ना करें, नहीं तो इससे आपकी बाद में मुश्किल बढ़ सकती हैं। बिजनेस में यदि कुछ उतार-चढ़ाव चल रहे थे, तो वह भी आपको बेहतर लाभ देंगे।

मिथुन- आज आपका दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको लोगों को पहचान कर चलने की आवश्यकता है, क्योंकि आपके कुछ गलत लोगों से दोस्ती हो सकती है, जो आपकी राह में रोड़ा अटकाने का काम करेंगे। आपको किसी विपरीत परिस्थिति में आपको धैर्य बनाए रखें। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों पर भरोसा सोच समझकर चलना होगा। एक साथ कई काम हाथ चलने की आवश्यकता है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए अप्रत्याशित लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी। कार्यक्षेत्र में आप किसी से कोई ऐसी बात ना बोले, जो कि उन्हें बुरी लगे, नहीं तो आपको अपने बॉस से डांट खानी पड़ सकती हैं। बिजनेस में आपकी रूकी हुई योजनाएं आपको बेहतर लाभ देगी। विद्यार्थी किसी परीक्षा की तैयारी में पूरी मेहनत से जुटेंगे, जिससे उसमें उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए कुछ नये संपर्कों से लाभ लेकर आने वाला है। आपको भागदौड़ में पड़ने से बचना होगा। आपने यदि किसी काम को लेकर लापरवाही दिखायी दे, जिससे आपकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जीवनसाथी आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे। भाई व बहनों को आपको बुरा सपोर्ट मिलेगा और आप किसी नए काम की शुरुआत करने की भी योजना बना सकते हैं।

कन्या- आज आपके दिन की शुरुआत कमजोर रहेगी। आप अपने अधूरे पड़े कामों को समय से पूरा करने की कोशिश करेंगे। आपकी काम को लेकर अपने बॉस से कहासुनी होने की संभावना है। आपको अपने किसी पुराने लिए गए निर्णय को लेकर पछतावा हो सकता है। यदि आपकी कोई दांतों से संबंधित समस्या है, तो उसके लिए आप डॉक्टर से परामर्श ले सकते हैं।

तुला- आज आपको अपने कामों में आलस्य को दूर करके आगे बढ़ने की आवश्यकता है। परोपकार के कार्यों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे और आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपकी किसी बात को लेकर पिताजी नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए नुकसानदायक रहने वाला है। आपको अपनी जीवनसाथी से कोई बातों को इग्नोर करने से बचना होगा। आपका कोई वाद-विवाद खडा हो सकता है। आप अपने रहन-सहन के स्तर में सुधार लाने की कोशिश करेंगे। मित्रों के साथ आप किसी पार्टी यादव करने की योजना बना सकते हैं, लेकिन आप किसी काम के समय से पूरा न होने के कारण आपको कोई नुकसान हो सकता है। आपको वाहन सावधानी से चलाने होंगे।

धनु- आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी कोई लेनदेन से संबंधित कोई समस्या थी, तो वह भी दूर होगी। आपको अपनी काम को लेकर कार्यक्षेत्र में अपने जूनियर्स की मदद लेनी पड़ सकती है। यदि आपकी कोई प्रिय वस्तु खो गई थी, तो उसके आपको मिलने की संभावना है।

मकर- आज आपको बुद्धि और विवेक से निर्णय लेने होंगे। आपको खर्चों के साथ-साथ बचत पर भी बड़ा ध्यान देना होगा। परोपकार के कार्यों में आप बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे और आपके घर किसी मेहमान का आगमन हो सकता है। आप अपनी जीवन साथी से चल रहे वाद विवाद को भी दूर करने के पूरी कोशिश करेंगे। परिवार में आनंदमय में समय व्यतीत होगा।

कुंभ- आज का दिन की शुरुआत थोड़ी कमजोर रहेगी, क्योंकि आपको काम को लेकर कुछ मुश्किले आएंगी। आप कहीं बाहर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं, लेकिन आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण आप किसी काम में बिना सोचे समझे हाथ न बढ़ाएंगे, जिससे आपको किसी नुकसान के साथ-साथ अपमान भी सहना पड़ सकता है।

मीन- आज आपको अपनी सेहत के प्रति लापरवाही करने से बचना होगा और परिवार में पैतृक संपत्ति को लेकर यदि कुछ वाद विवाद चल रहा था, तो वह भी दूर होंगे। यदि आप परिवार में किसी सदस्य से कोई वादा करें, तो उसे समय रहते पूरा करने की कोशिश करें। राजनीति में कार्यरत लोगों को कुछ बड़े नेताओं से मिलने का मौका मिलेगा, जिससे आपकी छवि और निखरेगी और आप अपने घर किसी पूजा पाठ का आयोजन भी कर सकते हैं।

शब्दजाल - 8122

शब्दजाल में दस सफल अभिनेताओं के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

दि	हु	मे	अ	मि	ता	भ	ब	च्च	न	वि
ली	ख	शा	ह	रु	ख	खा	न	या	ड़	नो
प	पी	अ	हे	र	ग	बा	द	ह	प	द
कु	ग	ए	ज	जा	बा	बू	ल	ह	लि	ख
मा	र	रा	जा	य	ह	ला	कि	यो	रि	न्ना
र	इ	वि	मो	ग	दे	वा	शी	स	ति	श
न	रा	ल	रा	व	म	व	न	ल	क	क्ति
क	र	ज	र	य	र	ह	ग	मा	रो	रे
र	या	बा	कु	आ	मि	र	खा	न	श	ह्यी
र	ग	ल	न	मा	व	शि	का	री	न	ल
रा	जें	द्र	कु	मा	र	ले	स	सु	रा	ल

दिलीप कुमार, राजकुमार, राजेंद्र कुमार, विनोद खन्ना, अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान,आमिर खान, सलमान, अजय देवगन, रितिक रोशन

शब्दजाल - 8121 का हल

गां	धी	न	ग	र	मा	ज	वा	ज	पे	यी
द	ह	ल	प्रे	व	जी	य	द	ह	कां	रा
वि	स	मा	म	को	ह	पु	म	ल	ख	म
मि	बैं	ग	लो	र	वा	र	ध	श्री	श	दु
श	आ	र	ग	बा	ज	ना	तू	न	झ	प
है	ल	ला	र	दि	द	मुं	ती	ग	घ	ट
द	व	भो	पा	ल	प	ब	ज	र	व	ना
रा	एं	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	व्हा
बा	ड	ल	को	ल	का	ता	आ	ग	शी	आ
द	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	भु	व	ने	श्व	र	त	ब	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7066

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'साथ्री धाये लाख' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला की फिल्म 'दराह' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके झुमके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7065

गु	रू		खा	मो	शी		आ	स	रा
रू		फ	न		बा	द	शा	ह	
दे	वी		दा	ग		स्त		र	न
व	र	दा	न		म	क	ड़ी		ती
	ता			फॉ	सी			रा	जा
आ		स	जा		हा	र	जी	त	
शि	का	र		आ		क्ष		औ	
क		ग	ब	न		क	ह	र	
	धू	म		बा	जी			दि	ल
पा	प		जी	न	त		डॉ	न	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

27 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	धनु में	मकर	08.00 बजे से
चंद्र	मीन में	कुंभ	09.46 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	11.19 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मेष	12.49 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	14.29 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	16.28 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	18.41 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	20.57 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	23.09 बजे से
राहुकाल		तुला	01.20 बजे से
9.00 से 10.30		वृश्चिक	03.34 ब.से
बजे तक		धनु	05.50 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 361 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** पौष **पक्ष** शुक्ल **तिथि** सप्तमी 13.10 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 09.10 बजे को समाप्त। **योग** व्यतीपात 12.22 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 13.10 बजे तदनन्तर विष्टि 00.40 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 06.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 23° 19' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872571 **जूलियन दिन** 2461036.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रज्जब **तारीख** 06 **विशेष** गुरु गोबिंद सिंह जयंती, मंडला पूजा।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23	बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10	बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51	बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42	बजे तक
रोग	08.51 से	10.19	बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14	बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46	बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47	बजे तक
चर	11.46 से	01.14	बजे तक	चर	11.47 से	01.19	बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42	बजे तक	रोग	01.19 से	02.51	बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10	बजे तक	काल	02.51 से	04.23	बजे तक
काल	04.10 से	05.37	बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सच्चा साधु

किसी गांव के पास एक कुटिया में हरिदास नामक साधु रहते थे। उनके पास कुछ जमीन थी, जिस पर वह खेती करते थे। उससे भी जब कभी खाने लायक नहीं मिल पाता तो वह गांव में मजदूरी भी कर लेते थे। उनके यहां साधु-संतों का आना-जाना लगा रहता था। एक बार जबर्दस्त बारिश हो रही थी। तभी बाहर से आवाज आई, 'साधु महाराज! क्या सो गए?' हरिदास ने द्वार पर आकर देखा कि कुछ साधु बाहर खड़े हैं। हरिदास उन्हें आदरपूर्वक अंदर ले गए, फिर बोले, 'प्रिय अतिथियों, आज मेरे पास भोजन की व्यवस्था नहीं है। खेत में जो कुछ पैदावार हुई वह खत्म हो गई। बरसात की वजह से कहीं मजदूरी भी नहीं मिली।' अतिथि साधुओं ने आश्चर्य से पूछा, 'महाराज, क्या गांव से कुछ खाने-पीने को नहीं मिलता?' हरिदास ने हंसते हुए कहा, 'मिलता तो बहुत है, लेकिन मैं नहीं लेता।' उन साधुओं ने इसका कारण पूछा तो हरिदास ने कहा, 'किसान काफी मेहनत करके फसल उगाते हैं, मैं उनकी मेहनत की कमाई मुफ्त में कैसे ले सकता हूं?' इस पर अतिथि साधु बोले, 'पर आप तो साधु हैं फिर आप दान-दान दक्षिणा क्यों नहीं लेते। आपको मेहनत करने की क्या जरूरत है?' हरिदास ने कहा, 'मुझे तो लगता है कि एक साधु को अपनी मेहनत से जीवनयापन करना चाहिए। हम दूसरों की मेहनत की कमाई भला क्यों खाएं। हमें अपने आचरण से दूसरों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। मेहनत से भागकर ईश्वरोपासना का कोई अर्थ नहीं है। श्रम में ही साधुता है।' अतिथि साधु निरुत्तर हो गए।

सूडोकु नवताल- 7375

★★★★★ कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7374 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	9	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8590

बाएँ से दाएँ

1. लाचार, बेबस-3
3. प्राण, जान-3
5. दुर्ग, फोर्ट-2
6. सद्पुरुष-2
8. कवायद-4
10. प्रतिघात, मुआवजा-3
12. कंठ, गला-3
13. लकड़ी-2
14. प्रथम मानव-2
15. धोखेबाज, कपटी-3
17. माजरा, घटना-3
19. कहासुनी, झंझट -4
21. संबोधन-2
23. चावल-2
24. रगड़ना, लगाना-3
25. वादा, प्रतिज्ञा -3

ऊपर से नीचे

1. लता, लतिका-2
2. चावल (अंग्रेजी-3)
3. हूर, अप्सरा-3
4. आकाश, व्योम-2
5. शायरी करनेवाला-3
7. योग्य, उपयुक्त-3
8. अदाकार, फनकार-4
9. घोड़ागाड़ी-2
12. बजरंगबली-4
15. माह, मास-3
16. जांघ, जंघा-2
18. धिक्कार, फटकार-3
19. मामूली, तुच्छ-3
20. बहने का भाव-3
22. संस्कृत में 'मेरा'-2
23. होश, आभास-2

शब्द पहेली -8589 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी उपमंडी में अवैध कृषि उपज परिवहन पर सख्त कार्रवाई-दो प्रकरण दर्ज, 51,487 रुपये जुर्माना वसूला

पद्मेश न्यूज। लांजी। कृषि उपज मंडी समिति बालाघाट के सचिव मनीष मरावी के निर्देशन और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी कमलचंद्र सिंहसार के मार्गदर्शन में उपमंडी लांजी की टीम ने अवैध परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। चेक पोस्ट कुल्पा में निरीक्षण के दौरान बिना अनुज्ञा पत्र के कृषि उपज ले जा रहे दो वाहनों पर पांच गुना दांडिक मंडी शुल्क की कार्रवाई की गई। पहला प्रकरण- वाहन क्रमांक MH35AJ5191 में शिवम सोनवाने (पानगांव, किरणापुर) से आमगांव (महाराष्ट्र) के लिए 28.00 क्विंटल धान का परिवहन किया जा रहा था। इस पर 5,980 रुपये दांडिक मंडी शुल्क वसूला गया। दूसरा प्रकरण- वाहन क्रमांक MP09HH7609 में महासिंह पिता मिंतलाल (चंदनवाड़ाकला, सिवनी) से एबिस फूड राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) के लिए 348.90 क्विंटल मक्का का परिवहन हो रहा था। इस पर 45,507 रुपये दांडिक मंडी शुल्क वसूला गया। कुल मिलाकर दोनों प्रकरणों में 51,487 रुपये की राशि मौके पर वसूल कर सरकारी खजाने में जमा की गई। इस कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक वासुदेव बढ़ई, नेलचंद बारबुदे, विनोद बंसोड़ के साथ आरक्षक रूपसिंह रावत (पुलिस थाना लांजी), कोटवार सुभाष ऊके (बापड़ी), राजेंद्र खोबरागड़े (कुल्पा), संजय सोनटेके (कारंजा), राजकुमार खोबरागड़े एवं सुनील का सराहनीय योगदान रहा। मंडी समिति ने सभी व्यापारियों से अपील की है कि कोई भी व्यापारी बिना अनुज्ञापत्र या बिल के अधिसूचित कृषि उपज का परिवहन किसी भी स्थिति में न करें, अन्यथा सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दहेगांव में विकसित भारत ग्रामीण रोजगार आजीविका मिशन गारंटी पर हुई विशेष ग्राम सभा

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी के अंतर्गत ग्राम पंचायत दहेगांव में 26 दिसम्बर को विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी अधिनियम 2025 (वीबी-जी राम जी) लागू होने पर योजना के संबंध में आमजनों को अवगत कराने के उद्देश्य को लेकर ग्राम सभा का आयोजन किया गया। यह अधिनियम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह लेकर ग्रामीण परिवारों को प्रति वर्ष 125 दिनों का वैधानिक रोजगार गारंटी प्रदान करता है। ग्राम सभा की शुरुआत जनपद सदस्य महेंद्र पटले की प्रमुख उपस्थिति में हुई। सरपंच सिविका पालेवार ने सभा की अध्यक्षता की, ग्राम सभा में पूर्व सरपंच सुरेश चौधरी, पंच नंदकिशोर चौधरी, सचिव सुरेंद्र दमाहे, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रितु पटले, भुमेश्वरी घोरमारे, प्रमिला सोनटेके तथा गांव के गणमान्य नागरिकगण उपस्थित रहे। जनपद सदस्य महेंद्र पटले ने ग्रामवासियों को नए अधिनियम की मुख्य विशेषताओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह कानून प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 विजन से प्रेरित है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, आजीविका और कृषि उत्पादकता को मजबूत करना है। पुराने मनरेगा के 100 दिनों की तुलना में अब 125 दिनों का रोजगार गारंटी मिलेगा। साथ ही, कार्यों को जल संरक्षण, ग्रामीण आधारभूत संरचना, आजीविका संबंधी परियोजनाओं और जलवायु परिवर्तन से निपटने से जोड़ा जाएगा। यह नया कानून हमारे गांव के विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। ग्राम सभा के माध्यम से हम विकसित ग्राम पंचायत की योजना तैयार करेंगे, जिससे स्थानीय जरूरतों के अनुरूप कार्य चुने जा सकेंगे। ग्रामीणों से अपील की कि वे इस योजना का अधिकतम लाभ उठाएं और पंजीकरण कराएं।

डिवाइडर पर लगाए जा रहे विद्युत पोल गुणवत्ता हीन

पार्षद पूनम आसटकर ने की पोलों की गुणवत्ता जांच कराए जाने की मांग

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर परिषद लांजी क्षेत्र में लगाए जा रहे विद्युत लाईट पोलों की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। वार्ड क्रमांक 03 सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड की पार्षद श्रीमती पूनम शरद आसटकर ने इस संबंध में मुख्य नगर परिषद अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए पोलों की गुणवत्ता जांच (लैब टेस्ट) कराए जाने की मांग की है। ज्ञापन में पार्षद आसटकर ने उल्लेख किया है कि नगर परिषद द्वारा विभिन्न वार्डों में लगाए जा रहे विद्युत लाईट पोल प्रथम दृष्टया मानक गुणवत्ता के अनुरूप प्रतीत नहीं हो रहे हैं। पोलों की मजबूती और टिकाऊपन को लेकर क्षेत्रवासियों में शंका बनी हुई है। उनका कहना है कि यदि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना घटित होती है तो इससे जान-माल की हानि हो सकती है, जिसकी जिम्मेदारी तय करना कठिन होगा। पार्षद ने जनहित और सार्वजनिक सुरक्षा का हवाला देते हुए मांग की है कि लगाए जा रहे सभी विद्युत लाईट पोलों की मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला (लैब) से गुणवत्ता परीक्षण (क्वालिटी टेस्ट) कराया जाए। साथ ही यह भी आग्रह किया गया है कि जब तक जांच रिपोर्ट प्राप्त न हो जाए, तब तक पोलों की स्थापना और भुगतान (आहरण) की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्यवाही की जाए, ताकि नगरवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और किसी संभावित दुर्घटना से बचा जा सके। पार्षद पूनम शरद आसटकर ने नगर परिषद प्रशासन से इस मामले में शीघ्र और पारदर्शी कार्रवाई करने की अपील की है। इस मुद्दे को लेकर नगर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। स्थानीय नागरिकों ने भी पोलों की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग का समर्थन किया है। अब देखना होगा कि नगर परिषद प्रशासन इस ज्ञापन पर क्या कदम उठाता है और गुणवत्ता जांच की प्रक्रिया कब तक शुरू की जाती है।

ग्राम पंचायत पालडोंगरी में विकसित भारत ग्रामीण रोजगार आजीविका मिशन गारंटी अधिनियम 2025 पर विशेष ग्राम सभा हुई

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम पंचायत पालडोंगरी में 26 दिसम्बर को एक महत्वपूर्ण ग्राम सभा का आयोजन किया गया, जिसमें हाल ही में लागू हुए विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी अधिनियम 2025 (वीबी-जी राम जी) के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। यह अधिनियम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह लेता है और ग्रामीण परिवारों को प्रति वर्ष 125 दिनों का वैधानिक रोजगार गारंटी प्रदान करता है। ग्राम सभा की शुरुआत नोडल अधिकारी श्रीमती ललिता वासनिक (महिला एवं बाल विकास विभाग) की उपस्थिति में हुई। सरपंच गणेशराम नारनौरे ने सभा की अध्यक्षता की, जबकि उपसरपंच महेंद्र सिंह उमरे, पंच रामराज खेरे एवं अमित टाटी, पटवारी रोहित चावले, सचिव राजकुमार कावड़े, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका तथा गांव के गणमान्य नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। नोडल अधिकारी श्रीमती ललिता वासनिक ने ग्रामवासियों को नए अधिनियम की मुख्य विशेषताओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह कानून प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत @2047 विजन से प्रेरित है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, आजीविका और कृषि उत्पादकता को मजबूत करना है। पुराने मनरेगा के 100 दिनों की तुलना में अब 125 दिनों का रोजगार गारंटी मिलेगा। साथ ही, कार्यों को जल संरक्षण, ग्रामीण आधारभूत संरचना, आजीविका संबंधी परियोजनाओं और जलवायु परिवर्तन से निपटने से जोड़ा जाएगा। सरपंच गणेशराम नारनौरे ने कहा, यह नया कानून हमारे गांव के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। ग्राम सभा के माध्यम से हम विकसित ग्राम पंचायत योजना तैयार करेंगे, जिससे स्थानीय जरूरतों के अनुरूप कार्य चुने जा सकेंगे। उपसरपंच महेंद्र सिंह उमरे ने ग्रामीणों से अपील की कि वे इस योजना का अधिकतम लाभ उठाएं और पंजीकरण कराएं। ग्राम सभा में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कई लाभार्थियों ने पुरानी मनरेगा योजना के अनुभव साझा किए और नए कानून से अधिक रोजगार एवं बेहतर मजदूरी की उम्मीद जताई। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने महिलाओं एवं बच्चों से जुड़ी योजनाओं के साथ इस अधिनियम के समन्वय पर जोर दिया। यह ग्राम सभा देशभर में चल रही जागरूकता अभियान का हिस्सा है, जिसमें 24 एवं 26 दिसंबर को विशेष सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। पालडोंगरी के ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि वे विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान देंगे। सभा का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक कल

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी की आवश्यक बैठक कल 28 दिसम्बर दिन रविवार को दोपहर 12 बजे से गायत्री शक्तिपीठ लांजी के सभागार में आयोजित की गई है। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी के अध्यक्ष सेवकराम ठाकरे एवं सचिव आई एस चौहान, कोषाध्यक्ष एन एल बसेना ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त बैठक में पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा के सभी पदाधिकारी, सेक्टर पदाधिकारी लांजी, कारंजा, देवलगांव, भानेगांव, बहेला अनिवार्य रूप से उपस्थित होने, साथ ही अपने अपने सेक्टरों से नये पेंशनरों को साथ लेकर आएं, जिनका सम्मान कर सदस्यता दिलाई जाएगी। बैठक में सभी सेक्टर प्रभारी अपने अपने सेक्पटर के पदाधिकारियों की सूची लेकर आवे। बैठक में पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी के नवीन कार्यकारिणी का गठन किया जाना है। जिन पदाधिकारियों के पास रसीद बुक हैं वे कोषाध्यक्ष के पास जमा करे। उन्हें नवीन बुक प्रदान की जावेगी। जिन्होंने ने आजीवन सदस्यता के लिए आवेदन फार्म जमा किए हैं उनके परिचय पत्रों का वितरण किया जाना है। इसके अलावा पेंशनरों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा कर सुझावों पर विचार-विमर्श के साथ संगठन के अन्य विषयों पर भी चर्चा की जाएगी। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी के समस्त पदाधिकारियों ने सभी पेंशनर्स साथियों से आवश्यक रूप से बैठक में उपस्थित होने की अपील की है।

डोंगरमाली में जिले के पहले 10 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर का हुआ उद्घाटन

क्षेत्र के 32 ग्रामों के 15305 उपभोक्ताओं को मिलेगी बेहतर विद्युत आपूर्ति

पदमेश न्यूज। बालाघाट। विभागीय कार्य योजना 2025-26 के तहत आज बालाघाट जिले के डोंगरमाली क्षेत्र में 5 एमवीए से बढ़ाकर 10 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर उर्जीकृत किया गया। अधीक्षण अभियंता बालाघाट श्री अमित कुमार के मार्गदर्शन में वारासिवनी संभाग अंतर्गत वितरण केंद्र डोंगरमाली के 33/11 के व्ही उपकेंद्र में यह कार्य सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। यह बालाघाट जिले का प्रथम 10 एमवीए क्षमता का ट्रांसफार्मर है। उद्घाटन कार्यक्रम में विधायक विवेक विक्की पटेल, कार्यपालन अभियंता बी.एल. भैना, कार्यपालन अभियंता एसटीसी-एसटीएम बालाघाट चंद्रहास चंद्राकर, सहायक अभियंता वारासिवनी राहुल तुरकर, सहायक अभियंता शैलेश पटले, सहायक अभियंता कटंगी राजीव रंजन, कनिष्ठ अभियंता डोंगरमाली मनोज ठाकरे, अ श्रेणी विद्युत ठेकेदार जितेंद्र राणा और समस्त कर्मचारियों की उपस्थिति रही। इस क्षमता वृद्धि से डोंगरमाली क्षेत्र के लगभग 32 ग्रामों के 15305 उपभोक्ताओं को अब उच्च गुणवत्ता वाली विद्युत आपूर्ति मिल सकेगी। उद्घाटन अवसर पर उपस्थित 50 से 60 विद्युत उपभोक्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने प्रसन्नता जाहिर की और विद्युत विभाग को धन्यवाद प्रेषित किया। इस कार्य का महत्व विशेष रूप से उस क्षेत्र में है जहाँ कलेक्टर श्री मृणाल मीना की जनसुनवाई में लगातार डोंगरमाली क्षेत्र से विद्युत आपूर्ति की समस्याएँ आ रही थीं। आज इस कार्य के पूरा होने के बाद क्षेत्रवासियों द्वारा अत्यधिक खुशी व्यक्त की गई और यह समस्या अब हल हो गई है। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आम जनता ने विद्युत विभाग की तत्परता और समर्पण की सराहना की।

जैविक खेती व मां की बगिया लगाने को लेकर किसान सम्मेलन एवं संगोष्ठी कल

पद्मेश न्यूज। लांजी। एकल अभियान संच-लांजी, अंचल-बालाघाट (महाकौशल, म.प्र.) के तत्वावधान में किसानों को जैविक खेती के प्रति प्रोत्साहित करने एवं शासन की योजनाओं के अंतर्गत अनुदान पर मां की बगिया (न्यूनतम 50 डिसमिल भूमि में) स्थापित करने हेतु किसान सम्मेलन एवं संगोष्ठी का आयोजन 28 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से विद्याभारती सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लांजी में आयोजित किया गया है। इस अवसर पर कृषि क्षेत्र के अनुभवी वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों द्वारा किसानों को जैविक खेती की उन्नत तकनीकों, फसल विविधीकरण, पोषण सुरक्षा, विपणन संभावनाओं तथा मां की बगिया योजना के अंतर्गत मिलने वाले लाभ, अनुदान प्रक्रिया और क्रियान्वयन की व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। सम्मेलन का उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि के साथ परिवार की पोषण आवश्यकताओं की पूर्ति और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना है। मुख्य मार्गदर्शक के रूप में डॉ. एस. आर. धुवारे, वरिष्ठ वैज्ञानिक, राणा हनुमान सिंह कृषि विज्ञान केंद्र, बड़गांव किरनापुर, डॉ. उत्तम बिसेन कृषि वैज्ञानिक कृषि महाविद्यालय मुरझड़ वारासिवनी, मनोज पटले मंडी निरीक्षक बालाघाट, रामगोपाल यादव मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत लांजी, खुदीराम सनोडिया अनुविभागीय अधिकारी कृषि विभाग लांजी किसानों को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। विशेषज्ञ जैविक खाद, कीट-रोग प्रबंधन, जल-संरक्षण, बागवानी फसलों के चयन तथा बाजार से जुड़ाव जैसे विषयों पर भी उपयोगी जानकारी साझा करेंगे। एकल अभियान संच लांजी के अध्यक्ष झनकार किरनापुरे ने क्षेत्र के समस्त किसान बंधुओं से सपरिवार उपस्थित होकर इस ज्ञानवर्धक आयोजन का लाभ उठाने का विनम्र आग्रह किया है।

सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

पदमेश न्यूज। बालाघाट।प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेष कुमार प्राण के मार्गदर्शन एवं मुख्य आतिथ्य में सांदीपनि सीएम राईज विद्यालय, बालाघाट में विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर न्यायाधीश श्री प्राण ने कहा गया कि देश का भविष्य और उन्नति बच्चे पर निर्भर करती है। बच्चे और देश का भविष्य एक दूसरे पर निर्भर करता है। किसी भी देश में अगर युवाओं की संख्या ज्यादा है तो उस देश का विकास भी तेजी से होता है क्योंकि बच्चे ही देश का विकास तय कर सकते हैं। युवा नई सोच और सकारात्मक सोच के साथ देश की प्रगति में अपना योगदान कर सकते हैं। बच्चों को राष्ट्र के उन्नयन में महत्वपूर्ण माना जाता है। देश को सही रास्ते पर चलाने के लिए युवा का सबसे बड़ा योगदान होता है साथ ही उनके द्वारा उपस्थित बच्चों को PAN India "Protect Today, Secure Tommorrow अभियान अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण के संबंध में जानकारी प्रदान की गयी। शिविर में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अविनाश छारी, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे, विद्यालय के प्राचार्य युवराज राहंगडाले, शिक्षक-शिक्षिकाएं, कार्यालयीन कर्मचारीगण व छात्र-छात्रायें

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

एमपी वाकई अजब-गजब है, अफसरो ने ऐसे किया घोटाला की पढ़कर हंसी आये और अचरज भी हो

अस्वीकृत लोन दस्तावेज से अ हटाकर स्वीकृत कर दिया, 65 लाख की धोखाधड़ी कर डाली

– मंडला डिस्ट्रिक्ट को ऑपरेटिव बैंक और स्मॉल सेविंग्स क्रेडिट कमेटी अधिकारियो ने की धोखाधड़ी

– ईओडब्ल्यू ने तत्कालीन जीएम, मैनेजर, स्थापना प्रभारी और एकाउंटेट के खिलाफ दर्ज की एफआईआर

भोपाल/मंडला। डिस्ट्रिक्ट को ऑपरेटिव बैंक और स्मॉल सेविंग्स क्रेडिट कमेटी अधिकारियो द्वारा अचंभित करने वाले तरीके से 65 लाख की धोखाधड़ी करने वाले चार पदाधिकारियो के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने एफआईआर दर्ज की है। जॉच में सामने आया की शातिर आरोपियो ने बैठक में अस्वीकृत यानि (रिजेक्ट) किये गये ऋण के दस्तावेजों में से शुरु का शब्द अ हटाकर अस्वीकृत को स्वीकृत बना दिया और इस तरह से 65 लाख रुपये की धोखाधड़ी कर दी गई।

अस्वीकृत लोन दस्तावेज से 'अ' हटाकर स्वीकृत कर दिया

अनुचित लोन अप्रूव करने और वसूली में लापरवाही की मिली थी शिकायते

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार जबलपुर टीम को यह शिकायत मिली थी की अल्प बचत साख सहकारी समिति मर्यादित मण्डला के विरुद्ध अमानतदारों की रकम वापस न किये जाने, अनुचित ऋण स्वीकृति, वसूली में लापरवाही सहित गंभीर वित्तीय अनियमितताए किये जाने की शिकायत मिली थी।

- जॉच में उधड़ती गई परतें

शिकायत की जाँच करने पर सामने आया की जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, जिला मण्डला की ऋण उप समिति की बैठक 8 नवंबर 2011 में निर्णय लिया गया कि अल्प बचत साख सहकारी समिति मर्यादित, मण्डला के ऊपर 38 लाख रुपये का ऋण ओवरड्यू (बकाया) है। अत: सर्वसम्मति से प्रकरण को स्वीकृत किया जाता है। और 65 लाख रुपये की अल्प अकृषि ऋण की साख सीमा स्वीकृत की जाती है। इस निर्णय में अस्वीकृत में से अ हटाकर बैठक के पश्चात उसे स्वीकृत किया गया साथ ही अंतिम लाइन "अत: रुपये 65 लाख रुपये की अल्प अकृषि ऋण की साख सीमा स्वीकृत की जाती है"। अलग से जोड़ी गई।

- सभी आरोपियो की रही हिस्सेदारी

छानबीन में पता चला की इस ऋण समिति की बैठक में तत्कालीन महाप्रबंधक, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, मण्डला, नरेन्द्र कोरी ने जानबूझकर इस बिंदु को छिपाया कि उन्ही के द्वारा बैठक 8 नंवबर 2011 के केवल तीन दिन बाद ही 12 नवंबर 2011 को जीएम, कृषि शाखा मण्डला को 65 लाख रुपये का अल्प अकृषि ऋण, अल्प बचत साख सहकारी समिति मर्यादित मण्डला को स्वीकृत किये जाने के आदेश अपने हस्ताक्षर से पारित किये। और उस रकम को अपने सदस्यों के बीच वितरित कर दिया गया । इस बिंदु की जाँच में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के तत्कालीन महाप्रबंधक नरेन्द्र कोरी, तत्कालीन स्थापना प्रभारी एन.एल. यादव, तत्कालीन लेखापाल व पंजी फील्ड कक्ष प्रभारी अतुल दुबे को पद का दुरुपयोग कर कूटरचना करते हुए बैंक को 65 लाख का नुकसान पहुंचाया जाना साबित पाया गया।

- समिति की महिला मैनेजर भी आई राडरा पर

जाँच की दिशा आगे बढ़न पर यह भी सामने आया कि वर्तमान में प्रबंधक, अल्प बचत साख सहकारी समिति, मण्डला, शशि चौधरी के कार्यकाल में समिति की उपविधि क्र-13 के अनुसार प्रतिबंधित समिति के गैर सदस्यों से 26 लाख 68 हजार 436 रुपये की रकम अवैधानिक रुप से प्राप्त कर पद का दुरुपयोग कर धोखाधड़ी की है।

- चार सौ बीसी सहित भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारओ में कसा शिकंजा

सभी आरोपियों के खिलाफ पद का दुरुपयोग, आपराधिक षड़यंत्र रचते हुए, धोखाधड़, कूटरचना करते हुए बैठक में पास किये गये निर्णय को बदलकर 65 लाख रुपये की अल्प अकृषि ऋण की साख सीमा स्वीकृत कर जिला सहकारी केन्द्रीय मर्यादित मण्डला को नुकसान पहुचांना साबित होने पर नरेन्द्र कोरी, तत्कालीन महाप्रबंधक, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मण्डला, एन.एल. यादव, तत्कालीन स्थापना प्रभारी, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मण्डला, अतुल दुबे, तत्कालीन लेखापाल व पंजी फील्ड कक्ष प्रभारी, जिला सहकारी बैंक मण्डला और शशि चौधरी, प्रबंधक, अल्प बचत साख सहकारी समिति मण्डला के खिलाफ धारा 409, 420, 467, 468, 471, 120बी एवं 7सी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 2018 की धाराओ के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

मंदिरों की भूमि कोई सरकारी संपत्ति नहीं – दिग्विजय सिंह

मठ-मंदिरों की माफी भूमि की नीलामी के मुद्दे पर बोले पूर्व सीएम

भोपाल। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि मंदिरों की भूमि कोई सरकारी संपत्ति नहीं, बल्कि देवी-देवताओं के नाम दर्ज धार्मिक संपत्ति है और इसे नीलाम करना न केवल असंवैधानिक है, बल्कि सनातन परंपराओं पर भी सीधा प्रहार है। मध्यप्रदेश में मठ-मंदिरों की माफी भूमि की नीलामी के मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सरकार के फैसले का कड़ा विरोध किया है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि राज्य सरकार के 22 अप्रैल 2023 के आदेश के तहत मंदिरों की 10 एकड़ से अधिक माफी भूमि को नीलाम करने की प्रक्रिया शुरू की गई है, जिसके आधार पर प्रदेशभर के पुजारियों को नोटिस भेजे जा रहे हैं। उन्होंने इसे सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेशों की अवहेलना बताया। दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर मंदिरों की 10 एकड़ से अधिक माफी भूमि के घोष विक्रय (नीलामी) को तत्काल प्रभाव से रोकने की मांग की है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय अपने 6 सितंबर 2021 के फैसले में साफ कह चुका है कि देवता के नाम दर्ज भूमि की नीलामी नहीं हो सकती और ऐसी भूमि को राज्य सरकार या कलेक्टर के नाम दर्ज नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद नीलामी की प्रक्रिया शुरू करना कानून का उल्लंघन है। उन्होंने यह भी कहा कि मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने अक्टूबर 2023 में राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करने के निर्देश दिए थे। दिग्विजय सिंह ने कहा कि माफी भूमि से ही पुजारी भगवान की सेवा-पूजा, धार्मिक अनुष्ठान और अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। इस भूमि की नीलामी से हजारों पुजारी परिवारों की रोजी-रोटी खतरे में पड़ जाएगी।सनातन संस्कृति बनाम सत्ता की राजनीतिपूर्व मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि जो सरकार खुद को सनातन संस्कृति का संरक्षक बताती है, वही सरकार आज मंदिरों और पुजारियों के हितों को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि धर्म का संरक्षण समाज और परंपरा ने किया है, न कि सत्ता ने। दिग्विजय सिंह ने स्पष्ट कहा कि यदि सरकार ने मठ-मंदिरों की माफी भूमि की नीलामी का फैसला तुरंत वापस नहीं लिया, तो वे पुजारी समाज के आंदोलन में खुलकर शामिल होंगे।

एससी-एसटी को जैसा लाभ मिला वैसा ओबीसी को नहीं मिला

भोपाल। मध्य प्रदेश की राज्य मंत्री कृष्णा गौर का बड़ा बयान सामने आया हैं। उन्होंने आरक्षण की व्यवस्था को लेकर कहा कि जैसे एससी-एसटी को मिला, वैसा लाभ ओबीसी को नहीं मिला। संघर्ष के बाद ओबीसी समुदाय को रिजर्वेशन का लाभ मिला हैं। वहीं उन्होंने वक्फ बोर्ड की संपत्ति को लेकर भी प्रतिक्रिया दी हैं। दरअसल, डॉ. मोहन यादव सरकार के दो साल पूरा होने पर मंत्रियों के रिपोर्ट कार्ड पेश करने का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में शुक्रवार को पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपने विभाग की उपलब्धियां गिनाई। साथ ही आगामी कार्ययोजना की भी जानकारी दी हैं। इस दौरान राज्य मंत्री कृष्णा गौर बड़ा बयान दिया। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि आजादी के बाद हमारे संविधान में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति को मिला, वैसा लाभ ओबीसी को नहीं मिला। संघर्ष के बाद ओबीसी समुदाय को केंद्र सरकार ने लाभ दिया। कृष्णा गौर ने बताया कि मध्यप्रदेश में ओबीसी के लिए हर स्तर पर कार्य किया गया और लाभ दिया गया। वहीं राज्य मंत्री ने वक्फ संपत्ति को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश में वक्फ की संपत्ति का डिजिटाइजेशन का काम हुआ है। उम्मीद पोर्टल पर डिजिटाइजेशन प्रॉपर्टी को अपलोड करने का काम किया जा रहा है। जिसकी तीन कैटेगरी मेकर, चेकर और अप्रूवर है। सत्यापन के बाद वक्फ की संपत्ति कितनी है, इसका अकड़ा साफ होगा।

विधान सभा में अब चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए ड्रेस कोड

बजट सत्र में यूनिफार्म में नज़र आएंगे कर्मचारी

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में अभी तक अधिकारी औश्र रिपोर्टर के लिए ड्रेस कोड निर्धारित किया गया था। लेकिन अब विधनसभा के बजट सत्र में चतुर्थ श्रेणी कर्मचार जिसमें वाहन चालकों के साथ ही चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों पर भी ड्रेस कोड लागू करेगा।

उद्येस कोड को लेकर विधानसभा सचिवालय ने 2 जनवरी तक फर्मों से ऑफर बुलाए हैं। इन फर्मों से वर्दी के कपड़े और वर्दी के साथ लगने वाली अन्य सामान की खरीदी की जाएगी। विधानसभा के बजट सत्र के पहले विधानसभा सचिवालय में यह नया बदलाव लागू कर दिया जाएगा जो बजट सत्र के दौरान दिखेगा।

विधानसभा सचिवालय द्वारा बुलाए गए ऑफर में कहा गया है कि 23 वाहन चालकों और 32 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए यह सामान खरीदा जाना है। 2 जनवरी तक ऑफर बुलाने के बाद इसी दिन इसके बारे में अंतिम निर्णय लेने की कार्यवाही की जाएगी। वाहन चालकों और कर्मचारियों के लिए ग्रे कलर का सफारी सूट और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए नेवी ब्लू कलर का ब्लेजर सचिवालय ने बनवाने का निर्णय लिया है।

उल्लेखनीय है कि इसके पहले जुलाई में सदन में कार्यवाही के दौरान गर्भगृह में बैठने वाले अधिकारियों और विधानसभा के रिपोर्टर्स के लिए ड्रेस कोड तय कर उन्हें चिह्नित ड्रेस में ही सदन में बैठने की व्यवस्था लागू की गई है।

बिना सर्जरी होगा ब्रेन ट्यूमर का इलाज

- एम्स में बनेगा प्रदेश का पहला सेंट्रलाइज्ड कैंसर ब्लाक

भोपाल। मध्य प्रदेश के कैंसर मरीजों के लिए साल 2026 एक बड़ी राहत लेकर आने वाला है। एम्स भोपाल में राज्य का पहला समर्पित सेंट्रलाइज्ड कैंसर ब्लाक तैयार किया जा रहा है। इसके शुरू होने के बाद जांच और सर्जरी के लिए महीनों लंबी वेटिंग लिस्ट से मरीजों को काफी हद तक निजात मिलेगी। फिलहाल मरीजों को छह महीने से लेकर एक साल तक इंतजार करना पड़ता है, लेकिन नई व्यवस्था में यह समस्या लगभग समाप्त हो जाएगी। एम्स प्रशासन इस परियोजना को तय समय सीमा 2026 में पूरा करने के लिए पूरी गंभीरता से काम कर रहा है।

सूत्रों के अनुसार, कैंसर ब्लाक के निर्माण, अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की खरीद और वित्तीय स्वीकृतियों को लेकर जल्द एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी, जिससे बजट से जुड़ी किसी भी अड़चन को दूर किया जा सके।

बिना सर्जरी होगा ब्रेन ट्यूमर का इलाज

अधिकारियों के मुताबिक, नए कैंसर ब्लाक में विश्वस्तरीय इलाज की सभी सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी। यहां गामा नाइफ जैसी आधुनिक मशीन लगाई जा रही है, जिससे बिना चीर-फाड़ किए जटिल मस्तिष्क ट्यूमर का सटीक इलाज संभव होगा। इसके अलावा पीईटी-सीटी स्कैन और एडवांस रेडियोथेरेपी की सुविधा भी यहीं मिलेगी।

मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए एम्स भोपाल में 'स्मार्ट स्क्रीनिंग सिस्टम' लागू किया जाएगा। अस्पताल आने वाले हर मरीज की शुरुआती जांच होगी। कैंसर की पुष्टि होने पर मरीजों को बीमारी की गंभीरता के आधार पर वर्गीकृत किया जाएगा। गंभीर मरीजों को प्राथमिकता देकर तुरंत इलाज शुरू किया जाएगा, जबकि लक्षण वाले मरीजों को आगे की जांच के लिए संबंधित विभागों में भेजा जाएगा।

शिशुओं के लिए खरीदे रेडिएंट वॉर्मर की गुणवत्ता को लेकर आपत्तियां

करोड़ों रुपये के मेडिकल उपकरणों की खरीदी अब सवालों के घेरे में

भोपाल। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में नवजात शिशुओं के लिए सप्लाई किए गए रेडिएंट वॉर्मर की गुणवत्ता को लेकर गंभीर आपत्तियां सामने आई हैं। इन मेडिकल उपकरणों में बच्चों की सुरक्षा के लिए लगाई गई एक्रेलिक प्लेट के टूटने और चटकने की घटनाएं सामने आने के बाद राज्य की स्वास्थ्य आपूर्ति प्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। प्रदेश में नवजात शिशुओं के इलाज के लिए खरीदे गए करोड़ों रुपये के मेडिकल उपकरण अब सवालों के घेरे में हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश हेल्थ कॉरपोरेशन लिमिटेड (एमपीएचसीएल) ने प्रदेशभर के उप-स्वास्थ्य केंद्रों, जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों के लिए करीब 900 रेडिएंट वॉर्मर खरीदे। इनकी अनुमानित लागत 6.5 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इन वॉर्मर का उपयोग नवजात शिशुओं के तापमान को नियंत्रित रखने के लिए किया जाता है, जहां सुरक्षा मानकों में किसी भी तरह की चूक गंभीर परिणाम ला सकती है। भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध हमीदिया अस्पताल में सप्लाई किए गए 15 रेडिएंट वॉर्मर में से दो में खामियां पाई गईं। एक वॉर्मर की एक्रेलिक प्लेट का कोना टूटा मिला और दूसरे वॉर्मर की प्लेट चटकी हुई पाई गई। हमीदिया अस्पताल के शिशु रोग विभाग ने इसे नवजातों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए उपकरणों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े किए और इसकी सूचना हेल्थ कॉरपोरेशन को दी। शिकायत मिलने के बाद एमडी ने 18 दिसंबर को हेल्थ कॉरपोरेशन की टीम हमीदिया अस्पताल भेजी और उपकरणों का निरीक्षण किया। इसके अलावा रायसेन समेत अन्य जिलों से भी शिकायत आने की बात कही जा रही हैं। सूत्रों के अनुसार, मामले में सप्लायर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। हालांकि, सप्लायर किसी प्रकार के नोटिस जारी करने से इंकार कर रहा है। जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश हेल्थ कॉरपोरेशन लिमिटेड ने प्रदेश के स्वास्थ्य संस्थाओं में सप्लाई होने वाले उपकरणों की जांच के लिए थर्ड पार्टी से अनुबंध के लिए टेंडर किया है। इसमें राइट्स नाम की एजेंसी को इसका काम सौपा है। जानकारी के अनुसार कॉरपोरेशन के एमडी ने मामले को गंभीरता से लिया है और एजेंसी से पूरे प्रदेश में सप्लाई वॉर्मर का इंस्पेक्शन करके रिपोर्ट मांगी गई हैं। मध्य प्रदेश हेल्थ कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध संचालक मयंक अग्रवाल का कहना है कि मामले को गंभीरता से देखा जा रहा है। हमें शिकायतें मिली हैं। उस शिकायत को सत्यापित किया जा रहा है। भोपाल के वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. राकेश भार्गव का कहना है कि वार्मर नवजात बच्चों के लिए उपयोग किए जाते हैं। एक्रेलिक प्लेट ट्रॉली में बच्चों के सपोर्ट के लिए होती हैं। यदि प्लेट टूटी या क्रेक है तो उसके बच्चों की स्किन में चुभने का खतरा हो सकता है। इसका ध्यान रखना जरूरी है। उधर वॉर्मर सप्लाई करने वाली फर्म यश इंटरप्राइजेज के संचालक मनोज कुकरेजा ने गुणवत्ता में खामी से इनकार किया है। उनका कहना है कि वॉर्मर में एक्रेलिक प्लेट लगी है। जिसको अल्कोहल या सैनिटाइजर से साफ करने पर नुकसान हो सकता है। इसका स्टीकर भी वॉर्मर पर चिपका हुआ है। इसे सिर्फ पानी या डिटर्जेंट से सफाई करना है। सैनिटाइजर से साफ करने के कारण एक-दो वॉर्मर की प्लेट चटक गई थी। हमने उसे बदल भी दिया। हमने साढ़े तीन साल की वारंटी भी दी है।

अध्यक्ष नगरपालिका परिषद देवरी को पद से वापस बुलाने निर्वाचन कार्यक्रम जारी

मतदान 19 जनवरी को

म.प्र.राज्य निर्वाचन आयोग

भोपाल। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरपालिका परिषद देवरी जिला सागर के अध्यक्ष को अपने पद से वापस बुलाने के संबंध में निर्वाचन कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। मतदान 19 जनवरी, 2026 को सुबह 7 से शाम 5 बजे तक होगा।

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग दीपक सिंह ने जानकारी दी है कि निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन 29 दिसम्बर, 2025 को होगा। इसी दिन प्रतीकों का आवंटन भी किया जायेगा। मतदान 19 जनवरी, 2026 को होगा। मतगणना तथा निर्वाचन परिणामों की घोषणा 21 जनवरी को सुबह 9 बजे से की जायेगी। श्री सिंह ने बताया है कि निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही नगरपालिका परिषद देवरी के नगरीय क्षेत्र पर आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गयी है।

अब ओबीसी को 27 नहीं 52 फीसदी चाहिए आरक्षण

- आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ सभी कार्रवाई वापस लेने की मांग

- ओबीसी संयुक्त मोर्चा, एससी, एसीटी संगठन एकजुट, 18 जनवरी को राजधानी में होगा सम्मेलन

भोपाल। प्रदेश में सरकारी नौकरियों में पिछड़े वर्ग के आरक्षण की मांग तेज हो गई है। ओबीसी के संगठनों ने राजधानी में संयुक्त बैठक कर कहा है कि अब 27 फीसदी नहीं बल्कि 'जिसकी जितनी आबादी, उसकी उतनी हिस्सेदारी' के आधार पर 52 फीसदी आरक्षण चाहिए। खास बात यह है कि अब ओबीसी संयुक्त मोर्चा, एससी, एसटी संगठनों के साथ मिलकर अपनी मांगों और अधिकारों को प्रदेश में संयुक्त रूप से आंदोलन करेगा। इसी क्रम में 18 जनवरी 2026 को राजधानी में सम्मेलन करने का निर्णय लिया गया।

संयुक्त मोर्चा ने ओबीसी समाज की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए छह प्रमुख मांगें रखीं। जिनमें जनसंख्या अनुपात में आरक्षण। ओबीसी को वास्तविक जनसंख्या (52ज) के अनुसार आरक्षण दिया जाए। बैकलॉग पदों की पूर्ति करने। ओबीसी के 13ज् होल्ड पदों को तत्काल जारी किया जाए। निजी क्षेत्र में भी ओबीसी आरक्षण लागू करने की मांग तेज होगी। साथ ही पदोन्नति में अजा, अजजा वर्ग की तरह ओबीसी को आरक्षण देन की मांग की जाएगी। संयुक्त मोर्चा ने मांग की है कि आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ सभी कार्यवाहियां तुरंत वापस ली जाएं। प्रतिभागियों ने कहा कि ये मांगें केवल एक वर्ग की नहीं, बल्कि पूरे समाज की उन्नति और सद्भाव की हैं। आगामी 18 जनवरी 2026 का सम्मेलन इन मांगों को मजबूती से उठाने का बड़ा मंच होगा। बैठक का आयोजन मोर्चा के संरक्षक इंजीनियर भुवनेश कुमार पटेल ने किया। इसमें सैकड़ों लोगों की उपस्थिति रही।

एनजीटी के आदेश से पहले ही आधे पेड़ काटे

अयोध्या बायपास मामला- नगर निगम के जरिए एनएचएआई ने कटवाए पेड़

भोपाल । नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल (एनजीटी) के आदेश से पहले ही एनएचएआई ने नगर निगम के जरिए अयोध्या बायपास किनारे के आधे पेड़ कटवा दिए। पेड़ काटने में निगम ने भी इतनी तेजी से दिलचस्पी दिखाई कि दिन-रात कटाई में अमला झोंक दिया। अब पर्यावरण से जुड़े लोग पेड़ों को बचाने के लिए बड़ा आंदोलन करने की रणनीति बना रहे हैं। उन्होंने साफ कहा कि पेड़ों पर आरी चलाने वालों पर एफआईआर हो। दूसरी ओर, बाकी बचे पेड़ों का भविष्य 8 जनवरी को होने वाली एनजीटी की सुनवाई पर है। बता दें कि एनएचएआई (नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया) भोपाल के अयोध्या बायपास को आसाराम चौराहा से रत्नागिरि तिराहे तक 836.91 करोड़ रुपए से 10 लेन में बदल रहा है। यह 16 किलोमीटर लंबा है।

यह सेंट्रल का प्रोजेक्ट है। पिछले साल दिसंबर में अयोध्या बायपास के चौड़ीकरण के टेंडर समेत अन्य प्रक्रिया पूरी होने के बाद एनएचएआई ने पेड़ काटने की सभी सरकारी अनुमति भी लेना थी, क्योंकि बायपास चौड़ीकरण का काम करने वाली एजेंसी और एनएचएआई के बीच जो एग्रीमेंट हुआ है, उसके अनुसार पेड़ कटाई जैसी सरकारी अनुमतियां दिलाना एनएचएआई की जिम्मेदारी ही है। इस साल 11 अगस्त तक पेड़ कटाई की अनुमति मिलने और फिर काम शुरू होना था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसी बीच पेड़ कटाई का मामला एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल) में चला गया था। फिर एक अन्य मामले में एनजीटी ने आदेश दे दिया कि शहरों में कहीं भी 25 से अधिक पेड़ काटने की अनुमति हाई लेवल कमेटी देगी।

अनुमति मिली और आरी चलाना शुरू कर दिया

इसके बाद तत्कालीन नगरीय विकास विभाग के एसीएस संजय शुक्ला की अध्यक्षता में हाई लेवल कमेटी का गठन हो गया। कमेटी की तीसरी मीटिंग में पेड़ काटने की मंजूरी दी गई। हरियाली को उजाडऩे के लिए हरी झंडी मिलते ही 21 दिसंबर से पेड़ों की कटाई शुरू कर दी गई। 22 दिसंबर को कटाई का दौर जारी रहा तो याचिकाकर्ता नितिन सक्सेना ने फिर से एनजीटी का दरवाजा खटखटाया, लेकिन 24 दिसंबर की दोपहर तक पेड़ काटने का दौर जारी रहा। इसी बीच एनजीटी ने पेड़ों की कटाई को 8 जनवरी तक रोकने के आदेश दिए, लेकिन तब तक एनएचएआई आधे से ज्यादा पेड़ कटवा चुका था। अब बाकी पेड़ों को बचाने के लिए पर्यावरणविद् ने मुहिम छेड़ दी है। गुरुवार को उन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नाराजगी भी जताई थी। पर्यावरणविद् सुभाष सी. पांडे, उमाशंकर तिवारी, याचिकाकर्ता नितिन सक्सेना, सुयश कुलश्रेष्ठ, राशिद नूर समेत अन्य लोगों ने कहा कि पेड़ों को काटकर एनएचएआई हरियाली उजाड़ रही है। 10 लेन सडक़ के बदले एनएचएआई एलिवेटेड प्रोजेक्ट पर काम कर सकता था, या फिर 10 की बजाय सिक्सलेन बनाने पर जोर दें। जिन पेड़ों को एनएचएआई नगर निगम के जरिए काट रहा है, उनकी उम्र 40 से 80 साल तक है।

एनएचएआई का दावा-सभी रिपोर्ट पेश की

एनजीटी के 8 जनवरी तक के रोक वाले आदेश पर एनएचएआई का भी अपना तर्क है। एनएचएआई सूत्रों का कहना है कि पेड़ों को कटाने के मामले में कमेटी की रिपोर्ट पेश कर दी, लेकिन एनजीटी ने वह नहीं देखी। इस वजह से रोक लगी है। अगली सुनवाई में यह रिपोर्ट पेश करेंगे। दूसरी ओर, 7871 के बदले 81 हजार पौधे लगाने का दावा भी है।

फर्जी दस्तावेज से लोन लेने वाले आरोपियों को 4 साल की जेल

भोपाल। राजधानी की जिला अदालत में अपर सत्र न्यायाधीश जयंत शर्मा की कोर्ट ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर एक्सिस बैंक से दो लाख 29 हजार का पर्सनल लोन लेने के मामले के आरोपियों ओमप्रकाश पटेल उर्फ बंटी पटेल पिता रूप सिंह पटेल (40) निवासी पोस्ट वीतली सगरी तहसील करेली थाना सुआतला जिला नरसिंहपुर और राजू लोधी पिता देवी सिंह लोधी (37) निवासी झिरना मोहल्ला वरमान कला थाना वरमान चौकी जिला नरसिंहपुर को सुनवाई पूरी होने के बाद दोषी करार देते हुए 4 साल के कठोर कारावास और चार हजार रुपये के जुर्माने की सजा से दंडित किए जाने का फैसला सुनाया है। मिली जानकारी के अनुसार निजी बैंक के अधिकृत प्रतिनिधि राहुल बादर ने 20 जून 2020 को थाना एमपी नगर में शिकायत करते हुए बताया था, कि आरोपियों ने उनकी ब्रांच से धोखाधड़ी कर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 2 लाख 29 हजार रूपए का पर्सनल लोन लेकर उसे हड़प लिया है। आरोपियों द्वारा बैंक में पेश किए गए दस्तावेजों की जांच कराए जाने पर वह दस्तावेज फर्जी पाए गए हैं। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया और छानबीन के बाद अदालत में चालान पेश किया था। कोर्ट ने अभियोजन के तर्कों, पेश किए गए साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आरोपियों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है।

विजय हजारे ट्रॉफी

सांस रोक देने वाले मुकाबले में मप्र की रोमांचक जीत, तमिलनाडु को 2 विकेट से रौंदा

यश दुबे (92) और हिमांशु मंत्री (90) ने पलटा मैच, अंतिम ओवरों में त्रिपुरेश और आर्यन ने दिलाई जीत

अहमदाबाद/इंदौर। अहमदाबाद के गुजरात कॉलेज क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए विजय हजारे ट्रॉफी (एलीट ग्रुप) के एक बेहद रोमांचक मुकाबले में मध्य प्रदेश ने तमिलनाडु को 2 विकेट से पराजित कर दिया। जीत के लिए मिले 281 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को मध्य प्रदेश ने खेल के अंतिम ओवर (49.2 ओवर) में 8 विकेट खोकर हासिल कर लिया। मध्य प्रदेश की इस जीत के हीरो विकेटकीपर बल्लेबाज हिमांशु मंत्री रहे, जिन्हें उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी तमिलनाडु की टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में से 49.3 ओवरों में 280 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज बी. साई सुदर्शन (51) और कप्तान एन. जगदीशन (55) ने पहले विकेट के लिए 93 रनों की मजबूत साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी। मध्य क्रम में एस. मोहम्मद अली ने आक्रामक रुख अपनाते हुए 47 गेंदों पर 57 रन (4 चौके, 2 छक्के) जड़े। अंत में सनी ने महज 22 गेंदों में 43 रनों की तूफानी पारी खेलकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुँचाया। मध्य प्रदेश की ओर से स्पिनर कुमार कार्तिकेय सिंह ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए, जबकि त्रिपुरेश सिंह और मंगेश यादव ने 2-2 विकेट झटके।

= यश-हिमांशु की 178 रनों की मैराथन साझेदारी =

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मध्य प्रदेश की शुरुआत खराब रही और हर्ष गवली (13) जल्द पवेलियन लौट गए। इसके बाद यश दुबे और हिमांशु मंत्री ने मोर्चा संभाला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 178 रनों की विशाल साझेदारी कर तमिलनाडु के गेंदबाजों को लाचार कर दिया। यश दुबे ने 109 गेंदों में 92 रन (6 चौके, 1 छक्का) बनाए, जबकि हिमांशु मंत्री ने 94 गेंदों पर 90 रनों (8 चौके) की आक्रामक पारी खेली। हालांकि, इन दोनों के आउट होते ही मध्य प्रदेश की पारी लड़खड़ा गई और जी. गोविंद (4 विकेट) ने मैच में तमिलनाडु की वापसी करा दी। एक समय आसान दिख रही जीत तब मुश्किल लगने लगी जब मध्य प्रदेश ने 271 रनों तक अपने 8 विकेट गंवा दिए थे। कप्तान वेंकटेश अय्यर (32 रन) के आउट होने के बाद मैच फंस गया था। ऐसे में त्रिपुरेश सिंह (19 नाबाद) और आर्यन पांडे (8 नाबाद) ने धैर्य का परिचय दिया। दोनों ने नौवें विकेट के लिए 12 रनों की अविजित साझेदारी कर टीम को जीत की दहलीज के पार पहुँचाया। तमिलनाडु की ओर से जी. गोविंद ने 54 रन देकर 4 विकेट झटके, लेकिन वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा सके।

संक्षिप्त स्कोर–

तमिलनाडु – 280/10 (49.3 ओवर) – मोहम्मद अली 57, एन. जगदीशन 55, साई सुदर्शन 51 (कुमार कार्तिकेय 3/62, त्रिपुरेश सिंह 2/61)।

मध्य प्रदेश – 283/8 (49.2

ओवर) – यश दुबे 92, हिमांशु मंत्री 90, वेंकटेश अय्यर 32 (जी. गोविंद 4/54, सोनू यादव 2/60)।

विराट लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा औसत से रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली । विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली की ओर से खेल रहे अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने दूसरे दिन गुजरात के खिलाफ 77 रन की अर्धशतकीय पारी खेलकर एक और रिकार्ड अपने नाम किया है। विराट अब लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा औसत से रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के माइकल बेवन का रिकार्ड तोड़ा है। विराट ने 57.87 की औसत से रन बनाये जबकि बेवन ने 57.86 की औसत से बनाये थे।

विराट ने पहले मैच में आंध्र प्रदेश के खिलाफ शतक लगाया था। वहीं इस बार उन्होंने 61 गेंदों में 77 रन बनाए की पारी खेली जिसमें 13 चौके और एक छक्का शामिल था। उन्होंने ये रहन 126 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बनाये। इस पारी के बाद लिस्ट ए क्रिकेट में उनका औसत अब सबसे ज्यादा 57.87 पहुंच गय है।

वहीं सबसे अधिक औसत के मामले में तीसरे नंबर पर इंग्लैंड के सैम हैन का औसत 57.76 है। वहीं भारत के चेतेश्वर पुजारा औसत के मामले में चौथे नंबर पर हैं। उनका औसत 57.01 जबकि भारत के ही रुतुराज गायकवाड़ का औसत 56.68 है।

विराट ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दौरान विराट तीन पारियों में 302 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज बने जिसमें उनका औसत 151.00 और स्ट्राइक रेट 117.05 था, जिसमें दो लगातार शतक और एक अर्धशतक शामिल था। दो बार शून्य पर आउट होने के बाद विराट ने अपनी अगली 6 पारियों में 146.00 के औसत से 584 रन बनाए।

विजय हजारे ट्रॉफी में रिंकू ने 56 गेंदों में ही शतक लगाया

राजकोट । उत्तरप्रदेश की कप्तानी करते हुए रिंकू सिंह ने विजय हजारे ट्रॉफी में चंडीगढ़ के खिलाफ केवल 56 गेंदों में ही शतक लगाकर टी20 विश्वकप के लिए अपने चयन को सही साबित किया है। रिंकू ने इस मैच में 11 चौकेऔर 4 छक्के लगायेद्ध रिंकू ने 60 गेंदों में नाबाद 106 रन 176.67 के शानदार स्ट्राइक रेट से बनाये। इस प्रकार रिंकू ने लिस्ट ए मे अपना दूसरा शतक लगाया। उन्होंने अपनी इस पारी में 11 चौके और चार छक्के लगाए। इससे उत्तर प्रदेश ने 50 ओवरों में चार विकेट पर 367 रन बनाये।

वहीं इससे पहले इस मैच में उत्तरप्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक गोस्वामी के शुरु में ही आउट होने के बाद आर्यन जुयाल और ध्रुव जुरेल ने पारी आगे बढ़ायी। जुयाल ने 118 गेंदों में 7 चौकों और आठ छक्कों की मदद से शानदार 134 रन बनाए, जबकि जुरेल ने 57 गेंदों में 11 चौकों की मदद से 67 रन बनाये। रिंकू ने जुयाल के साथ चौथे विकेट के लिए 134 रनों की शानदार साझेदारी की।

चोपड़ा ने टी20 विश्वकप की अपनी पसंदीदा टीम में भी शुभमन को नहीं किया शामिल

मुम्बई । पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने अगले साल की शुरुआत में होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप के लिए अपनी पसंदीदा टीम चुनी है। चोपड़ा की इस टीम में श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया गया है पर अनुभवी बल्लेबाज शुभमन गिल को शामिल नहीं किया गया है। इससे पहले टी20 विश्वकप के लिए जो भारतीय टीम घोषित की गयी थी उसमें भी शुभमन को जगह नहीं मिली थी। वहीं अब चोपड़ा ने उन 15 खिलाड़ियों को शामिल किया, जो विश्व के लिए चुने जाने के दावेदार थे, पर उन्हें जगह नहीं मिली थी। दोनो ही टीमों में जगह नहीं मिलने से साफ है कि अभी शुभमन को शीर्ष टॉप-30 टी20 खिलाड़ियों में भी जगह नहीं मिली है।

पसंदीदा टीम घोषित करने के बाद चोपड़ा ने कहा कि शुभमन को इसलिए जगह नहीं दी है क्योंकि उन्हें टीम के लिए किसी एंकर की जरूरत नहीं थी। इस पूर्व बल्लेबाल ने कहा, हमने उन्हें टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट के लिए छोड़ दिया है। इस समय जो माहौल बनाया गया है, उसके अनुसार ही हमने उन्हें नहीं जगह दी है जबकि कहा जा रहा है कि हमें उन्हें लेना चाहिए था। कई लोग कहते हैं कि मैं शुभमन का समर्थन करता रहा हूं। इस बार तो मैंने भी उन्हें जगह नहीं दी है। वहीं विश्वकप के लिए चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने कहा कि शुभमन की योग्यता पर कोई सवाल नहीं है पर इस समय टीम को किसी बल्लेबाज की नहीं बल्कि एक बैकअप विकेटकीपर की जरूरत थी। गौरतलब है कि भारतीय टीम टी20 विश्वकप में सैमसन और अभिषेक को सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतार सकती है जबकि ईशान किशन को रिजर्व खिलाड़ी रखा गया है।

शुभमन की जगह पर चोपड़ा ने भी यशस्वी जायसवाल और ऋतुराज

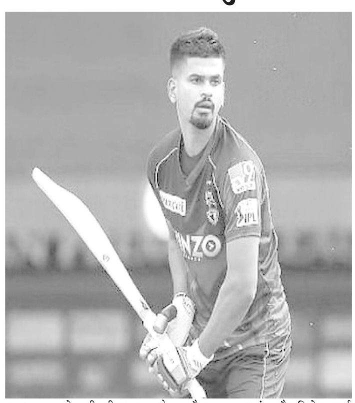

गायकवाड़ को पारी की शुरुआत के लिए रखा है। वहीं विकेटकीपर के तौर पर ऋषभ पंत और जितेश शर्मा को शामिल किया है। केएल राहुल रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर रखे गये हैं। चोपड़ा ने साफ किया कि राहुल उनकी अंतिम ग्यारह में नहीं रहेंगे। चोपड़ा ने तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और क्रुणाल पांड्या को भी दल में शामिल किया है। चोपड़ा ने आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए इन दोनों को शामिल किया है।

चोपड़ा की टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय पसंदीदा टीम

मुख्य खिलाड़ी– श्रेयस अय्यर (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋतुराज गायकवाड़, ऋषभ पंत, जितेश शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, क्रुणाल पंड्या, दीपक चाहर, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद सिराज और भुवनेश्वर कुमार।

बेंच– मोहम्मद शमी, केएल राहुल, विप्रज निगम, शशांक सिंह।

हैरी टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 3000 रन बनाने वाले इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी बने

मेलबर्न । इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने यहां ऑस्ट्रेलिया के खिाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट क्रिकेट में अपने 3000 रन पूरे कर लिए हैं। इसी के साथ ही वह सबसे तेज 3,000 टेस्ट रन बनाने वाले इंग्लैंड के खिलाड़ी बन गए हैं। हैरी ने इंग्लैंड की ओर से पहली पारी में 34 गेंदों में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 41 रन बनाए। उन्होंने इस मैच में जैसे ही 7 रन बनाये उनके 3000 रन पूरे हो गये। हैरी के अब 34 टेस्ट मैचों में 57 पारियों में 86 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 3,034 रन बनाए हैं। इसमें 10 शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 317 रन रहा है।

हैरी ने अपने 3000 रन केवल 3,468 गेंदों में ही हासिल किये हैं। इस प्रकार वह सबसे कम गेंदों में ये आंकड़ा हासिल करने वाले खिलाड़ी बने हैं। वह 3000 रन बनाने वाले इंग्लैंड के दूसरे सबसे तेज खिलाड़ी भी हैं, उनसे पहले डेनिस कॉम्पटन ने 57 ने इतनी ही पारियों में ये रन बनाये थे। सबसे तेज 3,000 टेस्ट रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन रहे हैं जिन्होंने केवल 33 पारियों में ही ये आंकड़ा हासिल किया। इस साल हैरी ने 10 टेस्ट और 17 इनिंग में 44.29 के औसत से 753 रन बनाए हैं जिसमें 82 से ज्यादा का स्ट्राइक रेट है, जिसमें दो शतक, चार फिफ्टी और 158 का बेस्ट स्कोर शामिल है।

एमएसजी में पांच विकेट लेने वाले इंग्लैंड के पहले गेंदबाज बने टोंग

मेलबर्न। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोश टोंग ने यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में पांच विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। टंग मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में किसी टेस्ट मैच में 5 विकेट लेने वाले इंग्लैंड के पहले गेंदबाज बन गए हैं। टंग के पांव विकेटों से ऑस्ट्रेलिया की टीम अपनी पहली पारी में केवल 152 रनों पर ही सिमट गयी।

टोंग की गेंदों के सामने मेजबान बल्लेबाज बेबस नजर आये। शुरुआती तीन टेस्ट मैच में हार का सामना करने वाली इंग्लैंड के प्रशंसकों में टोंग के इस प्रदर्शन से खुशी की लहर दौड़ गयी। इससे पहले इस मैदान पर पांच विकेट का रिकार्ड डैरेन गफ और डीन हेडली का रहा है। इस मैच में टोंग ने जेक वेदरलैंड को 10 जबकि स्टीव स्मिथ को 9 और मार्नस लाबुशेन के 6 रनों पर आउट कर दिया।

विजय हजारे ट्रॉफी के दूसरे मैच में रोहित शून्य पर आउट हुए, विराट ने लगाया अर्धशतक

नई दिल्ली । मुम्बई के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा जहां विजय हजारे ट्रॉफी के दूसरे दिन रन बनाने में विफल रहे और उत्तराखंड के खिलाफ पहली ही गेंद पर पेवेलियन लौट गये। वहीं दिल्ली की ओर से खेल रहे विराट कोहली ने गुजरात के खिलाफ 77 रन बनाये।

रोहित और विराट दोनों ही पहले मैच में शतक लगाने में सफल रहे थे पर इस

दूसरे मैच में रोहित के असफल होने से उनके प्रशंसकों को निराशा हुई। रोहित ने पहले मैच में सिक्किम के खिलाफ 155 रनों की आक्रामक पारी खेली थी। जबकि विराट ने आंध्र के खिलाफ 131 रन बनाए थे।

वहीं गुजरात के खिलाफ विराट ने 61 गेंदों में 13 चौके और एक छक्का लगाकर 77 रन बनाए ।

विराट ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दौरान तीन पारियों में 302 रन बनाये थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया दौरे में रोहित ने दो शतक और तीन अर्धशतक लगाकर अपनी 7 पारियों में 99.00 की औसत से 495 रन बनाए थे।

ये दोनो ही इस साल एकदिवसीय में भारत की ओर से सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। विराट ने 13 मैचों और पारियों में 65.10 की औसत से 651 रन बनाए जिसमें तीन शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। वहीं ,रोहित ने 14 पारियों में 50.00 की औसत और 100 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 650 रन बनाए जिसमें दो शतक और चार अर्धशतक रहा।

एशेज सीरीज में बॉक्सिंग-डे टेस्ट के पहले ही दिन गिरे 20 विकेट

ऑस्ट्रेलिया को मिली 46 रनों की बढ़त

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से यहां शुरू हुए एशेज क्रिकेट सीरीज के बॉक्सिंग-डे टेस्ट मैच का पहला दिन गेंदबाजों के नाम रहा। ऑट्रेलियाई टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 152 रनों पर ही सिमट गयी। इसके बाद लगा कि इंग्लैंड के पास बड़ा स्कोर बनाने का अवसर था पर वह असफल रही और अपनी पहली पारी में 110 रनों पर ही आउट हो गयी। इस प्रकार मैच में एक ही दिन में कुल 20 विकेट गिरे। इंग्लैंड की ओर से जोश टंग ने सबसे अधिक पांच विकेट लिए। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से माइकल नेसर ने चार विकेट मिले।

इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 4 रन बना लिए थे। स्कॉट बोलैंड 4 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि ट्रेविस हेड ने अपना खाता नहीं खोला था। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 42 रनों की बढ़ मिली थी। इस प्रकार दिन के अंत में उनकी बढ़त 46 पर पहुंच गयी।

इससे पहले आज सुबह इंग्लैंड ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। माइकल नेसर ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए, जबकि उस्मान ख्वाजा ने 29 और एलेक्स कैरी ने 20 रन बनाये। टीम के पांच बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये। इंग्लैंड की आरे से जोश टंग से सबसे अधिक 5 विकेट लिए जबकि गस एटकिंसन को 2 विकेट मिले, ब्रायडन कार्स और कप्तान बेन स्टोक्स ने 1-1 विकेट लिया।पहली पारी में टीम 45.2 ओवर में ही 152 रन पर ढेर हो गई। कंगारू टीम का एक भी बल्लेबाज अर्धशतक नहीं जमा सका। इंग्लैंड की तरफ से टंग ने अपने टेस्ट करियर में पहली बार एक पारी में पांच विकेट लिए। उन्होंने जैक वेदराल्ड 10, मार्नस लाबुशेन 6, स्टीव स्मिथ 9, माइकल नेसर 35 और स्कॉट बोलैंड 0 का विकेट लिया। वहीं गस एटकिंसन ने दो विकेट लिए। ब्रायडन कार्स और बेन स्टोक्स को एक-एक विकेट मिला।

इसके बाद इंग्लैंड के बड़ा स्कोर बनाने के सपने को ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क और माइकल नेसर की जोड़ी ने तोड़ दिया। टीम ने 16 रनों के अंदर ही चार विकेट खो दिये। स्टार्क ने जैक क्रॉली को 5 और बेन डकेट को 2 जबकि नेसर ने जैकब बेथेल 1) और स्टार बल्लेबाज जो रूट को खाता खोले बिना ही पेवेलिन भेज दिया। । सबसे अधिक 41 रन हैरी ब्रूक ने बनाये।

इंग्लैंड की पूरी टीम 29.5 ओवर में ही 110 रन पर पेवेलिन लौट गई। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से माइकल नेसर ने 10 ओवर में एक मेडन सहित 45 रन देकर चार विकेट लिए। स्कॉट बोलैंड को तीन विकेट मिले जबकि मिचेल स्टार्क ने दो विकेट लिए। इस मैच में मेजबान टीम की कप्तान स्मिथ कर रहे हैं क्योंकि नियमित कप्तान पैट कमिंस टीम से बाहर हैं। वहीं स्पिनर नाथन लायन भी फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर हैं। इंग्लैंड ने जोफ्रा आर्चर की जगह गस एटकिंसन को शामिल किया है।

वैभव सूर्यवंशी को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को खेल में असाधारण प्रदर्शन के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। 14 साल के वैभव ने घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपील और अंडर-19 क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया है। वैभव ने जिस प्रकार से आक्रामक पारियां खेली है उससे उनकी तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से भी होने लगी है। प्रशसंकों का मानना है जिस प्रकार सचिन अपने कैरियर की शुरुआत में खेलते थे। वैसे ही वैभव भी खेल रहे हैं।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 5 से 18 साल के बच्चों को खेल, बहादुरी, नवाचार, विज्ञान, समाज सेवा और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियों के लिए दिया जाता है। इस साल कुल 20 बच्चों को इस सम्मान के लिए चुना गया था, जिनमें वैभव शामिल थे।

इस सप्ताह की शुरुआत में उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 84 गेंद में 190 रन बनाए, जिसमें 16 चौके और 15 छक्के शामिल थे। उन्होंने सिर्फ 36 गेंद में अपना शतक पूरा किया और लिस्ट ए क्रिकेट इतिहास में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए।

वह सबसे उम्र में रणजी और आईपीएल खेलने वाले बल्लेबाज हैं। वैभव को पिछले साल सबसे कम उम्र में आईपीएल अनुबंध मिला था। तब उन्हें राजस्थान रॉयल्स ने 1.1 करोड़ रुपए में खरीदा था। अपने पहले आईपीएल मैच से पहले इस क्रिकेटर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंडर 19 मैच में 58 गेंदों पर ही शतक लगा दिया था। वहीं साल 2024 में अंडर-19 एशिया कप में भी उन्होंने दो अर्धशतक के साथ ही 44 की औसत से 176 रन बनाए थे। वैभव ने आईपीएल के पहले ही मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। तब उन्होंने 20 गेंदों में 34 रन बनाए थे। अपने पहले आईपीएल में केवल सात पारियों में 14 साल के इस खिलाड़ी ने 36.00 की औसत और 206 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ शतक के साथ ही वह टी20 में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाला खिलाड़ी बन गये। तब उन्होंने केवल 35 गेंदों में ही 7 चौके और 11 छक्के लगाकर शतक बनाया था। वहीं इंडिया अंडर 19 टीम के इंग्लैंड दौरे में वैभव ने 78 गेंदों में 143 रन बनाए जिसमें 13 चौके और 10 छक्के शामिल थे। ये इस टूर्नामेंट में सबसे तेज शतक था।

कार्यालय नगरपालिका परिषद वारासिवनी, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/3165,3156/लो.नि.वि./न.पा.प./2025, वारासिवनी,दिनांक 22-12-2025

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में समस्त पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विवरण https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

निविदा विवरण निम्नानुसार है-

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एव EMD	निविदा की अंतिम तिथि
01	क्र.2025_UAD_464583_2 दिनांकः 24/12/2025	लिक्विड वेस्ट मेनेजमेंट प्लांट तैयार किये जाने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट हेतु वार्ड क्रमांक 11 एवं 12 के मध्य चंदन नदी के किनारे 1300 वर्गमीटर भूमि क्रय किया जाना।	समयावधि- 07 दिवस	नि.प्र.मूल्य- 2,000/- EMD: 10,000/-	30-12-2025
02	क्र.2025_UAD_470560_1 दिनांकः 24/12/2025	Construction Of RCC Drain From Nandkishore Dudhbure House To Chataru Khairwar House At Ward No 08 Waraseoni	समयावधि- 30 दिवस लागत-4,53,722/-	नि.प्र.मूल्य- 2,000/- EMD: 4537-	17-01-2026

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन **https://mptenders.gov.in** की वेबसाईट पर ही किया जायेगा, पृथक से रामाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद वारासिवनी
वारासिवनी तारीख- 22-12-2025

12 नग सागौन लट्ठे के साथ पिक-अप वाहन जब्त

बेशकीमती इमारती लकड़ी सागौन की तस्करी पर बड़ी कार्रवाई

पदमेश न्यूज । कटंगी। बेशकीमती इमारती लकड़ी सागौन की तस्करी के मामले में वन विभाग कटंगी की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। वन विभाग ने मुखबिर की सूचना पर जाल बिछाकर एक आरोपी को पकड़ने में सफलता अर्जित की है जबकि अन्य 5 आरोपी अब भी फरार है। जिनकी वन विभाग तलाश कर रहा है। पकड़े आरोपी के पास से एक पिक-अप वाहन और उसमें रखे 12 नग सागौन के लट्ठे बरामद किए गए है। जब्त पिक-अप वाहन की अनुमानित कीमत करीब 5 लाख रुपए और सागौन की कीमत करीब 90 हजार रुपए आंकी गई है। आरोपी राजेश पिता महेश वड़ीचार उम्र 36 वर्ष निवासी महकेपार के खिलाफ वन अपराध दर्ज कर आरोपी को व्यवहार न्यायालय कटंगी के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय ने आरोपी को मुचलके पर छोड़ा है। वन विभाग ने वाहन के राजसात की कार्रवाई के दस्तावेज न्यायालय में पेश किए है।

प्राप्त जानकारी अनुसार वन परिक्षेत्र कटंगी के सीतापठोर वृत्त की परिक्षेत्र सहायक शशीकला चन्द्रवेल को मुखबिर से सागौन की अवैध तस्करी की सूचना मिली। जिसके बाद उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में आरोपियों को पकडने के लिए जाल बिछाया। गुरूवार-शुक्रवार की मध्य रात्रि करीब 2 बजे के आस-पास कोयलारी बीट के भाग-2 के कक्ष क्रमांक 788 में पिक-अप वाहन क्रमांक एम 40 सीएम 3729 को पकड़ा गया। जिसमें बेशकीमती इमारती लकड़ी सागौन थी। आरोपी ने बताया कि वह महाराष्ट्र जा रहे थे। हालांकि पकड़े गए आरोपी ने अपने साथियों के नाम उजागर नहीं किए है। वन मंडल अधिकारी के मार्गदर्शन और उपमंडल अधिकारी बी.आर.सिरसाम के निर्देशन और वन मंडल अधिकारी बी.एल.चढ़ार के नेतृत्व में परिक्षेत्र सहायक श्रीमती शशीकला चंद्रवेल, वन रक्षक हरिप्रसाद टेकाम, गणेश शंकर नगरधने, नीतेश चंदने ने कार्रवाई को अंजाम दिया है।

भूमिहीन व्यक्तियों को आवासीय भूमि का पट्टा प्रदान किए जाने सर्वेक्षण सूची जारी

पद्मेश न्यूज। लांजी। संचालनालय नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा नगरीय क्षेत्रों में निवासरत भूमिहीन व्यक्तियों को आवासीय भूमि का पट्टा प्रदान किए जाने हेतु जारी दिशा-निर्देशों के तहत नगर परिषद लांजी में सर्वेक्षण सूची का प्रथम प्रकाशन 19 दिसंबर 2025 को किया गया है। यह सर्वेक्षण सूची जिला कार्यालय, ई-नगरपालिका पोर्टल, एनआईसी की वेबसाइट www.balaghat.nic.in, तहसील कार्यालय लांजी एवं नगर परिषद लांजी के सूचना पटल पर प्रदर्शित की गई है, ताकि पात्र भूमिहीन नागरिक समय रहते जानकारी प्राप्त कर सकें। प्रकाशित सर्वेक्षण सूची के अनुसार नगर परिषद लांजी क्षेत्र में कुल 38 आवासहीन व्यक्तियों का चिन्हांकन किया गया है, जिनमें से 11 व्यक्तियों को पात्र तथा 27 को अपात्र श्रेणी में रखा गया है। इस सर्वेक्षण सूची के संबंध में यदि किसी को दावा या आपत्ति दर्ज करानी हो, तो वे 15 दिनों की अवधि के भीतर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय, लांजी में अपने दावे-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावे-आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। प्राप्त दावे-आपत्तियों के निराकरण के उपरांत सर्वेक्षण सूची का अंतिम प्रकाशन 05 जनवरी 2026 को किया जाएगा

कटंगी क्षेत्र में 18 घंटे बिजली प्रदान करने की मांग

पदमेश न्यूज। कटंगी। किसान गर्जना संगठन के पदाधिकारियों और किसानों ने शुक्रवार कटंगी शहर में रैली निकालकर बिजली कार्यालय पहुंचकर सहायक यंत्री को ज्ञापन सौंपा है। जिसमें संगठन ने कृषि फीडर को 18 घंटे बिजली प्रदान करने की मांग की है। प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष राहंगडाले, जिला उपाध्यक्ष कुलदीप पटले और ब्लॉक अध्यक्ष भरत लाल बिसेन के नेतृत्व में दोपहर 02 बजे स्थानीय विश्राम गृह में संगठन के तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता सहित किसान एकत्रित हुए। यहां से सभी ने आधा किलोमीटर की पैदल यात्रा निकालकर बिजली कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। फीडर सेपरेशन के बाद कृषि फीडर को 10 घंटे बिजली दी जा रही है। यह बिजली दो अलग-अलग शिफ्ट में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक और रात्रि में सा ? 12 बजे से सुबह त ?के 04 बजे तक दी जाती है। ऐसे में किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए रात्रि में मोटर पंप चालू करने के लिए खेत जाना प ?ता है। जिससे उनके साथ कई तरह की दुर्घटना होने का खतरा हमेशा ही बना रहता है। पूर्व में कई बार किसानों के साथ अप्रिय घटना घटित हो चुकी है। किसान और किसान संगठन की मांग है कि कृषि फीडर को एक साथ 18 घंटे की बिजली मुहैया करवाई जाए। किसान गर्जना संगठन ने अपने ज्ञापन के जरिए चेतावनी दी है कि अगर 05 जनवरी 2026 तक किसानों की मांग पूरी नहीं की गई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

किसान गर्जना संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि 08 घंटे की बिजली से खरीफ के सीजन में फसल पकाकर तैयार करना मुश्किल नहीं है तो रबी के सीजन में 08 घंटे की बिजली से फसलों की सिंचाई कर फसल पकाना बिलकुल भी संभव नहीं है। वह भी तब जब अलग-अलग शिफ्ट में कृषि फीडर की बिजली मुहैया हो रही है। किसान संगठन ने 18 घंटे बिजली प्रदान करने की मांग रखी है। मौजूदा वक्त में किसान रात में ठंड में खेत सींचने को मजबूर हैं और बार-बार ज्ञापन देकर भी समाधान नहीं मिल रहा है।

हर्रानाला में मावा नाटे मावा राज के नारों के साथ हुई ग्राम सभा

पद्मेश न्यूज। उकवा। केंद्र और राज्य सरकार पेसा एक्ट लागू करने के लिए देश और प्रदेश की ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा आयोजित करा रही हैं। इसी ग्राम सभा के माध्यम से ग्रामीणो को पेसा एक्ट की जानकारी दी जा रही है। इसी कड़ी में जनपद बैहर के ग्राम बिठली हर्रानाला में 24 दिसंबर दिन बुधवार को ग्राम सभा रखी गई ।

जिसमें शासकीय प्राथमिक शाला के बच्चों ने कलश यात्रा निकाली एवं बैंड बाजे के साथ अतिथियों का स्वागत किया गया। तत्पश्चात शिलालेख की पूजा अर्चना की गई ।जिसके बाद आईजी संजय सिंह के द्वारा ध्वजारोहण किया गया और सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ द्वारा मंच में स्वागत किया जिसमें सभी ने बारी बारी से मंच को संबोधित किया और पेसा एक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई जिसमें जमीनों के अधिकार, जनजाति गौरव की संरक्षण और संवर्धन के अधिकार,जंगल के अधिकार ,जल के अधिकार, श्रमिकों के अधिकारी बताएं गए।

कार्यक्रम में उपस्थित आईजी संजय सिंह बालाघाट, एसडीओपी करनदीप सिंह, सकुंतला डामोर बालाघाट ,मंशाराम मडावी जिला पंचायत सदस्य बालाघाट, अशोक मसराम,मंगरू सिंह उइके, ग्राम सभा मुख्या मालती उइके बिठली सरपंच, अर्जुनसिंह उइके पूर्व सरपंच बिठली, रुपलाल मेरावी पूर्व सरपंच बिठली, राजकुमार मर्सकोले, सुरेन्द्र मरकाम,तिरथसिंह, मुन्नालाल उइके, शंकर लाल सुखदेव व पुलिस प्रशासन एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

ग्राम सभा के दौरान दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता रखी गई थी जिसमें प्रथम पुरस्कार 7001 रूपये द्वितीय पुरस्कार 3501 रुपये तृतीय पुरस्कार 2001 रूपये वितरण किए गए प्रथम पुरस्कार गौनाझोला की टीम ने हासिल किया द्वितीय पुरस्कार पोंडी व तृतीय हर्रानाला की टीम ने अपनी जगह बनाते हुए पुरूस्कार प्राप्त किया।

एस.सी.एस.टी पेंशनर्स संगठन के चुनाव सम्पन्न

पदमेश न्यूज। बालाघाट। ओ.बी.सी. एस.सी. एस.टी. पेंशनर्स एसोशिएशन बालाघाट की आमसभा गत दिवस वार्ड नं. 02 भटेरा चौकी में सम्पन्न हुई, आमसभा की अध्यक्षता संगठन के संरक्षक लोचनसिंह देशमुख द्वारा की गई, संगठन की बैठक में आय व्यय का ब्यौरा महासचिव द्वारा प्रस्तुत किया गया, तथा वर्षभर संगठन के किये कार्यो का प्रस्तुतिकरण किया गया। साथ ही साथ संगठन के निर्वाचन किये गये जिसमें सर्व सम्मति से बी.आर. भैरम को अध्यक्ष, रमेश कुमार पटले को उपाध्यक्ष, एन.के. भीमटे को महासचिव, एस.एस. उइके को कोषाध्यक्ष, बाबूलाल भीमटे संयुक्त सचिव एवं जी.एल. जैसवाल तथा रामकिशोर बिसेन सदस्य पदेन कार्यालय सचिव एवं संगठन सचिव निर्वाचन अधिकारी डा. नरेन्द हरिनखेड़े द्वारा घोषित किये गये, साथ ही भुनेश्चन्द्र भारद्वाज, श्रीमती त्रिवेणी साहू को उपाध्यक्ष भजनलाल बिसेन, योगेश्वर बिसेन को संगठन सचिव गोपाल देव नीरद एस एल गौतम को प्रचार सचिव घोषित किया गया।श्री देशमुख एवं श्री उइके के साथ एस.के तुरकर एवं डा. नरेन्द्र हरिनखेड़े को संरक्षक बनाया गया।

सांसद खेल महोत्सव में कराते में बालाघाट बना चैम्पियन

12 में से 11 स्वर्ण पदक बालाघाट, 1 स्वर्ण पदक सिवनी के नाम

पदमेश न्यूज । बालाघाट । बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय सांसद खेल महोत्सव कराते प्रतियोगिता में बालाघाट जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया। कुल 12 केटेगरी में से 11 स्वर्ण पदक बालाघाट की विभिन्न विधानसभाओं ने अपने नाम किए, जबकि 1 स्वर्ण पदक सिवनी जिले के हिस्से आया।

जिला कराते खेल प्रशिक्षक सचिंद्र कृष्णन ने बताया कि इस प्रतियोगिता में बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र की आठ विधानसभाओं बालाघाट, सिवनी, बरघाट, बैहर, कटंगी, लांजी, परसवाड़ा एवं वारासिवनी के खिलाड़ी शामिल हुए। ये खिलाड़ी लगभग एक माह पूर्व विधानसभा स्तर पर चयनित होकर जिला स्तरीय स्पर्धा में पहुंचे थे और अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया।

प्रतियोगिता में लांजी से शिवानी नेवारे ने स्वर्ण पदक, श्रद्धा भागड़कर, डेविड नेवारे, विधानसभा परसवाड़ा से अनुज लिल्हारे, बालाघाट से करण चौधरी, साहिल तुमसरे तथा प्रणय लांजेवार ने प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इसके अलावा राधिका डोंगरे ने रजत पदक, पल्लवी लिल्हारे ने कास्य पदक, राजेश भागडकर कांस्य पदक तथा मयंक डोलस कांस्य पदक अर्जित किया। इनमें से 9 खिलाड़ी खेल विभाग के जिला कराटे प्रशिक्षण केंद्र मुलना स्टेडियम के कराते खिलाड़ी हैं । आठ विधानसभाओं की पदक तालिका में से 7 स्वर्ण पदक खेल एवं युवा कल्याण विभाग के मुलना स्टेडियम स्थित कराते सेंटर के खिलाड़ियों ने जीतकर जिले का नाम रोशन किया।

इस उपलब्धि पर एसडीओपी वारासिवनी, जिला खेल अधिकारी अभिषेक चौधरी, खेल अधिकारी राहुल बारेसा, जिला एथलेटिक संघ अध्यक्ष नरेश धुवारे, अजय ठाकुर (आकाशवाणी), कमल तिलासे, शैलेंद्र यादव, ओमप्रकाश दमाहे, क्रीड़ा अधिकारी अरविंद डहेरिया, केदारनाथ ठाकरे, अमन, योगेंद्र पटले, धीरज डोंगरे, शंकरलाल राहंगडाले सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। जिला स्तरीय सांसद खेल महोत्सव कराते प्रतियोगिता का आयोजन अत्यंत सफल रहा और बालाघाट के खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से जिले को गौरवान्वित किया।

मोहगांव ध. के ग्रीन हाउस स्कूल में वार्षिकोत्सव 28 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत मोहगांव ध. स्थित ग्रीन हाउस पब्लिक इंग्लिश मीडियम स्कूल में 28 दिसंबर को वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर श्री लिल्हारे बच्चों के बीच में शामिल होंगे एवं मोटिवेशनल कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों के साथ संवाद कर बच्चों को शिक्षा के प्रति मोटिवेशनल करेंगे। साथ ही जीएसटी कमिश्नर श्री लिल्हारे इस अवसर पर ग्रीन हाउस स्कूल इंग्लिश मीडियम को 10 कम्प्यूटर सेटअप नि:शुल्क प्रदान करेगें। ताकि बच्चों को तकनीकी का ज्ञान प्राप्त हो सके एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील स्कूल प्राचार्य के द्वारा की गई है।

प्राकृतिक आपदा से हुई मृत्यु के 2 प्रकरणों में 04-04 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत

पदमेश न्यूज। बालाघाट। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बालाघाट श्री गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6/4 के प्रावधानों के तहत प्राकृतिक आपदा से हुई मृत्यु के 02 प्रकरणों में 04-04 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की है। 05 अक्टूबर 2025 को लामता तहसील के ग्राम बसेगांव निवासी अव्यांश उइके की पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण मृतक की वारिस माँ श्रीमति गोदावरी उइके को 04 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। इसी प्रकार ग्राम चरेगांव निवासी नंदुलाल राजुरकर की 09 सितम्बर 2025 कों तालाब के पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण मृतक की वारिस पत्नि मीराबाई कों 04 लाख की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। लामता तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि वे कोषालय में देयक प्रस्तुत कर श्रीमती गोदावरी उइके एवं मीराबाई के खातें में ई-पेमेंट से शीघ्र 04-04 लाख रुपए की राशि जमा कराए।

ओरिएंटल कॉलेज में खेल सप्ताह कार्यक्रम जारी, विद्यार्थी दिखा रहे अपनी प्रतिभा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बकोड़ा के समीप बालाघाट रोड़ स्थित ओरिएंटल ग्रुप ऑफ एजुकेशन (कालेज) में गत दिवस से खेल सप्ताह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। जिसका समापन 28 दिसंबर को किया जायेगा। वहीं विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को नई ऊर्जा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में रोजाना विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें छात्र-छात्राएं अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। जिसमें प्रथम दिवस बैडमिंटन, खो-खो, कैरम एवं शतरंज जैसी इनडोर और आउटडोर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन मुकाबलों में विद्यार्थियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। वहीं आयोजन के दूसरे दिन गुरूवार को क्रिकेट प्रतियोगिता संपन्न हुई। इस अवसर पर पनबिहरी स्थित खेल स्टेडियम में खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त उत्साह रहा और सभी ने खेल भावना का परिचय देते हुए अपनी टीम को जीत दिलाने का प्रयास किया। वहीं तीसरे दिन शुक्रवार को कालेज परिसर में कबड्डी सहित अन्य प्रतियोगिताएं संपन्न करवाई गई है। इस तरह से इस पांच दिवसीय खेल-कूद प्रतियोगिता के अवसर पर विभिन्न खेलों का आयोजन किया जा रहा है एवं विद्यार्थियों के द्वारा विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित कर रहे है। वहीं खेल सप्ताह का यह सफल आयोजन संस्था प्रमुख ऐश्वर्य बिसेन के कुशल निर्देशन तथा मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती शैफाली बिसेन के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। कॉलेज प्रबंधन ने बताया कि इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों का सर्वागीण विकास होता है और उन्हें अपनी प्रतिभा को मंच प्रदान करने का अवसर मिलता है। चर्चा में कालेज के डायरेक्टर एचसी हनवत ने बताया कि खेल सप्ताह कार्यक्रम गत दिवस से कालेज में जारी है और इस 5 दिवस खेल-कूद कार्यक्रम में रोजाना विभिन्न खेल संपन्न करवाये जा रहे है और यह खेल केवल मनोरंजन नही है बल्कि अनुशासन, टीम वर्क को सीखने का सबसे अ'छा माध्यम है। साथ ही खेल खेलने से शरीर का शारीरिक एवं मानसिक विकास भी होता है इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी जरूरी है। विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को नई ऊर्जा देने के उद्देश्य से खेल सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर शिक्षिका रानी नगपुरे, एस. आर बोपचे, रोहिणी हुमनेकर, ज्ञानीराम हरिनखेरे, महेंद्र गौतम, ऋतिक कटारे, रक्षा ठाकरे, वैशाली देशमुख, आशा चौधरी, प्रीति चौधरी, अंकित हरिद्वाज, राजकुमार सोनी, देवेंद्र यादव, मनोज कोहरे, बिहारी प्रजापति, ट्विंकल वरकड़े, सुरभि ठाकरे, दीपिका बिसेन, स्वाति हनवत, साक्षी साकुरे, शिखा लांजेवार, कपिल पंचेश्वर, शालिनी भोंडेकर, प्रिया नेवारे, संजय नंधरधाने, ललित रोकड़े, दिनेश मसखरे, माधुरी मानेश्वर, लाकेश कावरे, शीतल बिसेन, आंचल कटरे सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राहुल गांधी के विदेश दौरों पर भारतीय दूतावास के अधिकारी रखते हैं नजर

-ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा का दावा

नई दिल्ली। ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने दावा किया है कि राहुल गांधी के विदेश दौरों के दौरान भारतीय दूतावास के अधिकारी उन पर नजर रखते हैं और कई बार विदेशी नेताओं से उन्हें न मिलने को कहा जाता है। पित्रोदा ने राहुल गांधी के दौरे को लेकर यह दावा किया है। इसमें उन्होंने कहा कि मैने खुद देखा है कि राहुल गांधी के होटल, मीटिंग्स और एयरपोर्ट पर उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जाती है। हालांकि इसके सबूत नहीं हैं, लेकिन अनुभव के आधार पर यह बात कह रहा हूं।

वहीं सैम पित्रोदा ने बीजेपी के राहुल गांधी पर देश की छवि को नुकसान पहुंचाने के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया। जर्मनी दौरे की टाइमिंग पर उन्होंने कहा कि विदेश यात्राएं अचानक तय नहीं होतीं, बल्कि महीनों पहले से उनका कार्यक्रम बनता है। राहुल गांधी पर विदेश जाकर भारत की छवि खराब करने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि सच तो सच होता है, चाहे वह भारत में बोला जाए या विदेश में। डबल स्टैंडर्ड नहीं हो सकते। जॉर्ज सोरोस और विदेशी फंडिंग से जुड़े आरोपों पर पित्रोदा ने कहा कि ये पूरी तरह बेबुनियाद हैं। राहुल गांधी या कांग्रेस का किसी भी तरह के एंटी-इंडिया नेटवर्क से कोई संबंध नहीं है। सब बकवास है। हम यूनिवर्सिटी जाते हैं, पब्लिक स्पेस में बात करते हैं। कौन किससे जुड़ा है, हमें न पता है और न हमें फर्क पड़ता है। क्रिसमस के दौरान चर्चों पर हमलों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा पर उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की हिंसा की समाज में कोई जगह नहीं है। ऐसी घटनाएं भारत की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं और यह नफरत का नतीजा हैं।

सैम पित्रोदा ने कहा कि मनरेगा की जगह लाए गए जी-राम-जी कानून में राम के नाम का इस्तेमाल क्यों किया गया। महात्मा गांधी के नाम से योजना चल रही थी, उसमें क्या दिक्कत थी? प्रधानमंत्री किसी एक समुदाय के नहीं, पूरे देश के होते हैं। धर्म निजी आस्था हो सकती है, लेकिन शासन की प्राथमिकता नहीं। लोकतंत्र और चुनाव प्रणाली पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि भारत समेत कई देशों में संस्थाएं दबाव में हैं। ईवीएम, वोटर लिस्ट और चुनाव आयोग को लेकर भरोसे की कमी है। दुनिया के कई देशों हंगरी, तुर्की, अमेरिका और भारत में लोकतांत्रिक संस्थाएं दबाव में हैं।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा को लेकर पित्रोदा ने कहा कि भारत को सबसे पहले अपने पड़ोस पर ध्यान देना चाहिए। हिंसा कहीं भी हो, उसका कोई औचित्य नहीं है। भारत अगर 'विश्व गुरु' बनना चाहता है तो पहले अपने पड़ोस बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान में स्थिरता और शांति के लिए नेतृत्व दिखाना होगा।

न्यूज गैलरी

कटंगझरी खदान चौकीदार की संदिग्ध मौत

पदमेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी क्षेत्र में आने वाली ग्राम कटंगझरी में पेसिफिक मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी के द्वारा संचालित माइंस खदान के चौकीदार की संदिग्ध की स्थिति में मौत हो गई। मृतक गिरवरदास पिता मंगलदास परवार 61 वर्ष ग्राम चिखलाझोड़ी थानां रूपझर निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति का पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है संभावना व्यक्त की गई है कि इस व्यक्ति की हृदय गति रुकने से मौत हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गिरवर दास के परिवार में पत्नी और तीन बेटे हैं ।बड़े बेटे की शादी हो चुकी है और वह ड्राइवरी करता है और इन दोनों रायपुर में है। दो बेटे गांव में ही खेती किसानी करते हैं। गिरवरदास पिछले 1 साल से वारासिवनी क्षेत्र में आने वाली ग्राम कटंगझरी मे पेसिफिक मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा संचालित माइंस खदान में चौकीदारी कर रहा था और माइंस के ही

क्वार्टर में रहता। 25 दिसंबर की रात्रि में गिरवरदास ने चौकीदारी की थी। 26 दिसंबर को सुबह जब गिरवरदास हाथ मुंह धो रहा था तभी वह अचानक चक्कर आने से गिर गया था। डॉक्टर के द्वारा चेक करने पर गिरवरदास को बीपी लो होना बताया गया था जिसके बाद उसे बोतल भी लगाई गई थी। इस दौरान गिरवरदास को उसके बेटे अभय परवार का फोन आया था जिसे उसने अपनी तबीयत खराब होने के संबंध में बताया था। 11 करीब गिरवर दास को कटंझरी से वाहन से बालाघाट इलाज करवाने के लिए लाया जा रहा था। उस समय भी गिरवरदास ने अपने बेटे को फोन करके बताया था कि मैं बालाघाट आ रहा हूं तुम लोग बालाघाट आजाओ हम घर चिखलाझो ?ी जाएंगे। बेटे अभय परिवार ने अपने पिता गिरवरदास को बालाघाट में ही इलाज करवाने बोला था और वह भी चिखलाझोड़ी से जिला अस्पताल बालाघाट आने के लिए निकलाथा। गिरवरदास को जब जिला अस्पताल लाया गया किंतु उसकी मौत हो चुकी थी जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिए। गिरवरदास की कटंगझरी से जिला अस्पताल बालाघाट रहते समय रास्ते मे ही मौत हो चुकी थी। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक बारेलाल पांचे और आरक्षक शरद यादव ने परिजनों के आने के बाद गिरवरदास की लाश पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। संभावना व्यक्त की गई है कि गिरवर दास की हृदय गति रुकने से मृत्यु हो गई। किंतु पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। जिला अस्पताल पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना वारासिवनी नहीं भेज दी है।

कान्हा टाईगर रिजर्व-सोनेवानी अभ्यारण्य-पेंच टाईगर रिजर्व का यह गलियारा अब वन्य प्राणी बाघ का विचरण वाला इलाका बन गया है। बरबसपुर नामक गाँव जो बालाघाट शहर से महज 7 किलोमीटर की दूरी पर बसा है, वहाँ आज सुबह ग्रामीणों ने न सिर्फ बाघ की दहाड़ सुनी बल्कि उसे एकदम निकट से देखा भी। धूल भरी कच्ची सड़क पर उसके पगमार्क भी देखे। यह इस खतरनाक बाघ की उपस्थिति का संकेत डरावना भी है। ग्रामीणों के अनुसार उन्होंने अपने खेती किसानी के कार्यों को फिलहाल टाल दिया है। वे भयंकर दहशत में हैं। यह गाँव वारासिवनी अनुविभाग के अंतर्गत आता है। इस गाँव से कुछ दूरी पर जंगल शुरु होता है।

अलसुबह शहर से 7 किमी के दायरे में पहुंचा बाघ, बरबसपुर के ग्रामीणों ने देखा और दहाड़ भी सुनी!!

बरबसपुर-कायदी खदान के रास्ते धुल में बाघ के पंजे के निशान मिले; ग्रामीणों ने खेत-खलिहान का काम फिलहाल टाला

प्रत्यक्षदर्शी कमला उड़के

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट/वारासिवनी।

वारासिवनी वन विभाग अंतर्गत कनकी बीट के ग्राम बरबसपुर में ग्रामीण महिलाओं के द्वारा हिंसक वन्य प्राणी बाघ को देखा गया। इसके बाद यह सूचना ग्राम सहित आसपास के क्षेत्र में आग की तरफ फैल गई जिससे मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। तो वहीं पूरे ग्राम में भय का वातावरण बना हुआ है जहां किसानों के द्वारा खेत खलिहान खाली छोड़ दिए गए हैं। तो वहीं लोग अपने घरों में दरवाजा लगाए हुए हैं हालांकि घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग के द्वारा मौके पर आवश्यक कार्यवाही कर दी गई है। इसके साथ ग्रामों में मुनादी कर लगातार सर्चिंग की जा रही है।

ग्रामीण कमला उड़के ने बाघ को सबसे पहले देखा

प्राप्त जानकारी के अनुसार कन्हैया उइके बरबसपुर निवासी के मकान के सामने सड़क के पार खाली स्थान है। जहां खेती और जंगल लगा हुआ है तो वहीं उसके घर के बाजू में भी खाली स्थान है जहां से नहर जंगल और खेती लगाते हैं। वह अपने मकान में पत्नी, बहू और बेटे के साथ निवास करता है जहां प्रतिदिन की तरह उसकी बहू कमला उर्फ ज्योति उइके शौच के लिए घर के पीछे वाले स्थान में नहर की तरफ गई हुई थी। जहां से वह वापस २६ दिसम्बर की सुबह करीब ६.३० बजे आ रही थी तभी अचानक घर के पास उसे हिंसक वन्य प्राणी बाघ के दहाड़ने की आवाज आई। तो उसके द्वारा उसे सुनते हुए आगे आकर देखा गया तो उसके घर के ठीक सामने खाली स्थान से हिंसक वन्य प्राणी बाघ चलता हुआ उसकी तरफआ रहा था। बाघ के दीदार से वह डरकर किनारे में छप गई ऐसे में वह उसके घर के सामने वाले खाली स्थान से रोड क्रॉस करते हुए उसके घर के साइड वाले खाली स्थान से नहर की ओर आगे निकल गया। जिसे उसके द्वारा आँख भर देखा गया और तत्काल गांव के लोग सहित परिजनों को सूचना दी। जिन्होंने वन विभाग को घटना की जानकारी दी जिस पर तत्काल रेंजर छत्रपाल सिंह जादौन वन अमले के साथ मौके पर पहुंचे और महिला से पूछताछ कर बाघ के आने वाले और जाने वाले दोनों स्थान पर गहन सर्चिंग की गई। जहां बाघ के पद मार्ग धूल में पाए गए जिससे हिंसक वन्य प्राणी बाघ की शिनाख्त कर तत्काल ग्राम एवं वन क्षेत्र में सर्चिंग प्रारंभ कर दी। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में माइक के माध्यम से मुनादी कर लोगों को वन क्षेत्र में नहीं जाने की अपील की है। वहीं किसी भी स्थिति में तत्काल वन विभाग से संपर्क करने कहा गया है।

बाघ की उपस्थिति से ग्रामीणों मे दहशत व्याप्त

ग्राम पंचायत बरबसपुर, कोपे ,चिल्लौद ,तुमाड़ी, कायदी ,नेवरगांव ,डोंगरिया ,लेंडेझरी आपस में जुड़े हुए हैं। जहां आबादी क्षेत्र के साथ वन क्षेत्र भी लगा हुआ है जिससे किसानों की खेती भी जंगल से लगी हुई है। ग्राम बरबसपुर में हिंसक वन्य प्राणी बाघ के देखे जाने और वह नहर की ओर बढ़ने की सूचना के बाद सभी ग्रामीण क्षेत्रों में दहशत का माहौल व्याप्त है। तो वहीं किसानों के द्वारा खेत बाड़ी को छोड़ दिया गया है जबकि वर्तमान में किसानों का सबसे महत्वपूर्ण काम गेहूं में पानी चलाने का था। परंतु वह डरे हुए हैं जबकि यह एक घना वन क्षेत्र है जो सीधे रमरमा, सोनीवानी ,सिलेझरी से आपस में जुड़ा हुआ है। ऐसे में हर व्यक्ति डरा हुआ है और वह वन विभाग से बाघ को उसके प्राकृतिक आवास में खदेड़ने की मांग कर रहा है।

मैं शौच के लिये गई थी दहाड़ने की आवाज सुनाई दी सामने देखी तो बाघ था-कमला

प्रत्यक्षदर्शी कमला उइके ने बताया कि बाघ मुझे सामने से दिखा मैं शौच के लिए गई हुई थी। जहां से वापस आ रही थी तो दहाड़ने की आवाज सुनाई दी तो मैं पीछे पलट के देखी और फिर सामने देखी तो आगे बाघ था। यह देख मैं डर गई और किनारे में हो गई फिर वह सीधा चलता हुआ खदान की तरफ निकल गया उसके शरीर पर पट्टे बने हुए थे।

मुझे ज्योति ने जानकादी दी कि बाघ कायदी खदान के रास्ते से गया है-फागन

फागन उइके ने बताया कि ६.४५ बजे मुझे फोन आया कि गांव में बाघ गुजरा है। जिस पर मैं आकर देखा तो मुझे हिंसक वन्य प्राणी तो देखने नहीं मिला परंतु धूल में उसके पंजे देखने मिले। यह जानकारी मुझे ज्योति ने दी थी फिर बताया कि वह कायदी खदान है उस रास्ते में गया हुआ है। इसके बाद हमने वन विभाग को जानकारी दिए और उनके द्वारा यहां आकर सर्चिंग की जा रही है।

बाघ के जाने वाले रास्ते का मौका निरीक्षण कर ग्राम में मुनादी दी गई है-भास्कर

डिप्टी रेंजर भास्कर उके ने बताया कि बरबसपुर ग्राम में नहर के पास यह पेट पूजा ढाबा है वहां से १५० मीटर दूर सुबह करीब ६.३० बजे रोड क्रॉस कर एक तरफ से दूसरे तरफ जाते हुए बाघ को देखा गया। इसकी सूचना पर रेंजर छत्रपाल सिंह जादौन के साथ हम सभी यहां पर आकर देख तो राजस्व क्षेत्र में उसके पंजे के निशान मिले हैं। बाघ के जाने वाले रास्ते का मौका निरीक्षण किया गया है बरबसपुर सहित आसपास के ग्राम में मुनादी करवा दी गई है। लोगों को जंगल जाने से रोका जा रहा है ताकि जनहानि ना हो ग्राम सभा में भी यह बात की गई है और विभाग के द्वारा सभी तरफ से सर्चिंग की जा रही है।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने जिला जेल का किया निरीक्षण

पदमेश न्यूज। बालाघाट। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्राणेष कुमार प्राण ने आज जिला जेल बालाघाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जेल में निरुद्ध बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा उनके अधिकारों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान प्राणेष कुमार प्राण ने बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि जरूरतमंद बंदी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बंदी को न्यायसंगत व्यवहार एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना शासन और प्रशासन की जिम्मेदारी है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने जेल परिसर का भ्रमण कर भोजन व्यवस्था, स्वच्छता, स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती तारा मार्को, अविनाश छारी, जिला विधिक सहायता अधिकारी जितेन्द्र मोहन धुर्वे, जेल अधीक्षक श्री रामलाल सहलाम सहित जेल का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। निरीक्षण के माध्यम से बंदियों की समस्याओं के निराकरण एवं जेल व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

पार्ट टाइम जॉब

हिन्दी टाईपिस्ट की आवश्यकता है

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय में सांय 6 से 11 बजे तक कार्य हेतु हिन्दी टाईपिस्ट की आवश्यकता है।

पार्ट टाइम जॉब को प्राथमिकता देने वाले तत्काल संपर्क करें।

वेतन-योग्यतानुसार

सम्पर्क- कार्यालय दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस
काली पुतली चौक, बालाघाट (मप्र)मो.9425138710
ईमेल :-balaghatexpress@gmail.com

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट